झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

रांची, रविवार, 02 अगस्त 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -47 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

आज का विचार

झारखण्ड उजाला

राज सिंह
समाजसेवी, रांची

आज का ददौर अकका दौर है, इस दौर में सब कुछ संभव है, वर्तमान के लिए एक बेहतर विकल्प है, क्रिएशन का इसको अच्छे से समझने की आवश्यकता है, जिससे आप अपनी एक अलग पहचान बना सकते हैं ।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : 1,49,560
चांदी (प्रति किलो) : 2,55,000
(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- 78,094.64
निफ्टी :- 24,383.60

मौसम

अधिकतम तापमान : 29 °
न्यूनतम तापमान : 23 °

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- 05:19
संध्या :- 18:31

आज का इतिहास

आज ही के दिन 1610 को अंग्रेजी के समुद्री खोजकर्ता हेनरी हडसन ने कहा कि अब हडसन खाड़ी को जाना जाता है, यह सोचकर कि उसने इसे नॉर्थवेस्ट पैसेज के माध्यम से प्रशांत महासागर में बनाया है।

संक्षिप्त समाचार

कांके में अनियंत्रित ट्रैक्टर ने कई वाहनों को मारी टक्कर

रांची। रांची के कांके में तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रैक्टर ने कई वाहनों को रौंद दिया. इस हादसे में कुछ लोगों को हल्की चोटें आई है. जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम को कांके रोड में एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित हो गया और सड़क पर चल रहे कई वाहनों को टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भयंकर थी कि 3 वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए. दुघर्टना के बाद अफरा-तफरी का माहौल बन गया. सड़क पर वाहनों की कतार लग गई. चालक वाहन छोड़ मौके से फरार हो गया. घटना की सूचना पुलिस को दी गई. सूचना पर पहुंची पुलिस लोगों से पूछताछ कर रही है.

छत्तीसगढ़ के दो प्रवासी मजदूरों की मौत, आतंकियों की तलाश में बड़ा सर्च ऑपरेशन

रायपुर। जम्मू-कश्मीर के दक्षिण कश्मीर स्थित कुलगाम जिले के केल्लाम इलाके में आतंकियों ने शुक्रवार 31 जुलाई शाम प्रवासी मजदूरों पर कायराना हमला कर दिया। इस हमले में छत्तीसगढ़ के दो श्रमिकों की जान चली गई। मृतकों की पहचान 24 वर्षीय दीपक रात्रे और 28 वर्षीय भूपेंद्र कुमार के रूप में हुई है। पहले दीपक रात्रे की मौके पर मौत की पुष्टि हुई थी, जबकि गंभीर रूप से घायल भूपेंद्र कुमार ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और आतंकियों की तलाश में व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे केल्लाम क्षेत्र में अचानक गोलियों की आवाज गूंजने लगी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि 3 से 4 राउंड फायरिंग हुई। हमले के बाद स्थानीय लोगों और सुरक्षा बलों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने दीपक रात्रे को मृत घोषित कर दिया, जबकि भूपेंद्र कुमार ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 : भारतीय बॉक्सिंग का ऐतिहासिक प्रदर्शन, 10 में 7 गोल्ड और 3 सिल्वर

एजेंसी

नयी दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के लिए शनिवार ऐतिहासिक रहा। भारतीय मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 फाइनल में 7 गोल्ड और 3 सिल्वर जीतकर नया कीर्तिमान बनाया। प्रीति पवार, जैस्मिन लैंबोरिया, साक्षी चौधरी, प्रिया घांघस, अरुंधति चौधरी, सचिन सिवाच और अंकुश पांघल ने अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीते, जबकि जादुमणि सिंह, लवलीना बोरगोहेन और नरेंद्र बेरवाल को रजत पदक मिला। यह कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय बॉक्सिंग का अब तक का सबसे सफल अभियान रहा।

दक्षिण-एशियाई और प्रवासी

बॉक्सिंग के अलावा भारत ने अन्य खेलों में भी दमदार प्रदर्शन किया। गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतकर ग्लासगो 2026 में अपना दूसरा मेडल हासिल किया। सोमन राणा ने पुरुष पैरा शॉट पुट F57 में गोल्ड और शुभम जुयाल ने सिल्वर जीतकर भारत को 1-2 फिनिश दिलाई। वहीं प्रवीण चित्रवेल ने ट्रिपल जंप में सिल्वर, सेल्वा प्रभु थिरुमारन और उन्नति शर्मा ने कांस्य पदक अपने नाम किए। इन उपलब्धियों के साथ भारत के खाते में अब 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज समेत कुल 39 मेडल हो गए हैं।

प्रीति ने दिलाया पहला गोल्ड

भारत की स्टार मुक्केबाज प्रीति पवार ने महिला 54 किग्रा वर्ग के फाइनल में कनाडा की स्कारलेट सवाना डेलगाडो को हराकर भारत का पहला स्वर्ण पदक दिलाया. उन्होंने पूरे मुकाबले में दबदबा बनाए रखा और एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की.

जैसमीन ने दिखाया विश्व चैंपियन वाला दम

महिला 57 किग्रा वर्ग के फाइनल में मौजूदा विश्व चैंपियन जैसमीन लंबोरिया ने नॉर्दर्न आयरलैंड की माइकेला वॉल्श को हराकर भारत को दूसरा स्वर्ण दिलाया. जैसमीन ने पूरे मुकाबले में संयम और आक्रामकता का शानदार संतुलन दिखाया.

जादूमणि को मिला रजत

पुरुष 55 किग्रा वर्ग के फाइनल में जादूमणि सिंह ने कड़ा संघर्ष किया, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के जे डिक्सन से हार गए। उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा.

साक्षी ने बढ़ाई गोल्ड की संख्या

महिला 51 किग्रा वर्ग में साक्षी चौधरी ने इंग्लैंड की रूबी व्हाइट को हराकर भारत के लिए तीसरा स्वर्ण पदक जीता. उन्होंने पूरे मुकाबले में शानदार नियंत्रण बनाए रखा.

प्रिया की दमदार वापसी

महिला 60 किग्रा वर्ग के फाइनल में प्रिया घंघास ने पहला राउंड गंवाने के बाद शानदार वापसी की और कनाडा की मैरी-बाथौल अल-अहमदिएह को 4-1 के स्प्लिट फैसले से हराकर गोल्ड अपने नाम किया.

अरुंधति ने भी जीता सोना

महिला 70 किग्रा वर्ग में अरुंधति चौधरी ने बेहतरीन मुक्केबाजी का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता. उन्होंने फाइनल में शुरूआत से ही मुकाबले पर अपनी पकड़ बनाए रखी.

लवलीना गोल्ड से चूकीं

भारत को सबसे ज्यादा उम्मीद ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन से थी. उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की एम्मा-सू ग्रीनट्री के खिलाफ कड़ा मुकाबला खेला, लेकिन स्प्लिट फैसले में हार गईं और रजत पदक उनके हिस्से आया.

सचिन ने पलटा हारा हुआ मुकाबला

पुरुष 60 किग्रा वर्ग के फाइनल में सचिन सिवाच ने शानदार वापसी करते हुए नामीबिया के ट्रायअगेन मॉर्निंग एनडेवेलो को 3-2 के स्प्लिट फैसले से हरायाप. हले दो राउंड में पिछड़ने के बावजूद उन्होंने निर्णायक राउंड जीतकर भारत को छठा स्वर्ण दिलाया.

हमीम मंडल की गर्लफ्रेंड गिरफ्तार, हनीट्रैप में बंगाल के बड़े नेताओं को फंसाने का आरोप

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में संदिग्ध आतंकी नेटवर्क की जांच के बीच बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने एक और बड़ी कार्रवाई की है। संदिग्ध जैश-ए-मोहम्मद आतंकी हमीम मंडल की गिरफ्तारी के बाद उसकी महिला मित्र अर्पिता सरकार को झारखंड के साहिबगंज से गिरफ्तार किया गया है। जांच एजेंसी का दावा है कि अर्पिता केवल परिचित नहीं, बल्कि कथित आतंकी मॉड्यूल की सक्रिय सदस्य थी। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि अभी अदालत में होना बाकी है। संदिग्ध आतंकी नेटवर्क की जांच कर रही बंगाल एसटीएफ ने झारखंड के साहिबगंज से अर्पिता सरकार को गिरफ्तार किया है। एजेंसी के अनुसार, उसे ट्रांजिट रिमांड पर पश्चिम बंगाल लाया गया है, जहां हमीम मंडल और अर्पिता से आमने-सामने पूछताछ की जाएगी।

गुरुवार को गिरफ्तार हुआ था हमीम मंडल

एसटीएफ ने गुरुवार को पूर्व बर्द्धमान के एक जिम से हमीम मंडल को गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी का दावा है कि उसके कथित संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी क्रक् गैंगस्टर शहजाद भट्टी और पुलवामा हमले के आरोपी सज्जाद भट से जुड़े नेटवर्क के लोगों से थे। इन दावों की जांच जारी है। एसटीएफ के अनुसार, हमीम और अर्पिता सामान्य कॉल की बजाय एक एन्क्रिप्टेड मोबाइल एप के जरिए संपर्क में रहते थे। जांच में मिले डिजिटल चैट और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर एजेंसी उनके कथित नेटवर्क और संभावित विदेशी संपर्कों की जांच कर रही है।

हनीट्रैप और भर्ती के आरोप

जांच एजेंसी का दावा है कि अर्पिता की भूमिका कथित तौर पर प्रभावशाली लोगों को हनीट्रैप में फंसाने, नए लोगों की भर्ती करने और सोशल मीडिया के जरिए नेटवर्क को मजबूत करने से जुड़ी हो सकती है। फिलहाल एजेंसी इन दावों की पुष्टि के लिए साक्ष्य जुटा रही है। एसटीएफ यह भी जांच कर रही है कि क्या कुछ राजनीतिक हस्तियों की निजी जानकारी, सुरक्षा व्यवस्था और गतिविधियों से संबंधित सूचनाएं जुटाने की कोशिश की गई थी। अभी तक इस संबंध में किसी व्यक्ति का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है।

फंडिंग और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क पर फोकस

जांच एजेंसी पश्चिम बंगाल और झारखंड के जरिए कथित फंडिंग नेटवर्क, विदेशी संपर्कों और संभावित अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन की भी पड़ताल कर रही है। अधिकारियों का मानना है कि दोनों आरोपियों से संयुक्त पूछताछ में मामले से जुड़े और तथ्य सामने आ सकते हैं।

ओमान में फंसी सिमडेगा की बेटी की सकुशल वापसी, मुख्यमंत्री के निर्देश पर श्रम विभाग ने की पहल

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। ओमान में फंसी झारखंड के सिमडेगा जिले की प्रवासी श्रमिक प्रीति कुजूर की सुरक्षित घर वापसी का रास्ता साफ हो गया है. राज्य सरकार के प्रयासों और भारतीय दूतावास के सहयोग से प्रीति 1 अगस्त को भारत के लिए रवाना हो गई हैं. उनके 2 अगस्त को अपने घर सिमडेगा पहुंचने की संभावना है. सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से यह जानकारी दी गयी है.

सोशल मीडिया पर मामला आने के बाद पहल

सोशल मीडिया के माध्यम से मामला सामने आने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए. इसके बाद श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष ने भारतीय दूतावास, मस्कट और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय कर युवती की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की.

विदेश में नौकरी के नाम पर हुआ धोखा

सिमडेगा जिला के ठेठईटांगर प्रखंड की रहने वाली प्रीति कुजूर को मार्च 2026 में एक एजेंट ने दुबई में बेहतर वेतन वाली नौकरी का झांसा देकर विदेश भेजा था. हालांकि उन्हें ओमान भेज दिया गया, जहां तय वेतन से काफी कम राशि पर काम कराया गया.भारत लौटने की इच्छा जताने पर कंपनी की ओर से भारी रकम की मांग की गई. रंतु कुजूर ने अपनी बहन प्रीति को इंसाफ दिलाने के लिए सोशल मीडिया पर 19 जून को गुहार लगाई थी. उन्होंने आरोप लगाया था कि एजेंट ने बहन को दुबई में 45000 से 50000 प्रति माह वेतन का भरोसा दिलाया था लेकिन दुबई के बदले ओमान भेज दिया. कंपनी मालिक को 1.92 लाख रुपए देने के बावजूद प्रीति कुजूर को वापस आने नहीं दिया जा रहा था.

सरकार की पहल पर कंपनी ने किया सहयोग

राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष ने भारतीय दूतावास के माध्यम से कंपनी प्रबंधन से बातचीत की. कंपनी मालिक 2 साल का ठेका पूरा होने से पहले वापसी के लिए 950 ओमानी रियाल की मांग कर रहा था. सरकार के स्तर से बातचीत करने पर कंपनी मालिक ने 600 रियाल लेकर प्रीति कुजूर के पासपोर्ट और अन्य कागजात लौटा दिए. राज्य सरकार का कहना है कि देश और विदेश में कार्यरत झारखंड के श्रमिकों की सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा उसकी प्राथमिकता है. किसी भी आपात स्थिति में प्रवासी श्रमिकों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष लगातार सक्रिय रूप से काम कर रहा है.

ह्यूमन ट्रैफिकिंग की शिकार झारखंड की युवती दिल्ली से रेस्क्यू, शिकंजे में मानव तस्कर

रांची। झारखंड का एक मानव तस्कर को शनिवार सुबह दिल्ली से गिरफ्तार किया गया. इस अभियान के दौरान मानव तस्करी की शिकार खूंटी जिला की एक लड़की को भी सुरक्षित रेस्क्यू किया गया. झारखंड सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित एकीकृत पुनर्वास सह संसाधन केंद्र, झारखंड भवन, नई दिल्ली के समन्वय से चाईबासा पुलिस, दिल्ली पुलिस और एक स्थानीय एनजीओ की संयुक्त कार्रवाई में ये सफलता हासिल हुई है. सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से मिली जानकारी के अनुसार गिरफ्तार मानव तस्कर के विरुद्ध चाईबासा में वर्ष 2023 से मानव तस्करी के अनेक मामलों में प्राथमिकी दर्ज थी तथा न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया गया था. चाईबासा पुलिस पूर्व में कई बार दिल्ली आकर आरोपी की गिरफ्तारी का प्रयास कर चुकी थी लेकिन सफलता नहीं मिल सकी.

भंडरा की रिझरेन टीम बनी विजेता

यह मैच केवल खेल नहीं, आदिवासी बेटियों की उड़ान का प्रतीक है : सुखदेव उरांव

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

आदिवासी बेटियों की प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन

लोहरदगाः होप और फिमी के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को लूथरन मैदान, लोहरदगा में चार प्रखंडों–सेन्हा, भंडरा, लोहरदगा और किस्को–की आदिवासी महिलाओं एवं किशोरियों के लिए मैत्रीपूर्ण फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य आदिवासी महिलाओं और किशोरियों का सशक्तिकरण, खेल प्रतिभा को निखारना, आत्मविश्वास बढ़ाना तथा संचार, समन्वय और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करना था। प्रतियोगिता में ग्रामीण क्षेत्रों से आई बिलचेन फुटबॉल टीम (किस्को) और रिझरेन फुटबॉल टीम (भंडरा) के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। निर्धारित समय तक दोनों टीमों ने शानदार आक्रामक और रक्षात्मक खेल का प्रदर्शन किया। कड़े मुकाबले में रिझरेन फुटबॉल टीम, भंडरा ने 1-0 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। समारोह के मुख्य अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष सुखदेव उरांव ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा, यह मैच केवल एक खेल नहीं, बल्कि हमारी आदिवासी बेटियों की उड़ान का प्रतीक है। आज इन खिलाड़ियों ने साबित कर दिया कि यदि उन्हें सही अवसर और मंच मिले, तो वे राज्य और देश का नाम रोशन कर सकती हैं। खेल सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बन रहा है। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए भंडरा की खिलाड़ी यशोदा उरांव को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार प्रदान किया गया। होप की मैनेजिंग ट्रस्टी मनोरमा एक्का ने कहा कि संस्था का उद्देश्य ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं के साथ-साथ आदिवासी परंपरा, भाषा और संस्कृति को भी प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन नियमित रूप से किए जाएंगे, ताकि किशोरियों को पेशेवर स्तर पर आगे बढ़ने के अवसर मिल सकें। कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य संदीप गुप्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में होप के अरविंद वर्मा, मुंता तिर्की, पुपेन एक्का, जयवंत मिंज, नूतन, पूनम महतो, ममता, मंजू, आरती सहित अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रसदा एवं सीसीएल से कांवरियों का जत्था बाबा धाम के लिए रवाना

पतरातूः पतरातू प्रखंड के ग्राम रसदा एवं सीसीएल से कांवरियों का चौथा बाबा धाम के लिए रवाना हो जिसमें विश्वजीत सिंह रितेश सिंह चंचल सिंह नवीन सिंह सुमित सिंह कपिल कुमार सोनू राय मनोज राय संतोष सिंह रजनी सिंह पूर्णिमा सिंह रीना राय एवं मीनू राय शामिल है सर्वप्रथम उन्होंने पतरातु डैम स्थित प्राचीन मंदिर माँ पंच बहिनी में दर्शन किए तथा बोल बम के जय घोष के साथ कांवड़ियों का यह जत्था बाबा धाम के लिए रवाना हुआ।

पतरातू प्रखंड मुख्यालय में लगाया गया एक दिवसीय विशेष ड्राइविंग लाइसेंस कैंप

रामगढ़। उपायुक्त रामगढ़ ऋतुराज के निर्देशन में शनिवार को पतरातू प्रखंड मुख्यालय परिसर में आम जनता की सुविधा के लिए एक दिवसीय विशेष चालक अनुज्ञप्ति (उ्४५ल्लॅ छ्रील्लू) कैंप का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिला परिवहन कार्यालय द्वारा आयोजित इस कैंप में सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से आए नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मोटरयान निरीक्षक द्वारा बताया गया कि इस विशेष कैंप का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को उनके घर के समीप ही ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराना और उन्हें सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था।ऑन-स्पॉट दस्तावेजों की जांच और पारदर्शी परीक्षा कैंप के दौरान परिवहन विभाग की टीम द्वारा सभी आवेदकों के दस्तावेजों की ऑन-स्पॉट स्क्रूटनी की गई। इसके उपरांत, पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से कंप्यूटर आधारित लर्निंग लाइसेंस (छछ) टेस्ट का आयोजन किया गया। आज के कैंप में कुल 96 आवेदकों ने अपना पंजीकरण कराया और परीक्षा में भाग लिया।यातायात नियमों की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 62 आवेदक उत्तीर्ण घोषित किए गए। इन सभी सफल आवेदकों को नियमानुसार लर्निंग लाइसेंस निर्गत कर दिया गया । कठिन प्रयासों के बावजूद 34 आवेदक इस परीक्षा को उत्तीर्ण नहीं कर सके। यातायात नियमों के प्रति किया गया जागरूकपरीक्षा में अनुत्तीर्ण रहे 34 आवेदकों को निराश न होने की सलाह देते हुए विभागीय अधिकारियों द्वारा काउंसलिंग की गई। उन्हें सड़क सुरक्षा, ट्रैफिक सिग्नल और यातायात नियमों की विस्तृत पुस्तिका प्रदान की गई, ताकि वे पूरी तैयारी के साथ आगामी तिथि में पुनः परीक्षा में शामिल हो सकें। जिला परिवहन पदाधिकारी राजेश एक्का ने कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य केवल लाइसेंस प्रदान करना नहीं, बल्कि हर नागरिक को एक जिम्मेदार और सुरक्षित चालक बनाना है। पतरातू प्रखंड में आयोजित इस कैंप की सफलता को देखते हुए आने वाले दिनों में जिले के अन्य सुदूर प्रखंडों में भी इसी तरह के विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे।

ग्रामीणों के सहयोग से जांगी करमाली टोला में माँ मनसा एवं विश्वकर्मा मंदिर निर्माण कार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़/गोला। गोला प्रखंड के मगनपुर पंचायत अंतर्गत जांगी करमाली टोला गाँव में ग्रामीणों की एकजुटता और सहयोग से माँ मनसा एवं भगवान विश्वकर्मा मंदिर के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। मंदिर निर्माण को लेकर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर बनने से क्षेत्र में धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और लोगों की आस्था का एक प्रमुख केंद्र विकसित होगा। मंदिर निर्माण कार्य में गाँव के लोग श्रमदान और आर्थिक सहयोग के माध्यम से सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। पूजा समिति के सदस्य भी लगातार निर्माण कार्य की निगरानी और सहयोग कर रहे हैं। पूजा समिति के मुख्य सदस्यः रोहित करमाली, जरासंध करमाली, बासुदेव करमाली, रामदेव करमाली, नागेंद्र करमाली, राजकिशोर करमाली, गौतम, लोकेश, बुधदेव, करण, रंजीत, मोहित, कैलाश, संतोष, राजेश, लव, महेंद्र, शिवा, रॉकी, परमिंद्र मुंडा एवं अनिल यादव सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं ने जरीना खातून संग्रहालय पहुंचे

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के खोरठा विभाग के स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने शैक्षणिक भ्रमण के तहत चितरपुर (रामगढ़) स्थित जरीना खातून संग्रहालय सह रिसर्च सेंटर का भ्रमण किया। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को झारखंड की पुरातात्विक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना तथा उनके शोध एवं अध्ययन को व्यावहारिक अनुभव से समृद्ध करना था।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने संग्रहालय में सुरक्षित रामगढ़ की मेगालिथिक सभ्यता से जुड़े पुरातात्विक अवशेष, पाषाणकालीन औजार, प्राचीन मूर्तियां, ऐतिहासिक कलाकृतियां, पांडुलिपियां, प्राचीन सिक्के, आभूषण, डाक टिकट संग्रह तथा अन्य दुर्लभ धरोहरों का अवलोकन किया। संग्रहालय के निदेशक फैयाज अहमद ने विद्यार्थियों को विभिन्न पुरावशेषों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उनके संरक्षण के महत्व तथा झारखंड की प्राचीन सभ्यता से उनके संबंध के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों ने भी विभिन्न विषयों पर जिज्ञासापूर्ण प्रश्न पूछे, जिनका उन्होंने विस्तार से उत्तर दिया।विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है। संग्रहालय, ऐतिहासिक स्थल और सांस्कृतिक धरोहरें विद्यार्थियों के ज्ञान को व्यवहारिक आधार प्रदान करती हैं।विश्वविद्यालय प्रबंधन के सचिव प्रियंका कुमारी, कुलपति प्रो (डॉ) रश्मि, कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ) अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार ने संयुक्त रूप से सफल शैक्षणिक भ्रमण की हार्दिक बधाई दिए और सफल नेतृत्व की सराहना की ।खोरठा विभागाध्यक्ष ओहदार अनाम ने कहा कि खोरठा भाषा, साहित्य और झारखंड की संस्कृति का अध्ययन स्थानीय इतिहास और पुरातात्विक विरासत को जाने बिना अधूरा है। जरीना खातून संग्रहालय का यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक रहा। यहां संरक्षित पुरातात्विक सामग्री, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर, मुद्राशास्त्र, पांडुलिपियां, प्राचीन आभूषण तथा डाक टिकट संग्रह ने विद्यार्थियों को झारखंड के समृद्ध इतिहास से रूबरू कराया। उन्होंने बताया कि विभाग आगे भी ऐसे शैक्षणिक भ्रमण आयोजित करता रहेगा।इस अवसर पर स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के मनीष कुमार, राखी कुमारी, स्वीटी कुमारी, ममता कुमारी, प्रमोद कुमार, नरेश कुमार, मानस कुमार, मनस्वी, ब्रह्मदेव महतो, सूदन कुमार, राजदीप कुमार, मुस्कान कुमारी, अनिता कुमारी, पुष्पा कुमारी सहित अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सांसद सुखदेव भगत की अनुशंसा पर ढट राहत कोष से 3 परिवारों को मिली आर्थिक सहायता

लोहरदगा लोकसभा के माननीय सांसद श्री सुखदेव भगत के अनुशंसा पर प्रधानमंत्री राहत कोष से 3 पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। श्रीमती भूखईन उरांव पतिजागीर उरांव, ग्राम सिंदूरटोली, सिंदूर, पेशरार लोहरदगा को 1,91,250 रुपये,श्री सुकरा भगत, पिता जागीर भगत, ग्राम सिंदूर, पेशरार लोहरदगा* को 300000रूपया तथा आसिफा तबस्सुम पति श्री मोहम्मद जुबैर, ग्राम पंडरी, प्रखंड चान्हो, जिला रांची को 50,000 रुपये की सहायता प्रदान की गई है।राशि स्वीकृत होने पर लाभुक परिवारों ने सांसद श्री सुखदेव भगत का आभार व्यक्त किया और कहा कि कठिन समय में सांसद महोदय के सहयोग से उन्हें बड़ी राहत मिली है।इस अवसर पर श्री सुखदेव भगत ने कहा कि ₹जनता की सेवा ही मेरा धर्म है। किसी भी परिवार पर विपत्ति आती है तो हम उनके साथ खड़े हैं। केंद्र सरकार और ढट राहत कोष के सहयोग से जरूरतमंदों तक मदद पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है।उन्होंने कहा कि आगे भी लोहरदगा संसदीय क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। इससे पूर्व भी सांसद ने दर्जनों मरीजों को प्रधानमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहयोग दिलवाए हैं।

ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन ने आवास,पेयजल एवं बिजली आपूर्ति की समस्याओं पर कि चर्चा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़/बरकाकाना।ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन बरकाकाना शाखा की मासिक बैठक शुक्रवार को यूनियन कार्यालय में संपन्न हुई । इस बैठक में मुख्य अतिथि ई सीआर के यू के अपर महामंत्री सह एआईआरएफ वर्किंग कमेटी के सदस्य मो ज्याउद्दीन तथा जोनल सेक्रेटरी ओ पी शर्मा उपस्थित हुए ।बैठक का संचालन शाखा सचिव महेंद्र प्रसाद महतो ने किया।इस अवसर पर अपनी बात रखते हुए मो ज्याउद्दीन ने कहा कि ईसीआर के यू के समक्ष रेल कर्मियों के विभिन्न परिवादों और परेशानियों को समाधान के रूप में पहल करने की बहुत बड़ी चुनौती है ।उपस्थित कार्यकताओं को उन्होंने कहा कि अपने अपने क्षेत्र एवं विभाग के विभिन्न मुद्दों का संकलन करें और उसे शाखा के माध्यम से केंद्रीय प्रतिनिधित्व को देने का काम करें । ताकि मंडल स्तर पर या जोन स्तर पर उन मामलों को रखकर समाधान के रास्ते ढूंढे जाएं । यूनियन आज भी अपनी नैतिक जिम्मेदारी को सक्रियता के साथ निभा रही है ।उपस्थित रेलकर्मियों ने विभिन्न आवासीय समस्याओं एवं बिजली व पानी आपूर्ति में सुधार करने की बात उठाई। मो ज्याऊद्दीन ने कहा कि सभी संबंधित मुद्दों पर उचित फोरम पर चर्चा की जाएगी।अपने विचारों को व्यक्त करते हुए ओ पी शर्मा ने कहा कि आठवां पे कमिशन अपने बैठकों का दौर जारी रखे हुए है और इस क्रम में विभिन्न यूनियन एवं अन्य कटेगरिकल संगठनों से उनकी मंतव्य की मांग की गई है । एआईआरएफ ने कई महत्वपूर्ण मुद्दों सहित संभावित वेतन संरचना पर अपने विचारों को तर्कपूर्ण तरीके से रखने का काम किया है । इसमें पेंशनर्स के भी पेंशन के संशोधन की मांग है ।उन्होंने कहा कि सेवानिवृत कर्मचारियों एवं दिव्यांग कर्मचारियों को उनकी शारीरिक स्थितियों पर संवेदनापूर्ण विचार करते हुए पेपर पास सुविधा ऑफिस के माध्यम से ही निर्गत किए जाने की परंपरा को चालू रखने का अनुरोध फेडरेशन ने रेलवे बोर्ड के समक्ष किया है जिसका रेलवे बोर्ड ने आदेश भी जारी कर दिया है ।इस मौके पर शाखा में हुए इस मासिक बैठक में सरजू प्रसाद,कमल किशोर, डी के नायक, अनवर हुसैन, गुलाम रब्बानी,मुकेश लाल, भुवनेश्वर , इकरार अहमद, रोहन गोस्वामी सहित कई कर्मचारी उपस्थित थे ।

आदिवासी कुड़मि समाज ने लिया गाछ बचाने का संकल्प

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़/गोला। आदिवासी कुड़मि समाज रामगढ़ के बैनर तले गोला प्रखंड अंतर्गत हेरमदगा गांव से ₹गाछ बचाओ हुमदुमि 2026 ₹ कार्यक्रम कर शुरूआत किया गया। जिसमें मुख्य रूप से आदिबासी कुड़मि समाज के केन्द्रीय महासचिव जगेश्वर नागवबंशी केसरिआर जिला अध्यक्ष रामबिनय महतो जिला संगठन सचिव सोहनलाल महतो, लक्ष्मण महतो, अजय कुमार, बाणेश्वर महतो, सुदामा महतो, वकील महतो, राजू महतो सहित कई लोग उपस्थित रहे।जगेश्वर नागवबंशी ने बताया कि 29 जून2026 से लेकर 29 जुलाई 20260 तक एक महीना ₹गांछ रोपा हुमदुमि 2026₹कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें आदिवासी कुड़मि समाज के हड़ कमिञा के माध्यम से लगभग 1 लाख गाछ रोपा किया गया। उसकी सुरक्षा के लिए एक अगस्त 2026 से लेकर 31 अगस्त 2026 तक एक महीना आदिवासी कुड़मि समाज गाछ बचाव हुमदुमि कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। आदिवासी कुड़मि समाज के रामगढ़ जिला अध्यक्ष राम बिनय महतो ने कहा कि कुर्मी समाज हमेशा जल जंगल जमीन के साथ जुड़ा रहा है,और पेड़ पौधा प्रकृति का पूजक है !पेड़ बचाना पर्यावरण की दृष्टि से बहुत जरूरी है !जिसमें इस वर्ष लगाए गए सभी पौधों को सुरक्षित करने का संकल्प लिया गया।

प्रधानमंत्री मोदी पर विवादित टिप्पणी के बाद वायरल माफी वीडियो पर बोले भाजपा नेता पवन तिग्गा

लोहरदगाः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई कथित विवादित टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर एक किशोरी का माफी मांगने वाला वीडियो शनिवार को तेजी से वायरल हुआ। वीडियो में किशोरी अपनी पूर्व टिप्पणी पर खेद व्यक्त करते हुए देशवासियों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगती दिखाई दे रही है।इस मामले पर लोहरदगा के भाजपा नेता पवन तिग्गा ने शनिवार को प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बच्चों की नादानी को समझते हुए कठोर कार्रवाई का मार्ग नहीं अपनाया। उन्होंने कहा कि यही एक संवेदनशील और परिपक्व नेतृत्व की पहचान है, जो गलती करने वालों को सुधार का अवसर देता है।पवन तिग्गा ने कहा, ₹प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बच्चों की नादानी को दरकिनार कर क्षमा का भाव दिखाया। आज उसी का परिणाम है कि जिन लोगों ने भावावेश में अनुचित बातें कही थीं, उन्हें अपनी गलती का एहसास हो रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक किशोरी पूरे देश से माफी मांग रही है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया क्षमा, संयम और सकारात्मक सोच का संदेश समाज के लिए प्रेरणादायक है। उनके अनुसार, सार्वजनिक जीवन में संवाद और सहिष्णुता का वातावरण बना रहना चाहिए तथा युवाओं को किसी भी विषय पर अपनी बात लोकतांत्रिक और मर्यादित भाषा में रखनी चाहिए।भाजपा नेता ने कहा कि शब्दों का प्रभाव व्यापक होता है, इसलिए सोशल मीडिया सहित सभी मंचों पर जिम्मेदारी के साथ अभिव्यक्ति देना आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे तथ्यपरक और संयमित भाषा का प्रयोग करें तथा समाज में सौहार्द और सकारात्मक संवाद को बढ़ावा दें।नोटः सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। यह समाचार भाजपा नेता पवन तिग्गा द्वारा दिए गए बयान पर आधारित है।

सेन्हा व्यवसायिकों ने किया बंद का समर्थन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगाः शहर में युवा व्यवसायी हत्या कांड को लेकर चैंबर ऑफ कॉमर्स ने बंद व चक्का जाम का आवाह्न कर अपराधी के गिरफ्तारी और प्रशासन व्यवस्था चुस्त करने का मांग शुक्रवार को प्रेस वार्ता कर किया था। जिसके आलोक में लोहरदगा जिले के सेन्हा प्रखंड क्षेत्र में व्यवसायिक संघ व छोटे दुकान संचालक ने नैतिक समर्थन करते हुए चैंबर ऑफ कॉमर्स के आवाज को बुलंद किया। विदित हो कि शनिवार को सेन्हा प्रखंड मुख्यालय के समीप संचालित सभी दुकान संचालक मेडिकल दुकान को छोड़ कर अपनी अपनी दुकान बंद कर घटना का निंदा किया और हत्यारे के गिरफ्तारी मांग व प्रशासनिक कार्यवाही अविलंब करने पर जोर दिया। गौरतलब हो कि उक्त बंदी शुभम हत्या कांड को लेकर व्यापारिक संगठनों में भारी आक्रोश है। लोहरदगा चैंबर ऑफ कामर्स के नेतृत्व में शनिवार को सभी व्यवसायिक समर्थन में आगे आए और अपनी दुकान बंद कर समर्थन दिया। बंद के दौरान भारी वाहन एवं लम्बी दूरी के यात्री सेवा छिट फुट जारी रहा जबकि स्थानी वाहन चालक भी अपनी गाड़ी बंद कर समर्थन दे रहें है। चैंबर अध्यक्ष रितेश कुमार ने कहा कि गोली कांड व व्यवसाय का हत्या विगत दिन लोहरदगा जिले के लिए बेहद दुखद और शर्मनाक घटना है। बताते हुए कहा अपराधियों ने पहले दिन दहाड़े खत्री ज्वेलर्स में हथियार के बल पर पैसा जेवरात लूटने का प्रयास किया था लेकिन दुकानदार की सतर्कता के कारण अपराधी सफल नहीं हो सका इसके बाद अपराधियों ने शहर के दूसरी छोर पर पतराटोली में एक पेट्रोल पंप को निशाना बनाया वहां भी लूट की कोशिश विफल रही। इसके बाद भागने के दौरान अपराधियों ने पास की दुकान पर मौजूद युवा व्यवसायी शुभम को गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद चैंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष ने प्रशासन की लापरवाई एवं कानून व्यवस्था पर सवाल उठाया।

लोहरदगा में शुभम हत्याकांड का खुलासा, 36 घंटे में दो आरोपी गिरफ्तार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगाः लोहरदगा पुलिस ने प्रिया स्टोर संचालक शुभम कुमार हत्याकांड समेत तीन आपराधिक वारदातों का 36 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लाल रोशन नाथ शाहदेव और हसमथ राजा के रूप में हुई है। दोनों को ओयना गांव के एक बंद मकान से पकड़ा गया।पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त एक देसी कट्टा, .315 बोर का एक जिंदा कारतूस और एक मोबाइल फोन बरामद किया है।एसपी सादिक अनवर रिजवी के निर्देश पर एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा के नेतृत्व में गठित एसआईटी ने सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल सीडीआर और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपियों तक पहुंच बनाई।पूछताछ में मुख्य आरोपी लाल रोशन नाथ शाहदेव ने खत्री ज्वेलर्स में लूट के प्रयास, पतराटोली पेट्रोल पंप पर छिनतई की कोशिश और प्रिया स्टोर संचालक शुभम कुमार की हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। आरोपी ने हत्या के पीछे पुरानी रंजिश और मुखबिरी के शक को कारण बताया है, जिसकी पुलिस जांच कर रही है। एसपी ने बताया कि वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल की बरामदगी के लिए रांची में छापेमारी जारी है। दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी के खिलाफ पहले से लूट, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट समेत कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

लोहार विश्वकर्मा समाज ने लोहरदगा बंद का किया समर्थन

लोहरदगाः युवा व्यवसायी शुभम साहू हत्याकांड के विरोध में आयोजित जिलेव्यापी बंद को लोहार विश्वकर्मा समाज ने अपना समर्थन दिया है। समाज की ओर से जारी बयान में कहा गया कि वह पूरे लोहरदगा जिला बंद के साथ खड़ा है और जिले में बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करता है।समाज ने जिला प्रशासन से मांग की कि शुभम साहू हत्याकांड सहित हाल की अन्य आपराधिक घटनाओं में शामिल अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही शहर में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। लोहार विश्वकर्मा समाज ने अपने बयान में सड़क दुर्घटनाओं पर भी चिंता जताते हुए प्रशासन से दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाने की मांग की। समाज ने कहा कि जिले में आम नागरिकों और व्यापारियों के बीच सुरक्षा का माहौल बनाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

आवासीय बालिका विद्यालय में विधिक जागरूकता शिविर

विद्यालय में छात्राओं को परोसा जा रहा मध्याह्न भोजन में बिना दाल के बनी खिचड़ी, भोजन की गुणवत्ता पर उठे सवाल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

तमाड़। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव के निर्देश पर तमाड़ प्रखंड स्थित राजकीय अनुसूचित जनजाति आवासीय बालिका विद्यालय में शनिवार को एक दिवसीय विधिक साक्षरता कक्षा (लीगल लिटरेसी क्लास) का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में छात्राओं को डालसा द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली निःशुल्क विधिक सहायता एवं उनके कानूनी अधिकारों की विस्तृत जानकारी दी गई. शिविर के दौरान शिक्षा का अधिकार, बाल सुरक्षा, बाल श्रम, बाल विवाह, मानव तस्करी जैसी सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध लागू कानूनी प्रावधानों से छात्राओं को अवगत कराया गया. साथ ही 'गुड टच-बैड टच' की पहचान, बच्चों की सुरक्षा, स्पॉन्सरशिप योजनाओं तथा विभिन्न आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई. कार्यक्रम के बाद पीएलवी सदस्यों ने विद्यालय में छात्राओं को परोसे जा रहे मध्याह्न भोजन का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान खिचड़ी की गुणवत्ता पर उन्होंने असंतोष जताया. पीएलवी सदस्यों के अनुसार खिचड़ी बिना दाल के तैयार की गई थी तथा उसमें केवल हल्दी मिश्रित पानी से रंग दिया गया था. उन्होंने भोजन की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया. कार्यक्रम को सफल बनाने में डालसा के पीएलवी सोनिमनी देवी, अनीमा मल्लिक एवं प्रदुमन प्रमाणिक की सक्रिय एवं सराहनीय भूमिका रही. भोजन की गुणवत्ता पर जानकारी लेने के लिये प्रभारी प्राचार्या कुमारी मंजूलता से दूरभाष पर संपर्क करने का प्रयास किया गया. लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया.

शिबू सोरेन की याद में सजेगा विश्व आदिवासी दिवस

ट्राइबल फैशन शो से लेकर बिरसा चौक तक निकलेगी भव्य जतरा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर राजधानी रांची का ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान एक बार फिर भव्य सांस्कृतिक और पारंपरिक उत्सव का गवाह बनने जा रहा है। आगामी 9 और 10 अगस्त को आयोजित होने वाले इस दो दिवसीय राज्य स्तरीय समारोह में आम लोगों और कलाकारों के लिए 100 निःशुल्क स्टॉल लगाए जाएंगे। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने इसके लिए सरकारी विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं , सहकारी समितियों, निजी संस्थानों और कला दलों से आवेदन आमंत्रित किए हैं।

निःशुल्क स्टॉल के लिए 3 अगस्त तक कर सकेंगे आवेदन

विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, स्टॉल आवंटन पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। ऐसे सभी संस्थान जो आदिवासी समाज की कला, शिल्प, व्यंजन, साहित्य, कल्याणकारी योजनाओं, निजी उद्यम, पोस्टर और फोटो प्रदर्शनी आदि का प्रदर्शन करना चाहते हैं, वे 3 अगस्त तक अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। इसके अलावा राज्य भर के निबंधित कला दलों, सांस्कृतिक संस्थाओं और लोक कलाकारों से भी भागीदारी के लिए आवेदन मांगे गए हैं।

ट्राइबल फिल्म फेस्टिवल होंगे मुख्य आकर्षण

इस वर्ष विश्व आदिवासी दिवस समारोह में कई विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके तहत आदिवासी संस्कृति, वेशभूषा और सिनेमा को बढ़ावा देने के लिए विशेष ट्राइबल फिल्म फेस्टिवल और ट्राइबल फैशन शो का आयोजन होगा। इसके अलावा शाम के वक्त पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ मोरहाबादी मैदान में विशेष लाइटिंग और आधुनिक विजुअल इफेक्ट्स का शानदार प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही रांची के मोरहाबादी मैदान से लेकर बिरसा चौक तक एक विशाल और भव्य आदिवासी शोभायात्रा (जतरा) निकाली जाएगी।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की स्मृति को समर्पित होगा आयोजन

यह पूरा भव्य आयोजन 'दिशोम गुरु' शिबू सोरेन को समर्पित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष उनके निधन के कारण विश्व आदिवासी दिवस का आधिकारिक कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया था। इसलिए इस बार उनकी पावन स्मृति में समारोह को और भी धूमधाम से आयोजित करने की तैयारी है।

राज्य सरकार की योजना केवल रांची तक सीमित न रहकर देश की राजधानी दिल्ली में भी विशेष कार्यक्रम आयोजित करने की है। इसके अलावा झारखंड के सभी जिला मुख्यालयों में भी विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन होगा। इस मौके पर देश भर से 5,000 से अधिक आदिवासी कलाकारों, लोक नर्तकों और सांस्कृतिक दलों के शामिल होने की पूरी उम्मीद है।

रांची : नहीं थम रहा जेपीएससी विवाद, छात्र आंदोलन के साथ-साथ जमकर हो रही सियासत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। राज्य में जेपीएससी और जेएसएससी द्वारा आयोजित होने वाला प्रतियोगिता परीक्षा हमेशा से विवादों में रहा है। यह विवाद उस समय और बढ़ गया जब 14वीं जेपीएससी सिविल सेवा पीटी परीक्षा का परिणाम सामने आया। मामले को लेकर सीआईडी जांच में जुटी है और लगातार आयोग के अध्यक्ष से लेकर परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी के कर्मियों और जेपीएससी स्टाफ से पूछताछ कर रही है। वहीं, दूसरी ओर इस पर सियासत भी हो रहा है।

आंदोलनरत छात्र जेपीएससी सिविल सेवा पीटी परीक्षा रद्द कर पुर्नपरीक्षा आयोजित करने की मांग करते हुए सीबीआई से इसकी जांच कराने पर अड़े हैं। शनिवार को भी छात्रों का आंदोलन जारी रहा और जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम के पास छात्रों ने सांकेतिक रूप से जेपीएससी और जेएसएससी के द्वारा पैसा लेकर सीटें बेची जाती है उसे प्रदर्शित किया।

छात्र, बीजेपी और कांग्रेस कार्यकर्ता का बयान

छात्र नेता राहुल क्रांति कहते हैं कि इस मामले में सरकार को सीबीआई जांच करानी चाहिए और मुख्यमंत्री को इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जेपीएससी और जेएसएससी द्वारा हाल के वर्षों में जो भी परीक्षाएं ली गई है, उसमें बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई है।

जेपीएससी 14वीं सिविल सेवा पीटी परीक्षा में शामिल हुई समां परवीन कहती हैं कि परीक्षा केंद्र से लेकर रिजल्ट जारी तक में गड़बड़ी हुई है। ऐसे में महिला अभ्यर्थियों को जानबूझकर टारगेट किया गया और परीक्षा केंद्र पर ऐसे ऐसे इंस्ट्रक्शन दिए गए, जिससे मेरे जैसे कैंडिडेट को बाहर होना पड़ा। उन्होंने इस परीक्षा को रद्द कर सीबीआई से जांच कराने की मांग की है।

जेपीएससी पर सियासत, भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने

जेपीएससी विवाद पर प्रमुख विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी और सत्तारूढ़ दल कांग्रेस आमने-सामने है। भाजपा इस परीक्षा को रद्द कर सीबीआई जांच की मांग को लेकर लगातार आंदोलन कर रही है। शनिवार को रांची छोड़कर राज्य के विभिन्न जिलों में भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकताओं द्वारा जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन किया गया। वहीं, इस आंदोलन को आगे भी जारी रखने की घोषणा की गई।

भाजपा प्रवक्ता अविनेश कुमार कहते हैं कि सरकार जानबूझकर हकीकत को छिपाना चाहती है और सीबीआई जांच से भाग रही है। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री से इस्तीफा की मांग करने वाली कांग्रेस को अपने राज्य में सरकार में शामिल होना कितना उचित है। कांग्रेस को चाहिए कि तत्काल सरकार से समर्थन वापस ले।

इधर, कांग्रेस ने भाजपा की मांग को खारिज करते हुए जारी आंदोलन पर तंज कसा है। पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि जब सीआईडी जांच चल रही है तो सीबीआई जांच की मांग औचित्यहीन है। भाजपा को अपने राज्य की एजेंसी पर भरोसा नहीं है तो हमें सीबीआई पर भरोसा नहीं है। बहरहाल जेपीएससी परीक्षा को लेकर एक तरफ छात्रों का प्रदर्शन लगातार जारी है, दूसरी तरफ सियासत का माहौल भी गर्म है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि राज्य सरकार के द्वारा जल्द ही 14वीं जेपीएससी सिविल सेवा पीटी परीक्षा मामले में कोई अहम निर्णय लिया जाएगा।

रांची में 'सखुआ महोत्सव' का होगा आयोजन, मेयर रोशनी खलखो ने की तैयारियों की समीक्षा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। राजधानी क्षेत्र में रांची नगर निगम 08 अगस्त को सखुआ महोत्सव मनाने जा रहा है। योजना के अनुसार 08 अगस्त को राजधानी के निगम क्षेत्र में 10 हजार सखुआ के पौधे लगाए जाएंगे। सखुआ महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा के लिए शनिवार को रांची नगर निगम के सभागार में मेयर रोशनी खलखो ने बैठक की। इस बैठक में उपमहापौर नीरज कुमार के साथ-साथ सभी वार्डों के वार्ड पार्षदों ने भाग लिया। बैठक में प्रस्तावित 'सखुआ महोत्सव' की तैयारियों और आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के बाद महापौर रोशनी खलखो ने बताया कि नगर निगम इस बार 'सखुआ महोत्सव' को व्यापक स्तर पर आयोजित करने के लिए सभी बेहद उत्साहित है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में सभी सामाजिक संगठनों, वार्ड पार्षदों और समाज के प्रबुद्ध लोगों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि सामूहिक सहयोग से ऐसे स्थान का चयन किया जा सके, जहां बड़ी संख्या में सखुआ के पौधे लगाए जा सके। महापौर रौशनी खलखो ने कहा कि सखुआ महोत्सव में सखुआ के साथ-साथ झारखंड की प्राकृतिक विरासत से जुड़े महुआ, पलाश, कुसुम और डाहू समेत विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। इसका उद्देश्य राज्य की जैव विविधता और प्राकृतिक पर्यावरण का संरक्षण करना है। उन्होंने बताया कि पहले इस कार्यक्रम को 01 अगस्त को आयोजित करने की योजना थी, लेकिन तैयारियां पूरी नहीं होने के कारण इसकी तिथि आगे बढ़ा कर 08 अगस्त की गई है। महोत्सव की शुरूआत चुटिया के इक्कीसी महादेव स्थल से की जाएगी, जहां युद्धस्तर पर साफ-सफाई और अन्य विकास कार्य किए जा रहे हैं। इस स्थल को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में भी प्रयास जारी हैं। रांची की महापौर रौशनी खलखो ने कहा कि इक्कीसी महादेव स्थल लंबे समय तक उपेक्षित रहा, लेकिन अब इसकी साफ-सफाई के बाद इसकी ऐतिहासिक और धार्मिक महत्ता सामने आ रही है। नगर निगम का उद्देश्य इस स्थान की पहचान को और मजबूत करना है। उन्होंने बताया कि सखुआ महोत्सव की शुरूआत इक्कीसी महादेव से होगी और इसके बाद एक महीने तक शहर के सभी वार्डों में चरणबद्ध तरीके से पौधरोपण और जनजागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें पार्षदों के साथ सामाजिक संगठन भी सक्रिय भागीदारी निभाएंगे।

10 अगस्त को पेड़ाईडीह से विधानसभा तक पैदल मार्च करेगी आजसू

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

तमाड़। आजसू पार्टी की रांची जिला समिति 10 अगस्त को तमाड़ प्रखंड के पेड़ाईडीह गांव से झारखंड विधानसभा तक पैदल मार्च निकालेगी. मार्च का नेतृत्व पार्टी के जिला वरीय उपाध्यक्ष राजकिशोर कुशवाहा करेंगे. इस संबंध में शनिवार को उपायुक्त, वरीय पुलिस अधीक्षक, अनुमंडल पदाधिकारी व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बुंडू को ज्ञापन सौंपकर आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्था की मांग की गई. मार्च पेड़ाईडीह, सालगाडीह, बुंडू, नामकुम, डोरंडा, मेकन चौक व बिरसा चौक होते हुए विधानसभा पहुंचेगा. मुख्यमंत्री को सौंपे जाने वाले ज्ञापन में सालगाडीह-हारिन बाकू केनल रोड का निर्माण, तमाड़ में डिग्री कॉलेज की स्थापना, बुंडू में सिविल कोर्ट, जेल व ट्रेजरी का निर्माण, अनुमंडलीय अस्पताल व ट्रॉमा सेंटर में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं तथा बुंडू बड़ा तालाब सौंदर्यीकरण की उच्चस्तरीय जांच की मांग शामिल है. पार्टी ने मार्च के दौरान सुरक्षा, यातायात नियंत्रण और विधि-व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम करने का भी प्रशासन से अनुरोध किया है.

जुलाई में रांची ट्रैफिक पुलिस का बड़ा अभियान: 1.20 लाख से अधिक वाहनों का काटा चालान

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। रांची ट्रैफिक पुलिस ने जुलाई 2026 के दौरान मोटरयान अधिनियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बड़े पैमाने पर विशेष अभियान चलाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर 1 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक शहर के सभी ट्रैफिक थाना क्षेत्रों में यह अभियान संचालित किया गया। इस दौरान दोपहिया, चारपहिया, ऑटो और टोटो समेत विभिन्न वाहनों की सघन जांच की गई। अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना और यातायात नियमों का पालन कराने के साथ-साथ लापरवाह वाहन चालकों पर प्रभावी कार्रवाई करना था। अभियान के दौरान ट्रैफिक पुलिस ने कुल 1,20,197 चालान काटे। इसके अलावा गंभीर उल्लंघनों से जुड़े 1,015 मामलों में अभियोजन के लिए न्यायालय में कार्रवाई की गई। चालान के माध्यम से कुल 7 करोड़ 80 लाख रुपये की राशि वसूली गई। ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त अभियान जारी रहेगा।

आंकड़ों के अनुसार सबसे अधिक कार्रवाई बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों पर हुई। इस श्रेणी में 51,055 चालान काटे गए। इसके बाद नो पार्किंग या सड़क पर वाहन खड़ा करने के मामलों में 56,032 चालान जारी किए गए। यह दशार्ता है कि शहर में यातायात नियमों की अनदेखी और अवैध पार्किंग अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है।

ट्रैफिक पुलिस ने रेड लाइट जंप करने के 4,471, ओवरस्पीड के 2,367 और नो एंट्री के 1,547 मामलों में भी चालान काटे। इसके अलावा बिना ड्राइविंग लाइसेंस, बिना यूनिफॉर्म, ट्रिपल राइडिंग, अतिरिक्त सवारी, प्रेशर हॉर्न, बिना सीट बेल्ट, गलत दिशा में वाहन चलाने, प्रदूषण प्रमाणपत्र नहीं रखने, मॉडिफाइड साइलेंसर, ब्लैक फिल्म और अन्य उल्लंघनों पर भी कार्रवाई की गई। कई मामलों में ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया भी शुरू की गई।

रांची ट्रैफिक पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे सड़क पर निकलते समय मोटरयान अधिनियम के सभी नियमों का पालन करें। हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करें, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं तथा रेड लाइट और नो एंट्री जैसे नियमों का उल्लंघन न करें। पुलिस ने स्पष्ट किया कि अभियान का उद्देश्य केवल चालान काटना नहीं, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं को कम करना और लोगों में सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। आने वाले दिनों में भी नियम तोड़ने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

तमाड़ में अवैध बालू माफियाओं पर पुलिस का शिकंजा, विशेष अभियान में बालू लदा एक हाइवा जब्त

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

तमाड़। अवैध बालू परिवहन के खिलाफ तमाड़ पुलिस ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए बालू लदे एक हाइवा को जब्त किया। यह कार्रवाई बुंडू एसडीपीओ ओम प्रकाश के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान के तहत की गई। पुलिस के अनुसार, तमाड़ थाना क्षेत्र के कांची पुल के आगे एनएच-33 स्थित पोड़ाडीह के समीप घेराबंदी कर अवैध बालू ले जा रहे हाइवा को पकड़ा गया। वाहन को थाना लाकर करवाई शुरू कर दी गई इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अवैध बालू कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है। एसडीपीओ ओम प्रकाश ने कहा कि अवैध बालू कारोबार में संलिप्त लोगों की पहचान की जा रही है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने तमाड़ थाना प्रभारी सहित सभी थाना प्रभारियों को अवैध खनन और अवैध परिवहन के खिलाफ लगातार सघन अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में अवैध खनन और बालू परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए आगे भी नियमित कार्रवाई जारी रहेगी।

बोर्ड-निगम को लेकर एक्टिव हुई कांग्रेस, 4 अगस्त को बुलाई बैठक, बीजेपी ने दी प्रतिक्रिया

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड में खाली पड़े आवास बोर्ड, गौ सेवा आयोग, युवा आयोग, बाल संरक्षण आयोग, निगम और आयोगों में कांग्रेस कोटे से अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों के पद को भरने के लिए कांग्रेस ने कवायद तेज कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में 14 सदस्यों की कमिटी बनाई गई है, जिसमें विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, उपनेता राजेश कच्छप, झारखंड कांग्रेस के सभी पूर्व अध्यक्ष और पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष शामिल हैं।

4 अगस्त को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में होगी बैठक

झारखंड कांग्रेस ने बोर्ड, निगम और आयोग के लिए योग्य और पार्टी के प्रति समर्पित कार्यकताओं-नेताओं के चयन के लिए 04 अगस्त को बैठक बुलाई है। इसकी जानकारी देते झारखंड कांग्रेस मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी ने कहा कि बोर्ड निगम के पुनर्गठन को लेकर 04 अगस्त को बैठक बुलाई गई है। बोर्ड, कॉर्पोरेशन और कमीशन में खाली सीटों को भरने के लिए योग्य उम्मीदवारों को चुनने के लिए कांग्रेस की कमेटी बनाने को उसके सत्ता के भूखे स्वभाव का सबूत बताते हुए, बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता अविनेश कुमार सिंह ने कहा कि ये लोग जनता की सेवा करने के बजाय सत्ता का मजा लेते हैं।

सत्ता के लिए झामुमो से चिपकी हुई है कांग्रेस- भाजपा

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अविनेश कुमार सिंह ने कांग्रेस द्वारा बोर्ड, निगम और आयोग की खाली पड़ी सीटों को भरने के लिए योग्य उम्मीदवारों के चयन के लिए कमिटी बनाए जाने को कांग्रेस की सत्ता लोलुप चरित्र बताया है। उनहोंने कहा कि इन लोगों को जनता की सेवा की जगह सत्ता की मलाई चखने में मजा आता है। यही वजह है कि वह बोर्ड निगम के लिए ज्यादा उतावले हैं। हम भी चाहते हैं कि बोर्ड निगम और आयोग जल्द से जल्द पुनर्गठित हो। वहीं, झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता ने कहा कि पार्टी नेतृत्व से जो संदेश मिला है, उसके अनुसार शारदीय नवरात्र से पहले सभी बोर्ड, निगम और आयोगों को पुनर्गठित कर लिया जाएगा।

रांची एयरपोर्ट पर बढ़ेगी कार्गो हैंडलिंग क्षमता, 2027 तक 20 हजार मीट्रिक टन करने का लक्ष्य

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। रांची एयरपोर्ट पर एयर इंडिया सेट्स (एआइएसएटीएस) कार्गो हैंडलिंग क्षमता का विस्तार करने जा रही है। कंपनी ने वर्ष 2027 तक यहां प्रतिवर्ष 20 हजार मीट्रिक टन कार्गो हैंडलिंग का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह पहल पूर्वी भारत में तेजी से बढ़ते औद्योगिक, कृषि एवं ई-कॉमर्स क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए की जा रही है। कंपनी ने इस वर्ष अब तक 7992 मीट्रिक टन कार्गो हैंडलिंग की है, जो पिछले साल के मुकाबले नौ प्रतिशत अधिक है। पिछले वर्ष प्रतिमाह औसतन लगभग 900 मीट्रिक टन कार्गो की हैंडलिंग रांची एयरपोर्ट से होती थी। वहीं, वर्ष 2024 में 850 मीट्रिक टन कार्गो की हैंडलिंग प्रतिमाह होती थी। वर्ष 2024 में रांची में कार्गो संचालन शुरू करने के बाद एआइएसएटीएस ने स्थानीय उद्योगों, निर्यातकों और व्यापारियों को आधुनिक व विश्वसनीय लॉजिस्टिक्स सेवाएं उपलब्ध करायी है। कंपनी वर्तमान में एयरपोर्ट पर एयर कार्गो टर्मिनल का संचालन कर रही है, जहां आधुनिक वेयरहाउसिंग, एक्स-रे स्क्रीनिंग, तापमान नियंत्रित भंडारण तथा सुरक्षित कार्गो प्रबंधन जैसी सुविधाएं हैं। उक्त जानकारी एआइएसएटीएस के चीफ ऑपरेशनल ऑफिसर सलीम चौधरी ने दी। सलीम चौधरी ने कहा कि रांची तेजी से उभरता औद्योगिक केंद्र है। रांची से सालाना हैंडलिंग क्षमता 18250 मीट्रिक टन है। रांची बढ़ती लॉजिस्टिक्स जरूरतों को पूरा करने के लिए अच्छी स्थिति में है। यहां फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग उत्पाद, मोबाइल, दवाएं, कृषि उपज, वस्त्र एवं हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। बेहतर एयर कार्गो सुविधाओं से स्थानीय उद्योगों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच बनाने में मदद मिलेगी। सलीम चौधरी ने कहा कि कार्गो हैंडलिंग का लक्ष्य पूरा करने के लिए कंपनी ने चेंबर, एयरपोर्ट के अधिकारियों, कार्गो एजेंट, फेट फॉरवर्डर, ट्रेड एसोसिएशन व मैन्युफैक्चरर से बातचीत की है। इस विस्तार से व्यापार को नयी गति मिलेगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा झारखंड की आर्थिक प्रगति को भी बल मिलेगा।

तमाड़ में भाजपा कार्यसमिति की बैठक, बूथ सशक्तीकरण पर बनी रणनीति

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

तमाड़। शनिवार को तमाड़ भाजपा मंडल की कार्यसमिति की बैठक वाटर वेज स्थित शिव मंदिर परिसर में मंडल अध्यक्ष महावीर सोनी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का संचालन मंडल महामंत्री विवेक गुप्ता ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं अगरबत्ती प्रज्वलित कर तथा वंदे मातरम् गीत के साथ किया गया। बैठक में मंडल अध्यक्ष महावीर सोनी ने विषय प्रवेश कराया। मंडल प्रभारी धीरेन महतो ने शक्ति केंद्र संयोजकों, सह-संयोजकों एवं प्रभारियों से जल्द से जल्द बूथ समितियों का गठन करने का आह्वान किया। वहीं ओरमांझी भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं तमाड़ मंडल प्रवासी अमरनाथ चौधरी ने कहा कि संगठन की मजबूती का आधार बूथ है। उन्होंने कार्यकताओं से ₹बूथ जीतो, चुनाव जीतो₹ के मंत्र के साथ कार्य करने और आगामी

विधानसभा चुनाव में तमाड़ विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह मुण्डा ने केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण अन्न योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, कौशल विकास योजना और हर घर नल-जल जैसी अनेक योजनाएं आम जनता के हित में संचालित की जा रही हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार दोहरी राजनीति कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां राष्ट्रीय स्तर पर नीट पेपर लीक के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया जाता है, वहीं झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी सहित अन्य भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक के मामलों पर सरकार मौन है। उन्होंने कार्यकताओं से जनता के बीच केंद्र सरकार की योजनाओं को पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में मंडल अध्यक्ष महावीर सोनी, अमरनाथ चौधरी, लक्ष्मण सिंह मुण्डा, धीरेन महतो, जिला उपाध्यक्ष दिलीप सेठ, विवेक गुप्ता, भारती कुमारी, सीता देवी, चंदन साहु, सुरेंद्र साहु, तुलसी मुण्डा, बसंती देवी, काजल देवी, ममता देवी, अनिता देवी, उदय महतो, प्रकाश सिंह मुण्डा, मंगल स्वांसी, कैलाश महतो, बहादुर पुरान, राज मिर्धा सहित शक्ति केंद्र संयोजक, सह-संयोजक, मंडल कार्यसमिति के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित

विभिन्न विभागों के लंबित कार्यों के त्वरित निष्पादन एवं जनहितकारी योजनाओं को समयबद्ध पूरा करने का निर्देश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों को अपने-अपने अंचलों में लंबित जाति, आय, आवासीय एवं अन्य प्रमाण-पत्रों का नियमानुसार त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।वर्षा ऋतु के दौरान मदनशाही मुख्य सड़क पर गड्ढों में जलजमाव की समस्या को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी सदर, एंव संबंधित अंचलाधिकारी को निर्देशित किया कि सड़क पर गड्ढों में जमा वर्षा जल की निकासी पंप के माध्यम से अविलंब सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन एवं वाहन चालकों को आवागमन में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ होने तक आवश्यकतानुसार तत्काल वैकल्पिक मरम्मत कार्य कराया जाए, जिससे मार्ग को सुरक्षित एवं सुगम बनाए रखा जा सके।श्रावणी मेला, शिवगादी धाम के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सिविल सर्जन को बरहेट बाजार से मेला स्थल तक तथा राजमहल, बडहरवा, एंव पतना होते हुए मेला स्थल तक श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु भ्रमणशील चिकित्सा दल की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा सेवा शिविर में प्रत्येक रविवार एवं सोमवार को चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की विशेष प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने पुलिस विभाग को कांवरिया मार्ग पर निरंतर गश्ती सुनिश्चित करने, महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शिवालय परिसर के आसपास पर्याप्त संख्या में महिला पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति करने तथा अनुमंडल पदाधिकारी को समय-समय पर मेला क्षेत्र का भ्रमण कर सभी व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त नगर प्रशासक एंव संबंधित प्रखण्ड विकास प्रदाधिकारी को दोनों प्रमुख मार्गों पर श्रद्धालुओं की सुविधा एवं स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए चलंत शौचालयों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।उपायुक्त ने सदर अस्पताल, साहिबगंज के सुचारू संचालन, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं एवं बेहतर रखरखाव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, परियोजना निदेशक आईटीडीए तथा अनुमंडल पदाधिकारी को नामित करते हुए निर्देश दिया कि सभी नामित पदाधिकारी सप्ताह में कम-से-कम एक दिन सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण करें। निरीक्षण के दौरान चिकित्सा व्यवस्था, स्वच्छता, दवा उपलब्धता, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति तथा मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं का गहन मूल्यांकन कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।इसके साथ ही उपायुक्त ने सिविल सर्जन एवं उपाधीक्षक सदर अस्पताल को निर्देश दिया कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र चिकित्सकों एवं चिकित्साकर्मियों को देय प्रोत्साहन राशि का नियमानुसार भुगतान हर हाल में आगामी दो दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाए । तालझारी प्रखंड परिसर में विद्युत आपूर्ति से संबंधित समस्या को लेकर उपायुक्त ने कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमण्डल को समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।जिले में प्रस्तावित साइंस कॉलेज एवं जिला विज्ञान केंद्र के निर्माण हेतु अनुमंडल पदाधिकारी तथा अंचलाधिकारी, साहिबगंज, बोरियो एवं मंडरो को भूमि चिन्हित करने का निर्देश दिया गया। स्वास्थ्य व्यवस्था की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने सिविल सर्जन को संविदा आधारित प्रस्तावित नियुक्तियों के परिप्रेक्ष्य मे मैनपावर रोस्टर यथाशीघ्र तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही, बरहरवा प्रखंड अंतर्गत आहुतग्राम एवं हरिहरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यकतानुसार अतिरिक्त कर्मियों की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने का निर्देशदिया।साहिबगंज-गोड्डा-दुमका मेगा बल्क जलापूर्ति योजना की समीक्षा के क्रम में कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, साहिबगंज द्वारा अवगत कराया गया कि राजमहल प्रखंड अंतर्गत बेगमपुरा ओवरब्रिज से नया बाजार मोड़ तक लगभग 02 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाने के लिए कार्यपालक अभियंता, आरईओ से अनापत्ति प्रमाण-पत्र अब तक प्राप्त नहीं हुआ है। उक्त विषय पर उपायुक्त ने उप विकास आयुक्त एवं अपर समाहर्ता को संयुक्त रूप से स्थल का निरीक्षण कर सभी तथ्यों का परीक्षण करते हुए मामले का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने तथा निरीक्षण प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया।सदर अस्पताल परिसर में दीप आई हॉस्पिटल के भवन में ओपीडी संचालित किए जाने के दृष्टिगत संबंधित भवन जीर्णोद्धार कर ओपीडी संचालन के अनुरूप विकसित करने हेतु उपायुक्त द्वारा एनआरईपी को आवश्यक मरम्मत एवं आधारभूत संरचना संबंधी कार्यों का शीघ्र प्राक्कलन तैयार करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि निर्धारित समयसीमा के भीतर प्राक्कलन तैयार कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि जीर्णोद्धारशीघ्र प्रारंभ कर ओपीडी का संचालन समयबद्ध रूप से शुरू किया जा सके।उपायुक्त ने अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, सदर एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी, बरहेट को बरहेट प्रखंड में प्रस्तावित गोदाम निर्माण हेतु उपयुक्त भूमि चिन्हित करने का निर्देश दिया। साथ ही, श्रावन मास समाप्त होने के पश्चात बरहेट प्रखंड में प्रस्तावित हेलीपैड निर्माण कार्य प्रारंभ करने हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।कल्याण विभाग द्वारा छात्र-छात्राओं को वितरित की जाने वाली साइकिल का वितरण ससमय सुनिश्चित करने हेतु सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं प्रखंड कल्याण पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग, उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, अनुमंडल पदाधिकारी सदर अमर जॉन आईन्द, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं थाना प्रभारी सहित विभिन्न विभागों के संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

साहिबगंज में भर्ती परीक्षा घोटालों पर बीजेपी का हल्ला बोल, सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार के दौरान बीते सात साल में जेपीएससी, जेएसएससी, सीजीएल, उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा सहित अन्य भर्ती परीक्षा में हुई धांधली व घोटाले के विरोध में भाजयुमो ने शनिवार को धरना प्रदर्शन किया। स्थानीय स्टेशन चौक पर मोर्चा जिलाध्यक्ष धमेन्द्र मंडल के नेतृत्व में यह धरना प्रदर्शन करते हेमंत सोरेन सरकार में जमकर हमला बोला गया। धरना के बाद राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन भेजा गया। मौके पर गणेश प्रसाद तिवारी, रामानंद साह, प्रेमलाल मंडल, धनंजय मंडल, विनोद चौधरी, गरिमा साह, संजीव पासवान, अनुराग राहुल, अरविन्द सिन्हा, चन्द्रभान शर्मा, करण यादव, जयकांत वर्मा, मुकेश राज, देवाशीष सरकार, चंदन श्रीवास्तव, मुन्ना भगत, चंकी पांडेय, दीपक चन्द्रवंशी, कुणाल किशोर मंडल, राजकुमार भगत, अनुपलाल रजक सहित कई थे।

मुख्य आरोपी हमीम मंडल से चार वर्षों से संपर्क में थी अर्पिता सरकार, पश्चिम बंगाल एस टी एफ ने झारखंड पुलिस के सहयोग से बरहरवा में की कार्रवाई

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज से कॉलेज छात्रा गिरफ्तार, आतंकी साजिश की जांच में 'हनीट्रैप' एंगल की एंट्री

बरहरवा/साहिबगंज। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की कथित हत्या की साजिश और आतंकी नेटवर्क से जुड़े मामले की जांच में एक नया मोड़ सामने आया है। पश्चिम बंगाल स्पेशल टास्क फोर्स (एस टी एफ) ने झारखंड पुलिस के सहयोग से साहिबगंज जिले के बरहरवा थाना क्षेत्र के ग्वालखोर गांव में छापेमारी कर 21 वर्षीय कॉलेज छात्रा अर्पिता सरकार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद उसे पूछताछ के लिए पश्चिम बंगाल के पूर्वी बर्धमान ले जाया गया है। जांच एजेंसियों के अनुसार, इससे पहले पूर्वी बर्धमान के नवाबहाट से गिरफ्तार मुख्य आरोपी हमीम मंडल पर पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े लोगों के संपर्क में रहने का आरोप है। जांच में यह भी सामने आया है कि वह व्हाट्सएप के माध्यम से मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की गतिविधियों और मूवमेंट से जुड़ी गोपनीय जानकारियां कथित तौर पर साझा कर रहा था। इसी जांच के क्रम में अर्पिता सरकार का नाम सामने आया। पुलिस के मुताबिक, अर्पिता पिछले करीब चार वर्षों से हमीम मंडल के संपर्क में थी और इस दौरान दोनों की चार बार मुलाकात भी हुई थी। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि उसकी भूमिका केवल व्यक्तिगत संबंध तक सीमित थी या वह किसी बड़े नेटवर्क का हिस्सा थी। प्रारंभिक जांच में अर्पिता पर लोगों को अपने प्रभाव में लेकर 'हनीट्रैप' के जरिए इस्तेमाल किए जाने की आशंका भी जताई गई है। हालांकि, इस संबंध में अभी जांच जारी है और एजेंसियां सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही हैं। सूत्रों के अनुसार, पश्चिम बंगाल एस टी एफ अर्पिता और हमीम मंडल से आमने - सामने पूछताछ कर पूरे मामले की कड़ियां जोड़ने का प्रयास कर रही है। जांच का उद्देश्य यह स्पष्ट करना है कि कथित आतंकी नेटवर्क, सूचना साझा करने और संभावित हनीट्रैप मॉड्यूल के बीच क्या संबंध था। फिलहाल मामले की जांच जारी है और सुरक्षा एजेंसियों ने आधिकारिक तौर पर विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है। अर्पिता की भूमिका और मामले के अन्य पहलुओं पर पूछताछ के बाद ही आगे की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

तीनपहाड़ में राशन डीलरो का हुआ जिला महा सम्मेलन, मोहम्मद जाकिर हुसैन बने जिला अध्यक्ष

साहिबगंज/तीनपहाड़। ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर्स फेडरेशन के बैनर तले झारखंड राज्य इकाई के साहिबगंज जिला संगठन का एक दिवसीय जिला स्तरीय सम्मेलन सह पुनर्गठन कार्यक्रम शनिवार को तीनपहाड़ स्थित अंबेडकर भवन में आयोजित किया गया। सम्मेलन में जिले के नौ प्रखंडों से बड़ी संख्या में जनवितरण प्रणाली के दुकानदार शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता दुमका जिला अध्यक्ष सह प्रदेश सचिव एवं सम्मेलन के मुख्य अतिथि सह पर्यवेक्षक सुनील कुमार झा ने की। सम्मेलन के दौरान संगठन के पुनर्गठन पर चर्चा के बाद सर्वसम्मति से मो. जाकिर हुसैन को साहिबगंज जिला अध्यक्ष चुना गया।सम्मेलन में राशन डीलरों की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। ई-पॉस मशीन के सही ढंग से काम नहीं करने, सर्वर की समस्या, कमीशन से जुड़ी परेशानी, डीलरों तक समय पर राशन नहीं पहुंचने तथा लाभुकों के बीच राशन वितरण में आने वाली समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। डीलरों ने अपनी-अपनी समस्याएं संगठन के पदाधिकारियों के समक्ष रखीं और उनके समाधान की मांग की। मुख्य अतिथि सुनील कुमार झा ने कहा कि राशन डीलरों को ई-पॉस मशीन और सर्वर की तकनीकी समस्याओं के कारण काफी परेशानी होती है। वहीं डीलरों तक समय पर राशन पहुंचना और लाभुकों को निर्धारित मात्रा में राशन उपलब्ध कराना भी जरूरी है। इन सभी बिंदुओं को लेकर संगठन आगे भी संबंधित अधिकारियों के समक्ष आवाज उठाएगा। सम्मेलन में जिलेभर से 500 से अधिक राशन डीलरों की उपस्थिति बताई गई। कार्यक्रम में संगठन को मजबूत करने और डीलरों की समस्याओं को सामूहिक रूप से उठाने का निर्णय लिया गया। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष सुरेश प्रसाद, प्रदेश महासचिव संजय कुंड, जिला अध्यक्ष मो. जाकिर हुसैन, कार्यकारी जिला अध्यक्ष मो. आलमगीर आलम समेत विभिन्न प्रखंडों के सैकड़ो राशन डीलर मौजूद रहे।वहीं कुछ डीलर ने काम करने के दरम्यान हो रही परेशानियां का भी साझा किया और उसके बारे में विस्तार पूर्वक बताया।

निक्षय योजना को मिला जनसहयोग, समाजसेवी सुमन कुमार ने छह टीबी मरीजों के पोषण का उठाया जिम्मा

बरहरवा/साहिबगंज। भारत सरकार की निक्षय योजना के तहत टीबी मुक्त भारत अभियान को जनसहयोग का नया बल मिला है। शनिवार को बरहरवा सामुदायिक भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी सुमन कुमार ने छह टीबी मरीजों को निक्षय मित्र के रूप में गोद लेते हुए उन्हें पहले माह का पौष्टिक आहार किट वितरित किया। जिन मरीजों को गोद लिया गया, उनमें गुलाई मरांडी, बाबू साहेब हेम्ब्रम, बासिक रजक, मोहम्मद इशाक, अजमीरा खातून और अनवारा बेगम शामिल हैं। सभी लाभार्थियों को सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप पोषण सामग्री उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर समाजसेवी सुमन कुमार ने कहा कि टीबी जैसी बीमारी से लड़ने में दवाओं के साथ संतुलित एवं पौष्टिक आहार भी बेहद जरूरी है। उन्होंने अगले छह माह तक प्रत्येक महीने सभी छह मरीजों को नियमित रूप से पौष्टिक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम में मौजूद बरहरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉ. सोहेल अनवर ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि टीबी उन्मूलन अभियान तभी सफल होगा, जब समाज के लोग भी इसमें सक्रिय भागीदारी निभाएंगे। उन्होंने कहा कि निक्षय मित्रों का सहयोग मरीजों को बेहतर पोषण, मानसिक संबल और नियमित उपचार के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम के अंत में सभी लाभार्थियों को पोषण किट प्रदान की गई। स्थानीय लोगों ने समाजसेवी सुमन कुमार की इस पहल को जनस्वास्थ्य और सामाजिक उत्तरदायित्व की दिशा में एक सराहनीय एवं प्रेरणादायक कदम बताया।

लंबित वारंटों पर कार्रवाई: साहिबगंज पुलिस ने चार वारंटियों को गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक हिरासत

साहिबगंज। लंबित वारंटों के निष्पादन के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मुफस्सिल थाना पुलिस ने शनिवार को चार वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थाना प्रभारी अनीस कुमार पांडे ने बताया कि ओसीआर संख्या 31/2001 के स्थायी वारंटी मोहम्मद मुर्शिद उर्फ मोहम्मद नियाज (पिता- स्व. शेख मुस्लिम) को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा जीआर संख्या 169/13 के गैर-जमानती वारंट के वारंटी शेख नसीम (पिता- स्व. मोहम्मद अब्दुल गफ्फार), शेख खुर्शीद (पिता- स्व. शेख हमजा) तथा शेख सोबिन (पिता- स्व. शेख समसुल) को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। सभी आरोपी ग्राम छोटी कोदरजन्ना, थाना मुफस्सिल, जिला साहिबगंज के निवासी हैं।

पुलिस ने सभी आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना प्रभारी ने कहा कि लंबित वारंटों के निष्पादन के लिए विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा। फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए नियमित रूप से छापेमारी और कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बाइक के सामने कुत्ता आने से हादसा, तीन लोग घायल; महिला की हालत गंभीर

साहिबगंज। बोरियो से मंडरो जाने के क्रम में रंगमटिया गांव के समीप बाइक के आगे कुत्ता आ जाने से संतुलन खो देने से बाइक दुघर्टनाग्रस्त हो गई। बाइक में सवार तीन लोग घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार मंझोना भुरकुंडा निवासी हरदास मरांडी (50) साँझली सोरेन (40) एवं दामाद मंझवाई निवासी गुरु बास्की (26) एक ही बाइक पर सवार होकर भुरकुंडा से मंडरो जा रहे थे। रंगमटिया के पास बाईक के आगे कुत्ता आ जाने से बाईक दुघर्टना ग्रस्त हो गयी। बाइक पर सवार तीनों लोग बुरी तरह घायल हो गए। सांझली सोरेन के सर पर गंभीर चोट होने के कारण चिकित्सकों ने बेहतर ईलाज के लिए हाई सेंटर रेफर कर दिया। सीएचसी के डॉ. कुलदीप कुमार एवं डॉ. रितेश कुमार के द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर मंथन ने पुलिस व प्रशासन के सहयोग से बच्चो को कराया बाल मजदूरी से मुक्त

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए काम कर रहे संगठन मंथन ने विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के मौके पर पुलिस व प्रशासन के सहयोग से बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त कराने का संकल्प लिया। यह कार्रवाई राज्य सरकार के विभिन्न विभागों और एजेंसियों की ओर से जून को बाल मजदूरी के खिलाफ कार्रवाई माह या ह्यएक्शन मंथह्ल के रूप में मनाने के बाबत जारी अधिसूचना व निर्देशों के तहत की गई। इन निर्देशों में बाल मजदूरी की शिकायत वाले इलाकों में छानबीन करने व बच्चों को मुक्त कराने के लिए साझा अभियान चलाने के निर्देश दिए गए थे। मंथन ने जिले में बाल मजदूरी के खिलाफ जनजागरूकता अभियान भी चलाए जिसमें विभिन्न सरकारी विभागों और कानून लागू करने वाली एजेंसियों के अफसरों, सामुदायिक नेताओं और ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। मंथन बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए 250 से भी अधिक नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) का सहयोगी संगठन है। मुक्त कराए गए बच्चों की उम्र 12 से 15 के बीच थी और ये कई वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में पिछले कुछ महीने से काम कर रहे थे। शुरूआती जांच से पता चला है कि इनसे बेहद अमानवीय और शोषणकारी स्थितियों में काम लिया जा रहा था। स्वास्थ्य के लिए खतरनाक स्थितियों में मामूली पैसे पर इन्हें दिन रात खटाया जा रहा था जिससे इनकी सेहत व मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा था। बच्चों को मुक्त कराने के बाद जिम्मेदार तत्वों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है और पीड़ित बच्चों को पुनर्वास, मुआवजा व अन्य सुविधाएं दिलाने की प्रक्रिया जारी है जिसके वे अधिकारी हैं। जून महीने को बाल श्रम के खिलाफ ह्यएक्शन मंथह्ल के तौर पर मनाया जाता है और चूंकि बाल दुव्यार्पार यानी बच्चों की ट्रैफिकिंग बाल मजदूरी का मुख्य कारण है, इसलिए नागरिक समाज संगठन इस दौरान पुलिस व प्रशासन के साथ मिलकर दुव्यार्पारियों और उनके गठजोड़ की शिनाख्त के लिए कड़ी नजर रखते हैं। इस मौके पर कानून लागू करने वाली एजेंसियों और जिला प्रशासन को हरसंभव सहयोग का वादा करते हुए मंथन के निदेशक बिपलव महतो ने कहा, ह्लशोषण व मजदूरी से मुक्त कराए गए हर बच्चे के शिक्षा के अधिकार, सुरक्षा व गरिमा की आज एक बार फिर बहाली हुई है। बाल श्रम बच्चों को उनके बचपन और मूल अधिकारों से महरूम कर देता है, लिहाजा इस समस्या से तत्काल निपटने की जरूरत है। बच्चों की जगह ढाबों और फैक्ट्रियों में नहीं बल्कि स्कूल में है। चूंकि ट्रैफिकिंग और बाल मजदूरी आपसे में गहरे तक जुड़े हैं, हम ट्रैफिकिंग की रोकथाम, बच्चों को मुक्त कराने के लिए जिला प्रशासन प्रशासन व कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ करीबी समन्वय के साथ काम करते रहेंगे। साथ ही, हम सुनिश्चित करेंगे कि हर बच्चे की देखभाल हो, समुचित पुनर्वास हो और उसे वो सभी सुविधाएं मिलें जिसका वह हकदार है। इस नेटवर्क की सबसे बड़ी ताकत इसका साझा निगरानी तंत्र और आपसी सहयोग है। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के देश भर में फैले सहयोगी संगठन एक दूसरे की आंख-कान का काम करते हैं और आपस में सूचनाएं साझा करने के साथ ट्रैफिकिंग के मामलों की निगरानी करते हैं। नेटवर्क के खुफिया सूचना-साझाकरण तंत्र ने देश के विभिन्न हिस्सों में ट्रैफिकिंग के शिकार बच्चों की पहचान करने, उनका पता लगाने और उन्हें मुक्त कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नतीजे में अप्रैल 2023 से मार्च 2026 के बीच 1.45 लाख से अधिक बच्चों को ट्रैफिकिंग से मुक्त कराया गया। इनमें अधिकांश मामले ऐसे थे, जिनमें बच्चों की ट्रैफिकिंग कर उन्हें बाल श्रम करने के लिए मजबूर किया गया था।

नीलम चिल्ड्रेन एकेडमी में लगी विज्ञान प्रदर्शनी, बच्चों ने मॉडलों से समझाए वैज्ञानिक सिद्धांत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

तीनपहाड़/साहिबगंज। नीलम चिल्ड्रेन एकेडमी, तीनपहाड़ में शनिवार को विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के साथ बड़ी संख्या में अभिभावक भी मौजूद रहे।विद्यालय के डायरेक्टर अशोक भारती एवं प्राचार्य अभय भारती के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रदर्शनी में बच्चों ने विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और कंप्यूटर से जुड़े विभिन्न मॉडल एवं प्रयोग प्रस्तुत किए।

टीमवार प्रस्तुतियां:

- टीम ए: खुशी परवीन, निरंजन कुमार, ब्यूटी कुमारी एवं जय राम कुमार ने इको-फ्रेंडली हाउस विद पार्क का मॉडल दिखाया।
- टीम बी: सूवेता कुमारी, पूजा कुमारी, अफशाना खातुन एवं शीतल कुमारी ने प्रयोग के जरिए दिन और रात होने की प्रक्रिया समझाई।
- टीम सी: आशीष कुमार मंडल, अमित कुमार दास, बीट्टू मुंडा एवं अस्मा खातुन ने जल शोधक का वर्किंग मॉडल तैयार कर गंदे पानी को साफ करने की प्रक्रिया दिखाई।
- टीम डी: विद्यार्थियों ने ज्वालामुखी, पवन चक्की और गणित के बढ़ते-घटते क्रम से जुड़े प्रयोग प्रस्तुत किए।
- टीम ई: महम्मद आसिफ, बैजू मिज, उत्तम कुष्ठ साहा एवं समीप नेपाल बेसरा ने पवन चक्की के कार्य एवं सिद्धांत को प्रयोग के माध्यम से समझाया।

वहीं कार्यक्रम के समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली विभिन्न टीमों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को पुरस्कृत किया गया।इस मौके पर विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि ऐसी प्रदर्शनियों से बच्चों में वैज्ञानिक सोच, तार्किक क्षमता और रचनात्मक प्रतिभा का विकास होता है। अभिभावकों ने भी बच्चों के प्रयासों की सराहना की।

जिला टास्क फोर्स (खनन) की बैठक आयोजित, अवैध खनन एवं परिवहन पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में को जिला टास्क फोर्स (खनन) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में अवैध खनन, एवं अवैध परिवहन की प्रभावी रोकथाम को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक में उपायुक्त ने जिला खनन पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, साहिबगंज एवं राजमहल तथा संबंधित अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने-अपने क्षेत्रों में समय-समय पर सघन छापेमारी अभियान चलाते हुए अवैध खनन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें तथा की गई कार्रवाई का अनुपालन प्रतिवेदन (एटीआर) उपलब्ध कराएं।उन्होंने जिला खनन पदाधिकारी, खान निरीक्षक एवं संबंधित अंचलाधिकारियो को जिले के सभी खनन क्षेत्रों का नियमित रूप से मापी एवं निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि स्वीकृत खनन पट्टा क्षेत्र के बाहर पट्टेधारी द्वारा किसी भी सूरत में खनन न किया जाए। साथ ही, जिले के सभी चेकनाकों पर रोस्टर के आधार पर दंडाधिकारी एवं पर्याप्त बल की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने तथा संबंधित अनुमंडल पदाधिकारियों एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों को समय-समय पर चेकनाकों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि खनन क्षेत्रों के लिए विस्फोटक पदार्थों के आवागमन की सूचना उपायुक्त एवं संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। किसी भी प्रकार के अवैध खनन अथवा अवैध परिवहन की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। खान निरीक्षक एंव संबंधित अंचलाधिकारियों को प्रत्येक सप्ताह कम से कम एक दिन किसी खनन क्षेत्र का निरीक्षण एवं मापी करने का निर्देश दिया गया।उन्होंने सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में अवैध खनन पर प्रभावी रोक सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। यदि किसी क्षेत्र में अवैध खनन पाया जाता है, तो संबंधित के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र में सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। किसी दुर्घटना के कारण जान-माल की क्षति होने की स्थिति में विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाय तथा संबंधित खनन संचालक द्वारा प्रभावित परिवार को नियमानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना सुनिश्चित की जाय।बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि वन क्षेत्र से ईंट-चिमनी भट्ठे की दूरी 250 मीटर से कम नहीं होनी चाहिए । जिला खनन पदाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारियों, को जिले में संचालित सभी अवैध चिमनी भट्ठों को नियमानुसार ध्वस्त कराने का निर्देश दिया। साथ ही, सरकारी अथवा अन्य क्षेत्रों से असामाजिक तत्वों द्वारा अवैध रूप से मिट्टी कटाव की गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने तथा ऐसे मामलों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया।बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग, अनुमंडल पदाधिकारी -सह - जिला परिवहन पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द, जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सभी अंचल अधिकारी एवं सभी थाना प्रभारी सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद जी की जयंती के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन, कहा कि हिंदी साहित्य के महान शख्सियत थे

अरविंद अग्रवाल@ झारखंड उजाला, ब्यूरो पलामू

छतरपुर (पलामू): गुलाबचंद प्रसाद अग्रवाल महाविद्यालय, सड़मा, छतरपुर में कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद जी की जयंती के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य अखिलेश कुमार सिंह, शिक्षक प्रतिनिधि सूर्योदय कुमार, नैंसी कुमारी एवं कुमारी प्रियंका ने संयुक्त रूप से मुंशी प्रेमचंद जी तथा महाविद्यालय के संस्थापक सचिव स्मृतिशेष सत्यदेव प्रसाद अग्रवाल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम का संचालन पंचम कुमार ने किया। विचार गोष्ठी के प्रारंभ में विषय प्रवेश कराते हुए हिंदी के प्राध्यापक सूर्योदय कुमार ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद हिंदी साहित्य के महान शख्सियत थे। उनकी लेखनी यथार्थवादी, सरल और जनसाधारण की पीड़ा एवं संवेदनाओं से परिपूर्ण थी। उन्होंने बाल विवाह, छुआछूत, दहेज प्रथा, किसानों की दुर्दशा और सामाजिक विषमताओं जैसे ज्वलंत मुद्दों को अपनी कहानियों एवं उपन्यासों का आधार बनाया। उनकी लेखनी ने शोषित, वंचित और मजदूर वर्ग के दर्द को जीवंत स्वर प्रदान किया। मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए प्रभारी प्राचार्य अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि यह विचार करने का विषय है कि वर्ष 1880 में जन्मे एक ऐसे साहित्यकार, जिनका संबंध हमारे क्षेत्र से नहीं था, उनकी जयंती आज पूरा देश मना रहा है। उन्होंने कहा कि आज हमारे पास मोबाइल, लैपटॉप और आधुनिक संसाधन उपलब्ध हैं तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी है, लेकिन जिस समय मुंशी प्रेमचंद अपनी कलम उठाते थे, उस दौर में साहूकारों, जमींदारों और शोषण व्यवस्था के खिलाफ लिखना कितना कठिन रहा होगा, इसकी कल्पना की जा सकती है। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद जी ने अपने साहित्य में किसानों की बदहाली, भुखमरी, गरीबों के शोषण, ग्रामीण संस्कृति, गांव की एकता और भाईचारे की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत की। उनकी रचनाएं आज भी समाज को दिशा देने का कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी मुंशी प्रेमचंद जी के जीवन एवं साहित्य पर अपने विचार प्रस्तुत किए। छात्राओं रुपाली कुमारी, सोनाली कुमारी, कुमकुम कुमारी, राकेश कुमार पासवान एवं शिल्पी कुमारी ने कविता एवं विचारों के माध्यम से कार्यक्रम को जीवंत बना दिया।

अभिभावक कामेश्वर शर्मा ने भी मुंशी प्रेमचंद के साहित्यिक योगदान पर अपने विचार रखे। वहीं राजनीति विज्ञान के प्राध्यापक रोहित कुमार एवं जूलॉजी विभाग की प्राध्यापिका आरती कुमारी ने प्रेमचंद जी की कृतियों को आधार बनाकर उनके सामाजिक सरोकारों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर राजकिशोर लाल ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों में अशोक कुमार अग्रवाल, अपराजिता प्रकाश, सुनीता कुजूर, इंदु कुमारी, मुन्नी देवी, राजमोहन, धर्मेंद्र कुमार, आरती कुमारी, जलेश्वर गुप्ता, कृष्ण नंदन शर्मा, योगेंद्र विश्वकर्मा, सफल कुमार मेहता, राजेश रजक, सुनील पासवान, आलोक अग्रवाल, एंजेलिना खाखा, रेजिना तिग्गा, चंदा कुमारी, संध्या कुमारी, बालमुकुंद पाठक, विद्यानंद कुमार, विजय यादव, मनोज पासवान, बबलू मिंज, आनंद कुमार यादव, शंकर कुमार राम (शिवजी), संजय प्रजापति, पानपति, शारदा, प्रसाद ठाकुर, निरंजन सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

पाकुड़ में युवा कांग्रेस जिला कार्यकारिणी की बैठक संपन्न, संगठन को मजबूत बनाने पर दिया गया जोर

पाकुड़: झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव डॉ. तनवीर आलम ने पाकुड़ जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित युवा कांग्रेस, पाकुड़ जिला कार्यकारिणी की बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने, युवाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा पार्टी की विचारधारा और जनहितकारी नीतियों को आम जनता तक पहुंचाने पर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. तनवीर आलम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का सबसे बड़ा आधार उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे गांव-गांव और बूथ-बूथ तक संगठन को मजबूत करें तथा जनता की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर सक्रिय रहें।उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा गरीबों, किसानों, मजदूरों, युवाओं, महिलाओं और समाज के सभी वर्गों के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है। कार्यकताओं का दायित्व है कि वे पार्टी की नीतियों और जनकल्याणकारी विचारों को प्रत्येक घर तक पहुंचाएं तथा लोगों के बीच रहकर उनकी समस्याओं को संगठन और जनप्रतिनिधियों के माध्यम से उठाएं।डॉ. तनवीर आलम ने संगठनात्मक अनुशासन, आपसी समन्वय और टीम भावना पर विशेष बल देते हुए कहा कि एक मजबूत संगठन ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों को आगामी कार्यक्रमों और संगठनात्मक अभियानों में पूरी निष्ठा एवं सक्रियता के साथ भाग लेने का निर्देश दिया।बैठक में युवा कांग्रेस के जिला पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान, बूथ प्रबंधन तथा जनसंपर्क अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने को लेकर अपने विचार भी रखे। सभी कार्यकताओं ने संगठन को मजबूत बनाने और कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष बिलाल शेख, लक्ष्मीकांत, इम्तियाज रिजवी, दिलदार आलम, नसीम आलम, जलालुद्दीन शेख सहित सैकड़ों युवा कांग्रेस उपस्थित थे।

पाकुड़ में आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका संघ की बैठक, बकाया मानदेय भुगतान को लेकर सौंपा जाएगा ज्ञापन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पाकुड़: पाकुड़ प्रखंड के लड्डू बाबू आम बागान में मंगलवार को आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका संघ की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे संघ के प्रतिनिधियों ने सेविका एवं सहायिकाओं के लंबे समय से लंबित मानदेय और अन्य बकाया राशि के भुगतान पर चर्चा की।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बुधवार को पाकुड़ जिला आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका संघ के प्रतिनिधिमंडल द्वारा उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा जाएगा। ज्ञापन के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार से मिलने वाले लंबित मानदेय, पोषाहार मद की राशि, सीबीई गोडबाड़ी, गैस सिलेंडर, मोबाइल रिचार्ज सहित अन्य बकाया भुगतान शीघ्र कराने की मांग की जाएगी।संघ के प्रतिनिधियों ने कहा कि कई महीनों से भुगतान नहीं होने के कारण सेविका और सहायिकाओं की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है। उन्होंने बताया कि परिवार का भरण-पोषण, बच्चों की पढ़ाई तथा अन्य आवश्यक खर्चों का वहन करना कठिन हो गया है। ऐसे में प्रशासन से जल्द से जल्द बकाया राशि का भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की जाएगी। बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों ने कहा कि यदि समय पर भुगतान नहीं हुआ तो आगे की रणनीति बनाकर आंदोलन की दिशा में भी विचार किया जाएगा।

पाकुड़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई: रानीपुर में गांजा कारोबार का भंडाफोड़, 120 ग्राम गांजा के साथ एक गिरफ्तार

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़: हिरणपुर थाना क्षेत्र के रानीपुर गांव में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार के खिलाफ पाकुड़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 120 ग्राम गांजा और इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन बरामद की है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जबकि एक अन्य फरार आरोपी की तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह को 31 जुलाई को सूचना मिली थी कि रानीपुर गांव में भोला साहा के घर से अवैध रूप से गांजा की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए उनके निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) कुमार गौरव के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल (SIT) का गठन किया गया। दंडाधिकारी की मौजूदगी में जब पुलिस टीम ने भोला साहा के घर और दुकान पर छापा मारा तो वहां मौजूद कुछ लोग पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर भोला साहा को मौके से पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके घर से 120 ग्राम गांजा और एक इलेक्ट्रॉनिक माप-तौल मशीन बरामद की गई।इस संबंध में हिरणपुर थाना कांड संख्या 51/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(b)(ii)(अ) एवं 22(अ) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी भोला साहा, पिता स्वर्गीय रामप्रसाद साहा, निवासी रानीपुर (स्थायी पता- बीचामहल, लिट्टीपाड़ा) को न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि इस अवैध कारोबार में संलिप्त एक अन्य आरोपी मदन भगत की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है। पुलिस का कहना है कि जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि समारोह की तैयारियों का जिला अध्यक्ष अजीजुल इस्लाम ने लिया जायजा

पाकुड़: झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक एवं दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर 4 अगस्त को आयोजित होने वाले श्रद्धांजलि कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। शनिवार को झामुमो के जिला अध्यक्ष अजीजुल इस्लाम ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यक्रम स्थल, भोजनालय, साफ-सफाई, पेयजल, बैठने की व्यवस्था, पार्किंग तथा श्रद्धांजलि सभा में आने वाले हजारों कार्यकताओं एवं श्रद्धालुओं के लिए की जा रही सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने और किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहने देने का निर्देश दिया।जिला अध्यक्ष अजीजुल इस्लाम ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का संघर्ष, त्याग और झारखंड आंदोलन में उनका योगदान राज्य की अमूल्य विरासत है। उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और आमजन शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर नहीं, बल्कि दिशोम गुरु के विचारों, संघर्षों और आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का भी माध्यम है।उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने की अपील करते हुए कहा कि आने वाले सभी अतिथियों और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना संगठन की प्राथमिकता है।निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी साइमन मरांडी, कार्यपालक पदाधिकारी अमरेंद्र चौधरी, झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य उमर फारूक, मिथिलेश घोष, जोहूर आलम, प्रखंड अध्यक्ष मुस्लेउद्दीन शेख, बुद्धिजीवी जिला उपाध्यक्ष प्रकाश सिंह, युवा उपाध्यक्ष रेजाउल हक, मुकसेड अंसारी, नगर अध्यक्ष मुकेश सिंह, सचिव नूर आलम, सबूर अंसारी, अकबर अंसारी सहित बड़ी संख्या में झामुमो पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिले में गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं जनोन्मुखी स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में करेंगे कार्य

29वें सिविल सर्जन के रूप में डॉ प्रवीण कुमार संथालिया ने संभाला कार्यभार

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़: जिले के स्वास्थ्य प्रशासन को नया नेतृत्व मिला है। शनिवार को डॉ. प्रवीण कुमार संथालिया ने जिले के 29वें सिविल सर्जन के रूप में विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने निवर्तमान सिविल सर्जन डॉ. सुरेंद्र कुमार मिश्रा से पदभार ग्रहण कर जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाली।पदभार ग्रहण के उपरांत डॉ. प्रवीण कुमार संथालिया ने कहा कि जिले के प्रत्येक नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की सभी योजनाओं एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, संचारी एवं गैर-संचारी रोगों की रोकथाम, संस्थागत प्रसव, पोषण, आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही, संवेदनशीलता एवं टीमवर्क को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। सभी चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों एवं विभागीय अधिकारियों के समन्वित प्रयास से आमजन को बेहतर, सहज एवं भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना उनका लक्ष्य होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग एवं सभी सहयोगी संस्थाओं के सामूहिक प्रयास से जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकेगा। इस अवसर पर निवर्तमान सिविल सर्जन डॉ. सुरेंद्र कुमार मिश्रा ने डॉ. संथालिया को कार्यभार सौंपते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं तथा जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी साझा की।कार्यभार ग्रहण समारोह के दौरान जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ के.के. सिंह, जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ एस.के. झा, दंत चिकित्सक डॉ. आर.के. सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के सभी प्रबंधक, सलाहकार एवं समन्वयक, स्थापना शाखा के प्रधान लिपिक सहित सिविल सर्जन कार्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। सभी ने नवनियुक्त सिविल सर्जन का आत्मीय स्वागत करते हुए उनके नेतृत्व में जिले की स्वास्थ्य सेवाओं के और अधिक सशक्त, प्रभावी एवं जनहितकारी बनने की आशा व्यक्त की।

ऑपरेशन 'मुस्कान' से 28 लोगों के चेहरों पर लौटी मुस्कान, पाकुड़ पुलिस ने लौटाए गुमशुदा मोबाइल

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़: पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पाकुड़ द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत शनिवार को गुमशुदा और चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे गए। Central Equipment Identity Register (CEIR) Portal की मदद से कुल 28 मोबाइल बरामद कर संबंधित मोबाइल धारकों को वापस किए गए, जिससे लोगों के चेहरों पर खुशी लौट आई। पुलिस के अनुसार 1 अगस्त 2026 को नगर थाना से 2, महेशपुर थाना से 7, लिट्टीपाड़ा थाना से 1, मुफस्सिल थाना से 3, अमड़ापाड़ा थाना से 1, पाकुड़िया थाना से 10, रद्दीपुर ओपी से 2 तथा मालपहाड़ी ओपी से 2 मोबाइल बरामद कर उनके मालिकों को सौंपे गए।पुलिस ने बताया कि CEIR Portal भारत सरकार के दूरसंचार विभाग (DoT) द्वारा विकसित एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसके माध्यम से खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन को ब्लॉक, ट्रैक और अनब्लॉक किया जा सकता है। मोबाइल का IMEI नंबर पोर्टल पर दर्ज कर उसे देशभर के सभी टेलीकॉम नेटवर्क पर ब्लॉक कराया जा सकता है, जिससे उसका दुरुपयोग रोका जा सके। पाकुड़ पुलिस ने कहा कि ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुमशुदा एवं चोरी हुए मोबाइल की बरामदगी का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों को उनके मोबाइल वापस दिलाए जा सकें।

बारियातु के पूर्व मुखिया हितनारायण सिंह जी के ब्रह्म भोज में उमड़ा जनसैलाब, विधायक मीडिया प्रतिनिधि जागेश्वर कुमार ने दी श्रद्धांजलि

केरेडारी/ हजारीबाग: बारियातु निवासी पूर्व मुखिया श्री हितनारायण सिंह जी के ब्रह्म भोज कार्यक्रम में शनिवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग शामिल हुए। इस दौरान सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

श्रद्धांजलि संदेश कार्यक्रम में शामिल विधायक मीडिया प्रतिनिधि सह समाजसेवी जागेश्वर कुमार ने कहाः एक कर्मठ जनसेवक, मिलनसार और क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित व्यक्तित्व को हमने खो दिया है। उनका जाना क्षेत्र के लिए अपूर्णीय क्षति है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करें। विनम्र श्रद्धांजलि।

बड़ी संख्या में लोग रहे उपस्थित : ब्रह्म भोज के अवसर पर पूर्व मुखिया रामेश्वर साव, वार्ड सदस्य अनिल कुमार सिंह, लखन सिंह, जगदेव सिंह, अजय कुमार, शेखर कुमार, पंकज कुमार, कैलाश कुमार, उपेंद्र कुमार, विनोद सिंह, बैजनाथ शर्मा, विकाश सिंह, राहुल कुमार सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे। सभी ने दिवंगत पूर्व मुखिया के सामाजिक कार्यों और क्षेत्र के विकास में दिए गए योगदान को याद किया।

भर्ती परीक्षाओं में कथित भ्रष्टाचार के विरोध में भाजयुमो का जिला समाहरणालय पर एकदिवसीय धरना, सीबीआई जांच की मांग

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पाकुड़ : झारखंड में आयोजित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) पाकुड़ के तत्वावधान में शनिवार को जिला समाहरणालय के समक्ष एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजयुमो के जिलाध्यक्ष दीपक साहा ने किया। धरना में बड़ी संख्या में भाजयुमो एवं भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए भर्ती परीक्षाओं की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। धरना को संबोधित करते हुए भाजयुमो जिलाध्यक्ष दीपक साहा ने आरोप लगाया कि झारखंड मेंजेपीएससी,जेएसएससी,सीजीएल, उत्पाद सिपाही सहित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में लगातार अनियमितताओं की शिकायतें सामने आती रही हैं।उन्होंने कहा कि बार-बार प्रश्नपत्र लीक होने और परीक्षा प्रक्रिया पर सवाल उठने से राज्य के लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है।उन्होंने इन कथित मामलों की सीबीआई से निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की।उन्होंने कहा कि राज्य के युवा वर्षों तक मेहनत कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन कथित पेपर लीक और परीक्षा घोटालों के कारण उनकी मेहनत पर पानी फिर जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इन मामलों में गंभीरता नहीं दिखा रही है, जिससे युवाओं में भारी निराशा और आक्रोश है।

धरना को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दुर्गा मरांडी ने कहा कि कांग्रेस छात्रों के मुद्दे पर दोहरी राजनीति कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक ओर कांग्रेस दिल्ली में छात्रों के समर्थन की बात करती है, वहीं दूसरी ओर उसके समर्थन से चल रही झारखंड सरकार जेपीएससी, जेएसएससी, सीजीएल तथा अन्य भर्ती परीक्षाओं में सामने आए कथित घोटालों पर मौन बनी हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य के युवाओं के हितों की रक्षा के लिए इन मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को दंडित किया जाना चाहिए।धरना के के उपरांत उपायुक्त पाकुड़ के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को संबोधित पत्र कार्यकताओं के द्वारा सौंपा गया। धरना कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री रूपेश भगत, जिला उपाध्यक्ष हिसाबी राय, पूर्व जिलाध्यक्ष अनुग्राहित प्रसाद साह, रतन भगत, पंकज साह, पार्वती देवी, सुशांत घोष, जीतू सिंह, अमित पांडेय, धर्मेंद्र त्रिवेदी, प्राची चौधरी, निधि गुप्ता, बापी रजवाड़, संजय सिंह, दुलाल सिंह, सुबोध घोष, अनिता देवी, राजा मंडल, लिपिका मंडल, कलामी सरदार, सुशीला पहाड़िन, अमर कुमार, चंदन गुप्ता, लाल्टू साहा, सुनील मुर्मू, चंदन मंडल, मिथुन साहा, रोहित सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा एवं भाजयुमो के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फुट ओवरब्रिज पर बाइक दौड़ाना पड़ा महंगा, आरपीएफ ने तीन चालकों पर लगाया जुमार्ना

साहिबगंज ।मालदा मंडल के तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन के पश्चमी छोर पर बने फुट ओवर ब्रीज पर बाइक चलाने वाले चालको के विरुद्ध आरपीएफ टीम ने बीते शुक्रवार की रात्रि जांच अभियान चलाकर तीन बाइक को पकड़ चालको पर प्रति बाइक 500 रुपए जुमार्ना लगाकर छोड़ा। वही आरपीएफ के आशुतोष कुमार पांडेय ने बताया यह पुल वाहन चालकों के लिए नही बल्कि आम लोगों व यात्रियों के पैदल आवागमन के लिए है इसमें वाहन चलाने पर कभी भी कोई बढ़ी घटना घट सकती है और पैदल पुल पर वाहन चलाना अपराध है। पहले भी कई बार वाहन चालकों को कड़ी चेतवानी देकर छोड़ा गया था वही वाहन चलाने पर उनके वाहन को पकड़ आरपीएफ पोस्ट लेजाया गया जहा जुमार्ना लगाते हुए चलान भराकर छोड़ा गया। इस दौरान आरपीएएफ के बीएन टुडू, एमके मौर्य, अजय कुमार, रमेश कुमार, अनिल कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

लंबित वारंटों पर कार्रवाई: साहिबगंज पुलिस ने चार वारंटियों को गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक हिरासत

साहिबगंज ।लंबित वारंटों के निष्पादन के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मुफस्सिल थाना पुलिस ने शनिवार को चार वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थाना प्रभारी अनीस कुमार पांडे ने बताया कि ओसीआर संख्या 31/2001 के स्थायी वारंटी मोहम्मद मुर्शिद उर्फ मोहम्मद नियाज (पिता- स्व. शेख मुस्लिम) को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा जीआर संख्या 169/13 के गैर-जमानती वारंट के वारंटी शेख नसीम (पिता- स्व. मोहम्मद अब्दुल गफ्फार), शेख खुर्शीद (पिता- स्व. शेख हमजा) तथा शेख सोबिन (पिता- स्व. शेख समसुल) को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। सभी आरोपी ग्राम छोटी कोदरजन्ना, थाना मुफस्सिल, जिला साहिबगंज के निवासी हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना प्रभारी ने कहा कि लंबित वारंटों के निष्पादन के लिए विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा। फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए नियमित रूप से छापेमारी और कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कैच द रेन- अभियान के तहत छतरपुर नगर पंचायत ने आयोजित की चित्रकला प्रतियोगिता, 15 अगस्त को विजेताओं को मिलेगा पुरस्कार

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

चित्रों में दिखा जल और पर्यावरण बचाने का संकल्प, सैकड़ों विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

छतरपुर: जल संरक्षण और पर्यावरण के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से छतरपुर नगर पंचायत की ओर से -कैच द रेन- अभियान के तहत छतरपुर के कवलबास बालिका उच्च विद्यालय एवं राजकीयकृत उच्च विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी कल्पनाओं एवं भावनाओं को रंगों और कुच्चीयों के माध्यम से कागज पर उकेरते हुए जल संरक्षण एवं पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण, हरियाली, प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर आकर्षक चित्र बनाए। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर छात्र-छात्राओं में खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर छतरपुर नगर पंचायत के अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता ने कहा कि छतरपुर के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उनकी रचनात्मकता और सोच यह बताती है कि आने वाली पीढ़ी जल एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर काफी सजग है। उन्होंने कहा कि आज बढ़ते पेयजल संकट और पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। यदि हम सभी मिलकर जल की एक-एक बूंद बचाने और प्रकृति की रक्षा का संकल्प लें, तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ धरती सुनिश्चित की जा सकती है। नगर अध्यक्ष ने प्रतियोगिता में शामिल छात्र-छात्राओं का उत्साह बढ़ाते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों की प्रतिभा को मंच मिलने के साथ-साथ उनमें सामाजिक एवं पर्यावरणीय जिम्मेदारी की भावना भी मजबूत होती है। नगर पंचायत के उपाध्यक्ष मंजीत यादव ने भी चित्रकला में शामिल प्रतिभागियों को शुभकामना दे कर उनका उत्साह बढ़ाया। इस मौके पर कनीय अभियंता पंकज कुमार गुप्ता एवं अभिषेक कुमार, विधि सहायक अभिषेक कुमार, कमलबास बालिका उच्च विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मधुमाला सिंह, शिक्षक सुमन कुमार एवं संजय सिंह, राजकीयकृत उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक उदयदत्त मिश्रा, शिक्षक भोला कुमार, शशिकांत कुमार, जयप्रकाश गुप्ता सहित कई शिक्षक एवं नगर पंचायत कर्मी मौके पर मौजूद रहे। कार्यक्रम के समन्वयक सदस्य जुई पंकज कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में चयनित उत्कृष्ट प्रतिभागियों को आगामी 15 अगस्त को छतरपुर नगर पंचायत कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। -कैच द रेन- के तहत आयोजित इस पहल ने विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ ह्रजल बचाएं, प्रकृति बचाएं और भविष्य बचाएं ह्न का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम प्रदान किया।

उपायुक्त व एसएसपी ने 40 नए महिन्द्रा बोलेरो वाहन को किया फ्लैग ऑफ

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

सिंदरी/ धनबाद।उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक श्री प्रभात कुमार ने शनिवार को पुलिस केंद्र में आयोजित समारोह में पुलिस मुख्यालय, झारखंड से धनबाद पुलिस को आवंटित 40 नई महिंद्रा बोलेरो वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वाहनों को रवाना करने से पूर्व उपायुक्त एवं एसएसपी ने उसकी विधिवत पूजा की। इस अवसर पर उपायुक्त ने मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन को धन्यवाद देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की पहल पर धनबाद पुलिस को अतिरिक्त वाहन मिले हैं। वाहनों के मिल जाने से अब पुलिस त्वरित रेस्पॉन्ड कर पाएगी। अब सभी थानों में मूवमेंट के लिए पर्याप्त मात्र में वाहन उपलब्ध है। शीघ्र कंट्रोल रूम को भी अतिरिक्त वाहन मुहैया कराए जाएंगे। इस मौके पर वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन की पहल पर झारखंड सरकार ने डायल 112 में रेस्पोंसे टाइम सुधारने, आमजनों की सुरक्षा, लॉ एंड ऑर्डर में बेहतरीन काम करने के लिए तथा पुलिस को और उत्कृष्ट बनाने की दिशा में 40 महिंद्रा बोलेरो फिर से आवंटित किए हैं। सभी वाहनों को वीभिन्न थाना में आज भेजा गया है। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी 40 महिन्द्रा बोलेरो धनबाद पुलिस को मिल चुके हैं। इसके अलावा प्रथम चरण में 115 बाइक मिले हैं। पुनः लगभग 45 से 50 बाइक्स और आने वाले हैं। इसका उद्देश्य पुलिस को सुदृढ़ करना है। वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आमजनों की सेवा ही झारखंड पुलिस का लक्ष्य है। बताया कि अब धनबाद पुलिस को 80 महिन्द्रा बोलेरो मिल चुकी है। इससे पहले सीएसआर से 30 बाइक मुहैया करवाई गई थी। एक सप्ताह में लगभग 50 नई बाइक मिलने वाली है। फ्लैग ऑफ के बाद सभी वाहन अपने निर्धारित थाना की ओर रवाना हुए। मौके पर सिटी एसपी श्री ऋत्विक श्रीवास्तव, ग्रामीण एसपी श्री एस. मोहम्मद याकूब के अलावा सभी डीएसपी व अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

पाकुड़ पुलिस का ऑपरेशन जीवन अभियान तेज, स्कूलों में नशामुक्ति जागरूकता के साथ बनेगी मॉनिटरिंग टीम

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़: जिले में नशे और अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने के लिए पाकुड़ पुलिस का-ऑपरेशन जीवन-अभियान लगातार गति पकड़ रहा है। हाल ही में पुलिस द्वारा विभिन्न स्कूलों में चलाए गए नशामुक्ति जागरूकता अभियान के बाद अब अवैध नशीले पदार्थों के कारोबार पर कड़ी निगरानी रखने के लिए विशेष मॉनिटरिंग टीम का भी गठन किया गया है।पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मुफस्सिल, लिट्टीपाड़ा और मालपहाड़ी ओपी क्षेत्र के केकेडीएम उच्च विद्यालय, ईश्वरचंद उच्च विद्यालय, सरस्वती शिशु विद्यालय तथा नगरानी उच्च विद्यालय सहित कई शिक्षण संस्थानों में पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी। अधिकारियों ने छात्रों से न केवल स्वयं नशे से दूर रहने, बल्कि अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की। इस दौरान छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प भी लिया।अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए मुफस्सिल पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में एक विशेष मॉनिटरिंग टीम गठित की गई है। यह टीम मादक पदार्थों से जुड़े मामलों की नियमित निगरानी करेगी और संलिप्त लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। साथ ही सीमावर्ती जिलों के पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए संयुक्त कार्रवाई की जाएगी।पुलिस ने स्पष्ट किया है कि किसी भी थाना क्षेत्र में अवैध ड्रग्स या नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री की सूचना मिलने पर तत्काल छापेमारी की जाएगी। यदि किसी पुलिसकर्मी की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ भी सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी।पाकुड़ पुलिस ने आम लोगों से इस अभियान में सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार की सूचना हेल्पलाइनः 06435-222269 एवं 9262998612 पर दी जा सकती है। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।पुलिस का कहना है कि-ऑपरेशन जीवन-के तहत आगे भी जागरूकता अभियान, लगातार छापेमारी और-जीरो टॉलरेंस-की नीति के साथ कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि पाकुड़ को नशामुक्त और सुरक्षित जिला बनाया जा सके।

डॉ. तनवीर आलम ने शिव शीतला मंदिर श्राद्ध घाट एवं पहुँच मार्ग निर्माण को दी स्वीकृति, जिला महासचिव मोनिता कुमारी की पहल लाई रंग

पाकुड़: पाकुड़ नगर के शिव शीतला मंदिर स्थित श्राद्ध घाट एवं श्राद्ध स्थल तक अलग पहुँच मार्ग (सड़क) निर्माण की वर्षों पुरानी मांग को लेकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की जिला महासचिव मोनिता कुमारी ने डॉ. तनवीर आलम से मुलाकात कर आवेदन सौंपा।आवेदन में बताया गया कि वर्तमान में श्राद्ध स्थल तक पहुँचने के लिए लोगों को मंदिर परिसर से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे श्रद्धालुओं को असुविधा होती है तथा धार्मिक दृष्टि से भी यह व्यवस्था उपयुक्त नहीं मानी जाती। इसलिए शिव शीतला मंदिर के बगल से लगभग 500 फीट लंबी एवं 3 फीट चौड़ी अलग पहुँच सड़क तथा श्राद्ध घाट के निर्माण की मांग की गई।डॉ. तनवीर आलम ने इस जनहित एवं धार्मिक महत्व के विषय को गंभीरता से लेते हुए सड़क निर्माण के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। इस निर्णय से क्षेत्र के श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों में खुशी का माहौल है।जिला महासचिव मोनिता कुमारी ने कहा कि शिव शीतला मंदिर से जुड़े इस महत्वपूर्ण कार्य के पूरा होने से श्रद्धालुओं को श्राद्ध घाट तक सीधे पहुँचने की सुविधा मिलेगी, मंदिर की पवित्रता बनी रहेगी तथा वर्षों से चली आ रही एक महत्वपूर्ण समस्या का समाधान होगा।पाकुड़ नगर के लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे जनभावनाओं से जुड़ा महत्वपूर्ण निर्णय बताया और आशा व्यक्त की कि निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा, जिससे आने वाले समय में हजारों श्रद्धालुओं को इसका लाभ मिलेगा।

37वीं बार रेयर बी-नेगेटिव रक्तदान कर नुरुज जमान ने बचाई महिला की जान, पेश की मानवता की मिसाल

पाकुड़: जिले में रक्तदान के क्षेत्र में लगातार सक्रिय भूमिका निभा रही सामाजिक संस्था इंसानियत फाउंडेशन के सलाहकार एवं ईशाकपुर निवासी नुरुज जमान ने एक बार फिर मानवता की अनूठी मिसाल पेश की है। उन्होंने अपना रेयर बी-नेगेटिव (B Negative) रक्त 37वीं बार दान कर एक जरूरतमंद मरीज की जान बचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जानकारी के अनुसार, रनडंगा निवासी 30 वर्षीय मशरूरा बीबी सदर अस्पताल सोनाजोड़ी में इलाजरत हैं। चिकित्सकों ने उनके उपचार के लिए तत्काल बी-नेगेटिव रक्त की आवश्यकता बताई। सूचना मिलते ही नुरुज जमान बिना देर किए पाकुड़ ब्लड बैंक पहुंचे और स्वेच्छा से रक्तदान कर मरीज के उपचार में सहयोग किया। नुरुज जमान ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा मानव सेवा का कार्य है। एक यूनिट रक्त किसी गंभीर मरीज के लिए जीवनदान साबित हो सकता है। उन्होंने लोगों से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि इससे अस्पतालों में रक्त की उपलब्धता बनी रहती है और जरूरतमंदों की समय पर मदद हो पाती है।रक्तदान के कई लाभ भी हैं। इससे किसी की जान बचाई जा सकती है, शरीर नई रक्त कोशिकाओं का निर्माण करता है, रक्तदान से पहले स्वास्थ्य की आवश्यक जांच होती है तथा समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का आत्मसंतोष भी मिलता है।इस अवसर पर इंसानियत फाउंडेशन के सचिव बानिज शेख, कर्मचारी नवीन एवं पियूष दास सहित अन्य लोग मौजूद रहे। संस्था के सदस्यों ने नुरुज जमान के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

दिल्ली में गूंजी बड़कागांव-केरेडारी के विस्थापितों की आवाज, विधायक रोशन लाल चौधरी ने केंद्रीय मंत्री को सौंपा 12 सूत्री ज्ञापन

जागेश्वर कुमार, झारखंड उजाला हजारीबाग ब्यूरो

नई दिल्ली/बड़कागांव: बड़कागांव एवं केरेडारी के विस्थापितों के न्याय, अधिकार एवं सम्मान के लिए विधायक श्री रोशन लाल चौधरी लगातार प्रयासरत हैं। आज नई दिल्ली में उन्होंने केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री किशन रेड्डी गंगापुरम से गिरिडीह सांसद श्री चंद्र प्रकाश चौधरी की उपस्थिति में औपचारिक मुलाकात कर एनटीपीसी की कोयला खन परियोजनाओं से प्रभावित हजारों परिवारों का 12 सूत्री विस्तृत ज्ञापन सौंपा।

देश की ऊर्जा के लिए त्याग, आज भी अधिकारों की प्रतीक्षा

विधायक ने कहा कि बड़कागांव-केरेडारी के लोगों ने देश की ऊर्जा सुरक्षा और औद्योगिक विकास के लिए जल, जंगल, जमीन और आजीविका तक का त्याग किया है, लेकिन आज भी वे सम्मानजनक पुनर्वास, न्यायसंगत मुआवजा, रोजगार और मूलभूत अधिकारों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

मंत्री के समक्ष रखीं ये 12 प्रमुख मांगें:

विशेष Tribunal का गठन: विस्थापितों के अधिकारों एवं लंबित मामलों के त्वरित समाधान के लिए विशेष अभिकरण बने।

त्रि-पक्षीय उच्चस्तरीय बैठक: कोयला मंत्रालय, NTPC, MDO, सांसद, विधायक विस्थापित प्रतिनिधियों की बैठक शीघ्र हो।

नया सर्वेक्षण: 2016 व 2022 की कट-ऑफ तिथि निरस्त कर नया सर्वेक्षण, सभी ढअत्र परिवारों को कार्ड।

4 गुना मुआवजा व पुनवार्स: कब्जेदारों को ज्ञापांक 334/2009 के तहत 4 गुना मुआवजा व सम्मानजनक पुनर्वास।

रोजगार व परिवहन में प्राथमिकता: 18+ युवाओं को रोजगार, कोयला परिवहन में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता।

प्रदूषण भत्ता व वैकल्पिक मार्ग: प्रदूषण के लिए 4 गुना भत्ता, सड़क परिवहन बंद कर वैकल्पिक मार्ग।

सार्वजनिक संस्थान पुनर्निर्माण: 24 स्कूल, 19 आंगनबाड़ी, 3 पंचायत भवन, 32 मंदिर, 6 मस्जिद, 19 कब्रिस्तान, 15 श्मशान आदि का पुनर्निर्माण।

आधुनिक विस्थापित टाउनशिप: मूलभूत सुविधाओं से युक्त पुनर्वास टाउनशिप का निर्माण।

विस्थापित लाडली योजना: बेटियों के विवाह हेतु ?2 लाख की विशेष योजना।

शिक्षा व स्वास्थ्य: 100 बेड का मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल, हर 15 किमी पर ITI, CBSE आवासीय स्कूल, IIT/MBBS का खर्च NTPC वहन करे।

स्थानीय वेंडर को अवसर: 2 करोड़ तक के कार्यों में विस्थापित वेंडरों को प्राथमिकता।

आंदोलन के मुकदमे वापस: शांतिपूर्ण आंदोलनों के सामान्य मुकदमे वापस हों।

मंत्री ने दिया आश्वासन

केंद्रीय मंत्री ने सभी मांगों को गंभीरता से सुनते हुए सकारात्मक एवं त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि विस्थापितों के हितों पर संवेदनशीलता से विचार कर आवश्यक पहल की जाएगी।

विधायक का संकल्प

विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा - विकास का अर्थ सिर्फ कोयला उत्पादन नहीं, बल्कि उन परिवारों के जीवन में सम्मान और खुशहाली लाना है जिन्होंने राष्ट्र को ऊर्जा दी है। पीएम मोदी के ह्यविकसित भारत @2047 के संकल्प के अनुरूप विस्थापितों को न्याय और अधिकार अवश्य मिलेंगे। आपकी आवाज दिल्ली तक पहुंच चुकी है, इस लड़ाई में मैं आपके साथ था, हूं और रहूंगा।

नशा के खिलाफ एक जंग 'ऑपरेशन जीवन' का असर: पाकुड़ पुलिस ने साढ़े तीन माह में 8 केस दर्ज कर 10 तस्करों को भेजा जेल

पाकुड़: युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने और जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर रोक लगाने के उद्देश्य से पाकुड़ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन (Operation JIVAN) के तहत लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह के नेतृत्व में 19 अप्रैल 2026 से 31 जुलाई 2026 तक जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर नशा तस्करों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की गई।इस अवधि में पुलिस ने कुल 8 एनडीपीएस मामले दर्ज किए। कार्रवाई के दौरान 53.30 ग्राम ब्राउन शुगर और 2.246 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। वहीं, नशे के कारोबार में संलिप्त 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।पुलिस के अनुसार, ऑपरेशन जीवन केवल तस्करों के खिलाफ कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के लिए भी विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और पंचायत स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही संवेदनशील इलाकों और सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार गश्त बढ़ाई गई है तथा मीडिया सेल के माध्यम से भी नशा तस्करी पर नजर रखी जा रही है।अभियान के दौरान नगर थाना, मुफस्सिल थाना और हिरणपुर थाना क्षेत्रों में ब्राउन शुगर एवं गांजा तस्करी से जुड़े मामलों का खुलासा करते हुए कई आरोपियों की गिरफ्तारी की गई। पुलिस का कहना है कि जिले को नशामुक्त बनाने के लिए आगे भी इस तरह का अभियान पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा।

एनबीडब्ल्यू वारंटी आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

पाकुड़: जिले में फरार वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मालपहाड़ी ओपी पुलिस को एक और सफलता मिली है। शनिवार को पुलिस ने माननीय न्यायालय से जारी गैर जमानती वारंट के आधार पर एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मालपहाड़ी थाना प्रभारी ने बताया कि जीआर संख्या 251/23 में वांछित आरोपी छोटो हांसदा, पिता गोपीन हांसदा, निवासी ग्राम पाईकपाड़ा, थाना मालपहाड़ी ओपी, जिला पाकुड़ के विरुद्ध माननीय न्यायालय से गैर जमानती वारंट जारी था। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को उसके गांव से विधिवत गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तारी के बाद आरोपी को थाना लाकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। इसके उपरांत उसे माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां न्यायालय के आदेशानुसार उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।थाना प्रभारी ने बताया कि न्यायालय से जारी लंबित वारंटों के निष्पादन तथा फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि कानून से बचने की कोशिश करने वाले आरोपियों के विरुद्ध आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

राजमहल से हजारों कार्यकर्ता गुरु जी के प्रतिमा अनावरण में शामिल होंगे- मो मारूफ.

राजमहल/साहिबगंज ।राजमहल प्रखंड मुख्यालय में झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड स्तरीय कमेटी की बैठक प्रखंड अध्यक्ष अनिसुर रहमान की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मुख्य रूप से पार्टी के जिला युवा सचिव सह विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डू शामिल हुए। बैठक में संगठन के मजबूती के साथ-साथ आगामी 4 अगस्त को साहिबगंज में आयोजित होने वाले ढिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम के सफल आयोजन की रणनीति बनाई गई। युवा जिला सचिव सह विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डू ने कहा कि जिला स्तरीय बैठक में केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा का सफल मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है जिसमें कार्यकताओं को पंचायत स्तर एवं प्रखंड स्तर से कार्यक्रम स्थल तक लाने एवं कार्यक्रम को सफल बनाने की दिशा निर्देश प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि उधवा से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता एकजुट होकर राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा के नेतृत्व में कार्यक्रम में भाग लेंगे. आज झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ता मान सम्मान के साथ समाज में स्थापित है यह गुरु जी की देन है। प्रथम पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए एवं प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए हम सभी को एकत्रित होना है।मौके पर प्रखंड सचिव दुर्गा मंडल, नगर अध्यक्ष मो आजाद, मुर्शीद राजा, छठठू प्रसाद, मो अमीन, स्मित चौरसिया, राजीव बर्मन सहित अन्य मौजूद थे।

उपायुक्त समेत जिला के आईएएस अधिकारियों ने सैकड़ों युवाओं को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के दिए मूलमंत्र,अभ्यर्थियों को मिला मार्गदर्शन

हजारीबाग: जिला पुस्तकालय, हजारीबाग में शनिवार को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं एवं युवाओं के लिए एक प्रेरक व्याख्यान (Motivational Talk) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त श्री हेमन्त सती, उप विकास आयुक्त श्रीमती रिया सिंह, भारतीय वन के अधिकारी श्री मौन प्रकाश,भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की अधिकारी सुश्री पूर्वा अग्रवाल ने "How to Crack Competitive Exams" विषय पर विस्तृत मार्गदर्शन देते हुए सैकड़ों अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए आवश्यक रणनीतियों से अवगत कराया। उपायुक्त श्री हेमन्त सती ने बच्चों से संवाद करते हुए कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता केवल अधिक समय तक पढ़ने से नहीं, बल्कि सही दिशा, नियमित अभ्यास, अनुशासन और निरंतर आत्ममूल्यांकन से प्राप्त होती है। उन्होंने अभ्यर्थियों को पाठ्यक्रम की गहन समझ विकसित करने, अवधारणाओं (Concepts) को मजबूत करने तथा सीमित एवं प्रमाणिक अध्ययन सामग्री का व्यवस्थित उपयोग करने की सलाह दी उन्होंने कहा कोई भी प्रतियोगिता परीक्षा कठिन नहीं होती बस निरंतर ईमानदार प्रयास अनिवार्य होता है। मौके पर मौजूद उपस्थित उप विकास आयुक्त ने भी बच्चों से संवाद स्थापित करते हुए विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी के दौरान समय प्रबंधन, उत्तर लेखन, प्रश्नों को सही ढंग से समझने, तार्किक एवं संतुलित उत्तर प्रस्तुत करने, नियमित मॉक टेस्ट देने तथा पूर्व वर्षों के प्रश्नपत्रों का विश्लेषण करने के महत्व पर विशेष बल दिया। उन्होंने बताया कि प्रत्येक प्रश्न को ध्यानपूर्वक पढ़ना, उसकी मांग को समझना तथा निर्धारित समय के भीतर सटीक एवं स्पष्ट उत्तर लिखने का अभ्यास सफलता की संभावना को बढ़ाता है।सुश्री पूर्वा अग्रवाल ने अभ्यर्थियों से कहा कि तैयारी के दौरान असफलताओं से निराश होने के बजाय उन्हें सीखने का अवसर मानना चाहिए। उन्होंने सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास, धैर्य और निरंतरता को सफलता की सबसे बड़ी कुंजी बताते हुए युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के दौरान आयोजित संवादात्मक सत्र में अभ्यर्थियों ने तैयारी की रणनीति, वैकल्पिक विषयों के चयन, अध्ययन की योजना, उत्तर लेखन, साक्षात्कार तथा परीक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका सुश्री पूर्वा अग्रवाल ने अपने अनुभवों के आधार पर विस्तारपूर्वक उत्तर दिया। उनके व्यावहारिक सुझावों और प्रेरक अनुभवों से उपस्थित छात्र-छात्राओं ने महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राएं एवं युवा उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने आईएएस अधिकारियों से इस प्रकार के प्रेरक एवं मार्गदर्शनपरक कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी बताते हुए जिला प्रशासन एवं जिला पुस्तकालय की पहल की सराहना की। जिला प्रशासन ने कहा कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। गौरतलब है कि 15 अगस्त 2026 को जिला पुस्तकालय पूर्ण रूप से विद्यार्थियों एवं युवाओं के लिए सुलभ हो सकेगा। युवाओं के लिए उच्च स्तरीय भवन,बैठने की व्यवस्था, पेयजल एवं वाई-फाई की व्यवस्था की जा रही है।

मध्य पूर्व में उथल-पुथल से भारत-खाड़ी संबंधों के लिए चुनौतियां

सुमित कुमार सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

जीसीसी देशों में बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी रहते हैं, जो हर साल अरबों डॉलर भारत भेजते हैं। इससे भारत की अर्थव्यवस्था को काफी मजबूती मिलती है। साथ ही, खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी भारत के साथ व्यापार पर काफी हद तक निर्भर हैं। यह जीसीसी और भारत की संयुक्त कोशिश है, जिससे इस क्षेत्र की तरक्की और खुशहाली में मदद मिलेगी। गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) एक समूह के तौर पर, विकासशील भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जीसीसी के सदस्य देशों के भारत के साथ सांस्कृतिक, आर्थिक और सभ्यतागत संबंध बहुत पुराने हैं। हाल के वर्षों में, यह संबंध पारंपरिक खरीदार-विक्रेता रिश्ते से आगे बढ़कर एक रणनीतिक गठबंधन में बदल गया है, जिसमें ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, रक्षा सहयोग और वहां रहने वाले भारतीयों का कल्याण शामिल है। इस क्षेत्र में मौजूद तेल और गैस के बड़े भंडार भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद अहम हैं। भौगोलिकसंदर्भ

जीसीसी देशों में बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी रहते हैं, जो हर साल अरबों डॉलर भारत भेजते हैं। इससे भारत की अर्थव्यवस्था को काफी मजबूती मिलती है। साथ ही, खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी भारत के साथ व्यापार पर काफी हद तक निर्भर हैं। यह जीसीसी और भारत की संयुक्त कोशिश है, जिससे इस क्षेत्र की तरक्की और खुशहाली में मदद मिलेगी। कई संयुक्त परियोजनाओं के माध्यम से इसमें वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिरता और समृद्धि को बढ़ाने की क्षमता है। आपसी संबंधों को गहरा करने के लिए व्यापार, निवेश, बुनियादी ढांचे और लोगों के बीच आपसी संपर्क में सहयोग बढ़ाना कारगर साबित हुआ है। प्रवासी और रेमिटेंस (विदेश से भेजा गया पैसा): दक्षिण एशियाई व्यापार और व्यापक आर्थिक स्थिरता को प्रवासी कामगारों से काफी समर्थन मिलता है। जीसीसी देशों में लगभग 1 करोड़ (10 मिलियन) भारतीय रहते हैं। जीसीसी देशों ने इस क्षेत्र के विकास में भारतीय समुदाय की भूमिका को माना है। यह पश्चिमी एशिया (मुख्य रूप से जीसीसी) और दक्षिण एशिया के बीच व्यापार और रेमिटेंस की स्थिति है, जो हाल के आंकड़ों पर आधारित है। वित्त वर्ष 2024-25 में, भारत को दुनिया भर से रिकॉर्ड

135.46 अरब डॉलर का रेमिटेंस मिला। विश्व बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत को सबसे ज्यादा रेमिटेंस मिला है। 2024 में मेक्सिको दूसरे स्थान पर रहा, जहां 68 अरब डॉलर आने का अनुमान है। तीसरे स्थान पर चीन रहा, जहां अनुमानित 48 अरब डॉलर आए।

भारत को मिलने वाले कुल रेमिटेंस में जीसीसी देशों की हिस्सेदारी लगभग 38% है, जो इस क्षेत्र में बड़ी आर्थिक आमद का जरिया है। भारत में रेमिटेंस पर निर्भरता कुछ खास इलाकों तक सीमित है; अकेले यूएई से भारत को कुल रेमिटेंस का लगभग 19.2% हिस्सा मिलता है। इसके बाद सऊदी अरब का स्थान है, जहां से 6.7% रेमिटेंस आता है। भारत में आने वाले कुल रेमिटेंस (हर साल लगभग $27-28 बिलियन) में महाराष्ट्र का हिस्सा करीब 20.5% है, और केरल का हिस्सा करीब 19.7% (लगभग $26-27 बिलियन) है। इसलिए, खाड़ी देशों (गल्फ) में मंदी का इन दोनों राज्यों पर बहुत ज्यादा असर पड़ता है। जीसीसी की कुल आबादी 6.15 करोड़ (61.5 मिलियन) है और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) $2.3 ट्रिलियन है। कुल द्विपक्षीय व्यापार (वित्त वर्ष 2024-25) $178.56 बिलियन का है। सितंबर 2025 तक भारत में जीसीसी का कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) $31.14 बिलियन से ज्यादा हो गया है। भारत इंजीनियरिंग का सामान, चावल, कपड़ा, मशीनरी, रत्न और आभूषण एक्सपोर्ट करता है; और कच्चा तेल, द्रवरूप प्राकृतिक गैस (एलएनजी) , पेट्रोकेमिकल्स और सोना जैसी कीमती धातुएं इंपोर्ट करता है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत-खाड़ी व्यापार रिकॉर्ड $178.56 बिलियन तक पहुँच गया, जो भारत के कुल ग्लोबल व्यापार का 15.42% है। इसमें $56.87 बिलियन का एक्सपोर्ट और $121.68 बिलियन का इंपोर्ट शामिल है – जिससे जीसीसी भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर ब्लॉक बन गया है, जो भारत के ग्लोबल व्यापार का 15.42% है। पाँच साल का ट्रेंड: द्विपक्षीय व्यापार सालाना औसतन 15.3% की दर से बढ़ा है। भारत और जीसीसी ने फरवरी 2026 में औपचारिक रूप से मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) बातचीत शुरू की। इंडस्ट्री के अनुमान के मुताबिक, 2030 तक इस कॉरिडोर में कुल व्यापार $250 बिलियन से ज्यादा हो सकता है।

यूएई के साथ व्यापार $100 बिलियन से ज्यादा (सीईपीए) के तहत वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग $101.25 बिलियन) रहा, जिसमें भारत का व्यापार घाटा $26.53 बिलियन था; भारत ने $37.36 बिलियन का एक्सपोर्ट किया और $63.89 बिलियन का इंपोर्ट किया। सऊदी अरब, कतर, ओमान, कुवैत और बहरीन के साथ व्यापार क्रमशः $41.87 बिलियन (भारत का दूसरा सबसे बड़ा जीसीसी पार्टनर), $14.14 बिलियन, $10.61 बिलियन, $1.64 बिलियन का रहा। भू-राजनीतिक चुनौतियों से निपटना अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीति में तेजी से हो रहे बदलावों के कारण भारत-जीसीसी सहयोग के सामने चुनौतियां हैं। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते अंतरराष्ट्रीय तनाव और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच, सबसे बड़ी चुनौती जीसीसी देशों और भारत के लिए संतुलन बनाए रखने की है। पारंपरिक रूप से, भारत और खाड़ी देशों के बीच हाइड्रोकार्बन को लेकर आर्थिक निर्भरता रही है, लेकिन अब रिन्यूएबल एनर्जी (नवीकरणीय ऊर्जा) की ओर वैश्विक झुकाव के कारण यह संबंध खतरे में है। भारत एक मुश्किल कूटनीतिक स्थिति में है, जहाँ उसे ईरान, इजराइल और सऊदी अरब जैसे क्षेत्रीय दुश्मनों के साथ अपने संबंधों को संतुलित करना पड़ रहा है, खासकर तब जब खाड़ी देश पारंपरिक पश्चिमी सहयोगियों से आगे बढ़कर उभरते एशियाई देशों के साथ नए रणनीतिक गठबंधन बना रहे हैं। इस क्षेत्र का सुरक्षा ढांचा भी बदल रहा है। इन भू-राजनीतिक बाधाओं के बावजूद, भारत-जीसीसी सहयोग को नया रूप देने और उसे बेहतर बनाने के लिए कई रणनीतिक कदम उठाए जा सकते हैं। आर्थिक एकीकरण को बढ़ाने और व्यापारिक जोखिमों को कम करने की दिशा में पहला कदम भारत-जीसीसी एफटीए को जल्द से जल्द पूरा करना है। दूसरा कदम यह है कि सहयोग केवल ऊर्जा तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए...इसमें रिन्यूएबल एनर्जी, रिन्यूएबल हाइड्रोजन, खाद्य सुरक्षा, अहम टेक्नोलॉजी और मिलिट्री मैन्युफैक्चरिंग जैसे भविष्य से जुड़े क्षेत्रों को शामिल किया जाना चाहिए। कई बुनियादी रणनीतियां द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत कर सकती हैं और उन्हें भू-राजनीतिक तनावों से बचा सकती हैं: द्विपक्षीय जुड़ाव के ढांचे को क्षेत्रीय से वैश्विक स्तर पर ले जाना: मध्य पूर्व की क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्थाओं की नाजुकता और बहु-ध्रुवीय प्रकृति के कारण, भारत एक व्यापक क्षेत्रीय नीति से हटकर अधिक लक्षित द्विपक्षीय जुड़ाव के दृष्टिकोण की ओर बढ़ रहा है।

आज का राशिफल

स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी, जिससे मन में उत्साह रहेगा, लेकिन कार्यक्षेत्र में थोड़ा सरल व समझौतावादी बने रहने का प्रयास करें। सोच समझकर कोई निर्णय लें, तो ही बेहतर होगा। जल्दबाजी में उठाए गए कदम नुकसान पहुंचा सकते हैं। कोई भी नया काम शुरू न करें। परिवार के साथ धर्म ध्यान में समय बिताएं। मित्रों से मुलाकात अच्छी रहेगी।

वृषभ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम के बावजूद सफलता कम मिलेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। पारिवारिक समस्याएं परेशान करेंगी। ऐसी स्थिति में पूर्ण विवेक से काम लेना होगा। परिजनों का पूरा सहयोग मिलेगा, लेकिन किसी बात को लेकर बहस होने के आसार रहेंगे, जिससे मानकि परेशानी बढ़ेगी। सेहत अच्छी रहेगी।

मिथुन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ के योग रहेंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य की सार्थकता के लिए प्रयत्नशील होगा। कठिन परिश्म से रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में सफल रहेंगे। कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। पुराना अटका धन भी मिल सकता है। परिवार के साथ समय बिताएं, मानसिक सुख और शांति मिलेगी। खान-पान का ध्यान रखना होगा।

कर्क राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में अड़चनें आएंगी और कार्यों में सफलता कम मिलेगी। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन चिंतित होगा। भविष्य के प्रति नकारात्मक विचार उत्साह में कमी ला सकते हैं। कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं या निवेश की योजना बना रहे हैं, तो उसे टालें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। धर्म ध्यान और परिवार के साथ समय बिताएं, सेहत का ख्याल रखें।

सिंह राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। किसी कार्य को सिद्ध करने के लिए आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। कारोबार में आर्थिक लाभ तो रहेगा, लेकिन अनावश्यक खर्च अधिक होने से आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। मन में किसी प्रकार की शंका न पालें, गलतियों को स्वीकार कर सगे-संबंधियों के बीच अपने रिश्तों को सुधारें। किसी पुराने मित्र या रिश्तेदार से मुलाकात होने पर खुशी मिलेगी।

कन्या राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार सामान्य रहेगा। अनावश्यक खर्च बढने. से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। नकारात्मक विचारों को त्याग अपनी क्षमताओं का पूरा उपयोग करें। भविष्य को लेकर योजनाएं बना सकते हैं। नये काम की शुरूआत कर रहे हैं, तो दूसरी को सलाह न लें। अपनों से धोखा मिल सकता है। रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

तुला राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ मिलने के योग रहेंगे। परिश्रम से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी और सृजनात्मक विचारों का भरपूर लाभ उठाएंगे। स्वाभिमानी स्वभाव लोकप्रियता दिलाने में सहायक होगा। बेरोजगार को रोजगार के अवसर और नौकरी में तरक्की मिलने के आसार रहेंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। सेहत का ख्याल रखें।

वृश्चिक राशि :- आज का दिन शुभ रहेगा। कारोबार विस्तार की योजना बना सकते हैं। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम से अपने काम को नई पहचान दिलाएंगे। व्यवसाय में नये निवेश का अवसर मिलेगा। करीबियों से पुराने गिले-शिकवे दूर होंगे। पुरानी बातें भूलकर वर्तमान के साथ समझौता करें, छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार में तनाव की स्थिति पैदा न होने दें। परिवार के साथ समय बिताएंगे। सेहत का ख्याल रखें।

धनु राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आकस्मिक लाभ और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। हालांकि, कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिस्थितियों के हिसाब से अपने आप को ढालने की कोशिश करें। परिवार के साथ समय बिताएंगे तो संबंध भी मधुर होंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। यात्रा को टालें। सेहत अच्छी रहेगी।

मकर राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ नई योजनाओं को सार्थक करेंगे। व्यक्तिगत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकते हैं। कोर्ट में कोई पुराना लंबित मामला चल रहा है तो वह सुलझ सकता है। अनावश्यक खर्चे पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार में कलह हो सकती है। खान-पान का ध्यान रखें और क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में कोई अच्छी खबर मिल सकती है। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलने के आसार हैं। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा रहेगा और उन्हें परिश्रम के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। कारोबार मध्यम रहेगा। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और घर में माहौल अच्छा रहेगा। सेहत को लेकर सतर्क रहें।

मीन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपनी बुद्धिमत्ता से समस्याओं का समाधान करने में सक्षम होंगे और उत्साह पूर्वक नई योजनाओं को क्रियान्वित कर सकेंगे। रोजगार और व्यवसाय के क्षेत्र में लाभ मिलेगा। कारोबार में नए निवेश के अवसर खुलेंगे। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

लोक के प्रति कब जवाबदेह बनेगी नौकरशाही

देश को अपने लोकतंत्र पर गर्व है, लेकिन इस व्यवस्था में राजनीतिक तंत्र के साथ ही प्रशासनिक और पुलिस अफसर लगातार मजबूत हुए हैं। अंग्रेज सरकार ने इंडियन सिविल सेवा यानी आईसीएस का गठन अपने राजकाज को मजबूत करने के लिए किया था। इसलिए शुरूआती दौर में इसमें गोरे लोगों को ही तवज्जो मिली। सरदार पटेल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा को ह्यस्टील फ्रेमह्व बताया था। संविधान सभा में प्रशासनिक सेवा पर बहस के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए मजबूत और तटस्थ नौकरशाही पर जोर दिया था। हालांकि अंग्रेजों के नौकरशाह रह चुके एचवी कामथ को चिंता थी कि वैधानिक सुरक्षा नौकरशाही को गैरजवाबदेह और असल ह्यशासकह्व बना सकती है। एक अप्रैल को चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल के मालदा की घटना में नौकरशाही ने जैसा रूख अख्तियार किया है, उसे देख लगता है कि पटेल के भरोसे की तुलना में एचवी कामथ की चिंता समय की शिला पर सटीक साबित हुई है। मालदा में पूरे नौ घंटे तक सात न्यायिक अधिकारियों को सियासी कार्यकर्ता के मुखौटे वाले अपराधियों ने बंधक बनाए रखा। उस दौरान कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भी मुख्य सचिव से संपर्क करने में नाकाम रहे। दिलचस्प यह है कि जब सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य सचिव से जवाब-तलब किया तो उन्होंने माफी मांग कर काम चला लिया। उम्मीद थी कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में शीर्ष अधिकारियों को सबक सिखाने से पीछे नहीं रहेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वह माफी से ही संतुष्ट हो गया।

देश को अपने लोकतंत्र पर गर्व है, लेकिन इस व्यवस्था में राजनीतिक तंत्र के साथ ही प्रशासनिक और पुलिस अफसर लगातार मजबूत हुए हैं। अंग्रेज सरकार ने इंडियन सिविल सेवा यानी आईसीएस का गठन अपने राजकाज को मजबूत करने के लिए किया था। इसलिए शुरूआती दौर में इसमें गोरे लोगों को ही तवज्जो मिली। अंग्रेज सरकार भारतीयों को गुलाम मानती थी, लिहाजा उसके अफसर भी भारतीयों से उसी अंदाज में पेश आते थे। आजादी के बाद नौकरशाही के इस चरित्र को बदलने की कोशिश के तहत तटस्थ ब्यूरोक्रेसी के रूप में आईएएस कैडर बनाया गया। गांधी मानते थे कि आधुनिक राज व्यवस्था और नौकरशाही में हिंसा का वर्चस्व है। गांधी जी 'ट्रस्टीशिप' के सिद्धांत के अनुसार प्रशासनिक या आर्थिक रूप से ताकतवर लोगों से उम्मीद करते थे कि वे संसाधनों के स्वामी नहीं, बल्कि रक्षक की तरह व्यवहार करें। इसी अंदाज में नौकरशाही को सेवक बनाने की कोशिश हुई। लेकिन क्या नौकराशाह सेवक बन पाए? वे सिर्फ उन राजनीतिक आकाओं के ही सेवक बन पाए हैं, जो ताकतवर हैं और जिनसे उन्हें भविष्य में मलाईदार पदों और ताकत की उम्मीद है। यही वजह है कि आजादी के 79 साल बाद भी नौकरशाही का ज्यादातर हिस्सा सामंती मानसिकता से ही प्रभावित नजर आता है। जनता को वह अपनी

रियाया मानता है। लोक से सामंतों जैसा व्यवहार करने में ही उसे हेठी नजर आती है। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव दुष्यंत नरियाला का कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का फोन नहीं उठाना इसी सोच का प्रतीक है। यह उस आशंका का भी जीवंत उदाहरण है, जो एचवी कामथ को परेशान कर रही थी। दिलचस्प यह है कि दुष्यंत नरियाला को 16 मार्च को ही चुनाव आयोग ने नंदिनी चक्रवर्ती की जगह नया मुख्य सचिव बनाया था, ताकि वे निष्पक्ष चुनाव करा सकें। नरियाला के व्यवहार से साफ है कि न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने के मामले में उनका रवैया तटस्थ नौकरशाह की बजाय राज्य की मौजूदा सत्ता के इशारे पर ही काम करने वाले जैसा रहा।

लोकतंत्र, लोक यानी आम लोगों का तंत्र है। लेकिन हकीकत में यह राजनीतिक दलों का तंत्र है और इस तंत्र में लोक की भूमिका महज वोट देने तक ही सीमित है। इस तंत्र में नौकरशाही की जवाबदेही राजनीति के हर अच्छे-बुरे कामों में साथ देने और कई बार उसका कहार बनने तक सीमित रह गई है। सरदार पटेल जब इस तंत्र को स्टील फ्रेम कह रहे थे, तो उनका आशय यह था कि भावी नौकरशाही आम लोगों की भलाई और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। पटेल को उम्मीद रही होगी कि नौकरशाह लोक के प्रति जब जवाबदेह होंगे, तब ऐश्वर्य पर उनकी निगाह कम होगी। लेकिन इसके ठीक उलट हो रहा है। नौकरशाही के बड़े हिस्से को अपनी मूल भूमिका की चिंता नहीं सताती। उसकी पूरी कोशिश खुद और खुद के कैडर को मजूबत करने और ज्यादा सुविधाएं जुटाने पर केंद्रित रहती है। ज्यादातर नौकरशाहों के लिए आमजन ठीक वैसी ही प्रजा हैं, जिस तरह अंग्रेजों के थे। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव का व्यवहार इसी सोच का उदाहरण है।

जब कोई आईएएस किसी फरियादी की बात सुनने के लिए जमीन पर बैठ जाता है, या ऐसा ही सामान्य कदम उठाता है तो वह घटना खबर बन जाती है। इसकी वजह यही है कि अफसरों से ऐसे व्यवहार की उम्मीद ही नहीं होती। जनमानस की सोच ऐसी है तो यह मान लेना चाहिए कि पटेल की सोच के मुताबिक नौकरशाही विकसित नहीं हुई, बल्कि एचवी कामथ जैसे लोगों की आशंका ही सही साबित हुई है। नौकरशाही में जब भी किसी का चयन होता है, उसके पड़ोसी और रिश्तेदार तक मान लेते हैं कि कुछ ही दिनों में उसकी कई पुश्तों का इंतजाम हो जाएगा।

बेबसी के मारे

गरीब परिवारों को सौ दिन के रोजगार की संवैधानिक गारंटी दी गई है। असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की जिंदगी अब भी किसी जुए से कम नहीं। दो वक्त की रोटी के लिए उन्हें न जाने कहां-कहां भटकना पड़ता है, फिर भी निश्चिंतता कहीं नहीं कि बदहाली से उन्हें मुक्ति मिलेगी ही। ओड़ीशा के कालाहांड़ी के तीन मजदूरों की कहानी इसकी ताजा कड़ी है। वे इस आस में बंगलुरु गए थे कि वहां मेहनत करके कुछ पैसे कमाएंगे और अपने परिवार का पेट भर पाएंगे। मगर उन्हें लौटना पड़ा खाली हाथ। जिस व्यक्ति ने उन्हें काम पर लगाया था, मजदूरी मांगने पर वह उन्हें मारता-पीटता था। दो महीने काम करने के बाद भी मजदूरी नहीं मिली और जिल्लत मिलती रही, तो उन्होंने घर वापसी का फैसला किया। हाथ में पैसे नहीं थे, खाने को कुछ था नहीं। वे बंगलुरु से खाली हाथ चल पड़े अपने गांव और सात दिन लगातार चलते हुए भूखे-प्यासे अपने घर पहुंचे। इन मजदूरों की कहानी इसलिए लोगों के सामने आ सकी कि वे पैदल चलते हुए घर पहुंचे। वरना इन जैसे न जाने कितने मजदूर ऐसे हैं, तो हाड़तोड़ मेहनत करने के बाद भी मजदूरी को हाथ पसारते-पसारते थक जाते हैं और जिल्लत उठाने को मजबूर होते हैं। इनकी सुनवाई कहीं नहीं होती।

संगठित और सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की कमी और पढ़े-लिखे बेरोजगारों का आंकड़ा तो समय-समय पर सामने आता रहता है, मगर हमारे देश में लाखों ऐसे मजदूरों का कोई ठीक-ठीक हिसाब-किताब नहीं, जो असंगठित क्षेत्र में मजदूरी करते हैं। वे किसी ईंट भट्ठे पर, किसी बनती हुई इमारत में, कहीं सड़क पर मिट्टी ढोने वगैरह के काम तलाशते फिरते हैं। गांवों से बहुत सारे लोग इस उम्मीद में शहरों का रुख करते हैं कि वहां उन्हें गुजारे लायक काम मिल जाएगा। मगर वहां भी उन्हें कम दुश्वारियां नहीं झेलनी पड़तीं। शहरों के हर लेबर चौराहे पर सुबह-सुबह मजदूरों का हुजूम खड़ा होता है, मगर उनमें से कुछ को ही काम मिल पाता है। जो ठेकेदार उन्हें काम पर लगाते हैं, उनकी दबंगई ऐसी कि पैसा समय पर कभी नहीं देते, बल्कि मजदूरों का पैसा मारने की फिराक में अधिक रहते हैं।

ऐसे ही ठेकेदार के शोषण का शिकार हुए कालाहांडी के ये तीनों मजदूर। ऐसे ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई का कोई व्यवस्थित तंत्र कहीं नहीं है, जहां मजदूर सीधे गुहार लगा सकें। वैसे भी गरीब अनपढ़ मजदूर पुलिस के सामने पड़ने से बचते हैं, वे शिकायत करने भला कहां जाते। मगर इससे भी दारुण कथा यह है कि इन मजदूरों को सरकारें कम नहीं छलतीं। कालाहांडी की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। मगर ओड़ीशा सरकार वहां के लोगों के लिए क्या करती है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वहां से लोगों को सैकड़ों मील दूर रोजगार की तलाश में भटकना पड़ता है। किसी परिवार को अपना नवजात शिशु बेच कर पेट भरने का इंतजाम करना पड़ता है। गरीब परिवारों को सौ दिन के रोजगार की संवैधानिक गारंटी दी गई है। मगर इसके लिए शुरू की गई मनरेगा योजना में पैसे की कमी और अनियमितता के बीच मजदूर पचास दिन का काम और पैसा भी पा जाएं तो वे खुद को खुशकिस्मत समझते हैं। अगर इन श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर ही गुजारे लायक काम मिल जाता, तो उन्हें इस कदर दर-दर तो न भटकना पड़ता। ओड़ीशा सरकार के पास शायद ही इस सवाल का जवाब हो कि क्यों वहां के लोगों को ऐसी जिल्लत उठानी पड़ती है।

जागरुकता और कानून सख्ती से ही रुकेंगी ऑनर किलिंग

ऑनर किलिंग या लिंग आधारित हिंसा देश के राजनीतिक दलों के लिए चिंता का विषय नहीं है, बल्कि नेता वोट बैंक की राजनीति के कारण आग में घी डालने का काम करते हैं। ऐसी शर्मनाक घटनाओं को रोकने के लिए राजनीति, शैक्षिक और कानून के जरिए जागरुकता लाने की जरुरत है। गुरुग्राम में पिता दीपक यादव ने परिवार की इज्जत बचाने के लिए अपनी बेटी पूर्व टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की गोली मार कर हत्या की थी। पिता और बेटी के बीच लंबे समय से तनाव और विवाद चल रहा था। चार्जशीट में आरोपी पिता दीपक ने बताया कि उसके गांव के लोग उसे टोकते थे कि तुम बेटी की कमाई खा रहे हो। बेटी के चरित्र पर भी उंगली उठाते थे। इससे उनके सम्मान को ठेस पहुंचती थी। इसलिए बेटी की हत्या कर दी। अभी तक यही माना जाता रहा है कि ऑनर किलिंग के ज्यादातर मामले गरीब और पिछड़ेपन के कारण ज्यादातर ग्रामीण इलाकों में ही होते हैं, किन्तु गुरुग्राम में हुई इस घटना ने साबित कर दिया कि कुछ हद तक यह मानसिकता शिक्षित लोगों के बीच शहरों में भी व्याप्त है। देश एक तरफ जहां अर्थव्यवस्था सहित दूसरे क्षेत्रों में छलांग लगा रहा है, वहीं आदिमयुगीन इस तरह की वारदात से भारत की छवि कलंकित हो रही है। दिल्ली की पत्रकार निरुपमा पाठक की मौत के साथ ऑनर किलिंग का मुद्दा सुर्खियों में आया था। आरोप था कि परिवार ने उसे इसलिए मार डाला क्योंकि वह गर्भवती थीं और अपनी जाति के बाहर के व्यक्ति से शादी करने की योजना बना रही थीं। इसके बाद राजधानी में संदिग्ध ऑनर किलिंग के दो और मामले सामने आए। हालांकि राजधानी में ऑनर किलिंग की घटनाएं दुर्लभ हैं, लेकिन भारत के उत्तरी राज्यों जैसे पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं आम हैं। ऑनर किलिंग के पीछे मूल कारण यह विचार है कि परिवार का सम्मान महिला की पवित्रता से जुड़ा होता है। ऑनर किलिंग के कई कारण हो सकते हैं, जैसे वैवाहिक बेवफाई, विवाह से पहले यौन संबंध, अनुचित संबंध, तय शादी से इनकार करना या यहां तक कि बलात्कार भी। भारत में ऑनर किलिंग तब होती है जब कोई जोड़ा अपनी जाति या धर्म के बाहर शादी करता है ।

करनाल की एक सत्र अदालत ने एक खाप पंचायत के आदेश के विरुद्ध विवाह करने वाले एक युवा जोड़े की हत्या के लिए पाँच लोगों को पहली बार मृत्युदंड सुनाया। अदालत ने खाप पंचायत के उस सदस्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई जिसने विवाह को अमान्य घोषित कर दिया था और जो हत्या के समय मौजूद था। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और आठ राज्यों को नोटिस जारी कर ऑनर किलिंग को रोकने के लिए उठाए गए कदमों की व्याख्या करने को कहा था। सरकार ने सतर्क रुख अपनाते हुए तत्कालीन कानून मंत्री एम. वीरप्पा मोइली के भारतीय दंड संहिता में संशोधन और खाप पंचायतों (जाति-आधारित संविधानेतर संस्थाएँ) पर लगाम लगाने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। केंद्र सरकार ने राज्यों से परामर्श करने और ऑनर किलिंग को एक सामाजिक बुराई मानने वाले एक विशेष कानून को लागू करने की संभावनाओं पर विचार करने के लिए एक मंत्रिसमूह गठित करने का निर्णय लिया था। तमिलनाडु, तेलंगाना, महाराष्ट्र और केरल जैसे राज्यों में, जहाँ दलित समुदायों का अपेक्षाकृत अधिक सशक्तिकरण हुआ है, अंतजार्तीय विवाहों की दर भी अधिक दर्ज की गई है। भारत मानव विकास सर्वेक्षण द्वितीय के अनुसार, अंतजार्तीय विवाहों की राष्ट्रीय दर लगभग 5% है, लेकिन सशक्त दलित आबादी वाले राज्यों में यह दर अधिक है। विडंबना यह है कि इन्हीं राज्यों में ऑनर किलिंग की घटनाएँ भी बढ़ी हैं।

बिहार में पहली बार इस आधुनिक तकनीक से होगी पानी की सप्लाई, सरकार खर्च करेगी ?204.68 करोड़

एजेंसी

पटना: बिहार सरकार ने राज्य के शहरी क्षेत्रों में सुरक्षित और नियमित पेयजल आपूर्ति को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है. केंद्र प्रायोजित अटल नवीकरण एवं शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत 2.0) के तहत किशनगंज और लखीसराय की जलापूर्ति परियोजनाओं को राज्य मंत्रिपरिषद से मंजूरी मिल गई है. दोनों परियोजनाओं पर कुल 204.68 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जाएंगे. इन योजनाओं के पूरा होने के बाद हजारों शहरी परिवारों को स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी.

दो परियोजनाओं को मंजूरी: नगर विकास एवं आवास मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रत्येक नागरिक तक बेहतर आधारभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रही है. उन्होंने कहा कि अमृत 2.0 के तहत स्वीकृत ये दोनों परियोजनाएं न केवल शहरी जलापूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करेंगी, बल्कि लोगों के जीवन स्तर में सुधार, बेहतर स्वास्थ्य और सतत शहरी विकास के लक्ष्य को भी गति देंगी.

किशनगंज में 53.71 करोड़ की जलापूर्ति परियोजना: मंत्री नीतीश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि किशनगंज जलापूर्ति परियोजना के लिए 53 करोड़ 71 लाख 47 हजार 500 रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है. इस परियोजना के तहत शहर के 3,892 घरों को नया जल कनेक्शन दिया जाएगा, जिससे बड़ी संख्या में परिवारों को नियमित पेयजल आपूर्ति का लाभ मिलेगा.

हजारों परिवारों को मिलेगा लाभ: इसके साथ ही 110 किलोलीटर से 1,958 किलोलीटर क्षमता के पांच नए जलमीनार बनाए जाएंगे. जलापूर्ति के लिए 720 मीटर लंबी क्लियर वाटर राइजिंग मेन और 178.21 किलोमीटर लंबा वितरण नेटवर्क विकसित किया जाएगा. सरकार का दावा है कि परियोजना पूरी होने के बाद किशनगंज शहर के हजारों परिवारों को सुरक्षित और निर्बाध पेयजल उपलब्ध होगा.

लखीसराय में 150.96 करोड़ की आधुनिक जल योजना: लखीसराय शहर के लिए सरकार ने 150 करोड़ 96 लाख 82 हजार 900 रुपये की परियोजना को मंजूरी दी है. इस योजना के तहत 7,168 घरों को नए जल कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएंगे. परियोजना में 36.119 एमएलडी क्षमता का इंटेक वेल और 35 एमएलडी क्षमता का आधुनिक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी) बनाया जाएगा, जिससे शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी. इसके अलावा 1,040 से 1,550 किलोलीटर क्षमता के पांच नए जलमीनार भी बनाए जाएंगे.

SCADA आधुनिक तकनीक का उपयोग: जलापूर्ति नेटवर्क को मजबूत करने के लिए 4.71 किलोमीटर रॉ वाटर राइजिंग मेन, 12.773 किलोमीटर क्लियर वाटर राइजिंग मेन तथा 212.326 किलोमीटर लंबा वितरण नेटवर्क तैयार किया जाएगा. इस परियोजना की खास बात यह है कि इसमें रउअऊअ (सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन) जैसी आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जिससे पूरे जलापूर्ति तंत्र की डिजिटल निगरानी और संचालन संभव होगा.

अररिया मॉब लिंचिंग; चोरी के शक में तीन युवकों को बांधकर पीटा, मुखिया समेत 4 पर एफआईआर

एजेंसी

अररिया: बिहार के अररिया जिले से एक रूप कंपा देने वाली तस्वीर सामने आई है, जिसमें तीन युवकों को रस्सी से बांधकर बेरहमी से पीटा जा रहा है. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर पुलिस ने मुखिया प्रतिनिधि समेत चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

चोरी के शक में युवकों को बांधकर पीटा : मामला अररिया जिले के फारबिसगंज थाना क्षेत्र के मटियारी पंचायत की है. यहां चोरी के शक में मुखिया और ग्रामीणों ने तीन युवकों को खूंटे से बांध दिया और उसके बाद उनकी पिटाई की गई. इस दौरान तीनों युवक मदद की गुहार लगाते रहे.

पिटाई का वीडियो वायरल : तीनों युवकों की पिटाई के दौरान वहां मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बना लिया और वायरल कर दिया. वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मुखिया प्रतिनिधि प्रदीप देव समेत चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

मुखिया ने कहा- आरोप झूठे : आरोप है कि मारपीट के दौरान एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका हाथ भी टूट गया. वहीं, मामले में नामजद मुखिया प्रतिनिधि प्रदीप देव ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उनकी छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है. उन्होंने कहा कि गांव में चोरी की घटना हुई थी और ग्रामीणों ने संदिग्ध युवकों को पकड़ा था. उनका दावा है कि कथित मारपीट की घटना से उनका कोई संबंध नहीं है.

क्या बोले फारबिसगंज एसडीपीओ? : फारबिसगंज एसडीपीओ राज किशोर कुमार ने बताया कि, सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें तीन व्यक्तियों के साथ मारपीट की घटना दिखाई दे रही है. मामले की जांच के दौरान उनकी पहचान विपिन राय, जितेंद्र कुमार और चंद्र कुमार शर्मा के रूप में हुई. तीनों पोस्ता धामराहा, बागनाथ मठियारी के रहने वाले हैं.

बिहार में सफाईकर्मियों की हड़ताल तीसरे दिन भी जारी, सड़कों पर कचरे का अंबार, पुलिस की निगरानी में उठ रहा कूड़ा

एजेंसी

2.बिहारः बिहार के नगर निकायों में सफाईकर्मियों और ड्राइवरों की हड़ताल तीसरे दिन भी जारी है. राज्यभर में हजारों सफाईकर्मी और ड्राइवर काम पर नहीं लौटे हैं. इसका असर अब शहरों की सफाई व्यवस्था पर साफ दिखाई देने लगा है. गली-मोहल्लों और मुख्य सड़कों पर कचरे का ढेर लग गया है. बदबू से लोगों का जीना मुश्किल हो गया है, वहीं संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ने लगा है.

पटना में 5 हजार कर्मचारी हड़ताल पर

पटना में पांच हजार से अधिक सफाईकर्मी हड़ताल में शामिल हैं. नगर निगम ने वैकल्पिक व्यवस्था से कचरा उठाने की कोशिश शुरू की है, लेकिन हड़ताली कर्मचारी दूसरे कर्मियों को भी काम करने से रोक रहे हैं. इसे देखते हुए नगर निगम प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है.नगर आयुक्त ने काम में बाधा डालने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं. कई इलाकों में पुलिस की मौजूदगी में कचरा उठाया जा रहा है. विरोध से बचने के लिए रात 10 बजे से सुबह 4 बजे तक विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है.

बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य

नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने सभी सफाई निरीक्षकों और पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया है कि स्थायी, दैनिक और आउटसोर्सिंग एजेंसी के सभी कर्मियों की बायोमेट्रिक और मैनुअल उपस्थिति दर्ज कराई जाए. बिना अनुमति अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी.

सफाईकर्मियों से काम पर लौटने की अपील

नगर निगम प्रशासन ने हड़ताली कर्मचारियों से काम पर लौटने की अपील की है. नगर आयुक्त का कहना है कि निगम के अधिकार क्षेत्र से जुड़ी यूनियन की सभी मांगें पहले ही मान ली गई हैं. बाकी मांगों को भी सरकार के पास भेज दिया गया है. उन्होंने जनहित को देखते हुए हड़ताल खत्म करने की अपील की है.

दरभंगा में भी बिगड़े हालात

दरभंगा में करीब 1500 सफाईकर्मी तीसरे दिन भी हड़ताल पर हैं. शहर में रोजाना लगभग 10 टन कचरे का उठाव होता है, लेकिन तीन दिनों से सफाई पूरी तरह ठप है. नगर निगम परिसर में धरना दे रहे कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. उन्होंने समान काम के बदले समान वेतन समेत अपनी तीन सूत्री मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की.

बिहारशरीफ में 250 टन कचरा नहीं उठा

नालंदा के बिहारशरीफ नगर निगम क्षेत्र में भी सफाई व्यवस्था चरमरा गई है. करीब 1300 सफाईकर्मी निगम के मुख्य गेट पर धरना दे रहे हैं. रोजाना करीब 250 टन कचरे का उठाव होता है, लेकिन हड़ताल के कारण यह पूरी तरह बंद है. शहर के कई इलाकों में कचरे का अंबार लग गया है और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

सुपौल में भी बढ़ी मुश्किलें

सुपौल नगर परिषद क्षेत्र में भी सफाईकर्मियों की हड़ताल जारी है. सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर कचरा जमा होने लगा है. स्थानीय लोगों का कहना है कि अब तक नगर परिषद की ओर से कोई प्रभावी वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे परेशानी लगातार बढ़ रही है.

बीमारियों का बढ़ा खतरा

लगातार तीन दिनों से सफाई व्यवस्था प्रभावित होने के कारण शहरों में गंदगी बढ़ गई है. विशेषज्ञों का मानना है कि लंबे समय तक कचरा जमा रहने से संक्रमण और संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है. ऐसे में प्रशासन जल्द से जल्द सफाई व्यवस्था सामान्य करने की कोशिश में जुटा है, जबकि हड़ताली कर्मचारी अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं. फिलहाल पूरे राज्य में इस हड़ताल का असर आम लोगों के दैनिक जीवन पर साफ दिखाई दे रहा है.

राज्य विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों के बकाया भुगतान पर राजभवन सख्त, 14 अगस्त तक वेतन, पेंशन और एरियर भुगतान का निर्देश

एजेंसी

बिहार: बिहार के राज्य विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों और शिक्षकों के लंबित एरियर भुगतान को लेकर राजभवन ने सख्त रुख अपनाया है. राज्यपाल सचिवालय ने उच्च शिक्षा विभाग को पत्र भेजकर राज्य विश्वविद्यालयों को तत्काल पर्याप्त राशि उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है, ताकि कर्मचारियों के लंबित एरियर का भुगतान जल्द से जल्द किया जा सके.

14 अगस्त तक मिशन मोड में भुगतान पूरा करने का लक्ष्य

राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि अधिकांश राज्य विश्वविद्यालयों ने पर्याप्त राशि उपलब्ध नहीं होने के कारण कर्मचारियों के लंबित एरियर का भुगतान नहीं हो पाने की जानकारी दी है. विश्वविद्यालयों ने पहले ही उच्च शिक्षा विभाग से आवश्यक धनराशि की मांग की है, लेकिन राशि जारी नहीं होने से भुगतान लंबित है.पत्र में उल्लेख किया गया है कि राज्यपाल ने सभी विश्वविद्यालयों को 14 अगस्त तक वेतन, पेंशन और अन्य देयों का भुगतान मिशन मोड में पूरा करने का निर्देश दिया है. इसी उद्देश्य से उच्च शिक्षा विभाग से संबंधित विश्वविद्यालयों को आवश्यक राशि शीघ्र जारी करने का अनुरोध किया गया है.

पेंशन और सेवा लाभ के लंबित मामलों के निपटारे पर भी जोर

राजभवन ने अपने पत्र में यह भी कहा है कि कई मामलों में पेंशन, प्रोन्नति और अन्य सेवा लाभ प्री-वेरिफिकेशन कमेटी के स्तर पर लंबित सत्यापन के कारण अटके हुए हैं. विभाग से आग्रह किया गया है कि इन मामलों की युद्धस्तर पर समीक्षा कर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए.

कुलपतियों को भी भेजी गई पत्र की प्रति

राज्यपाल सचिवालय ने स्पष्ट किया है कि वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और लंबित सत्यापन प्रक्रियाओं में तेजी लाकर विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों की वर्षों से लंबित समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए. इस संबंध में जारी पत्र की प्रति राज्य के सभी कुलपतियों को भी सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी गई है.

.बिहार पुलिस भर्ती: चालक दक्षता परीक्षा का शेड्यूल जारी, पटना के बीएमपी-5 मैदान में होगा टेस्ट

एजेंसी

पटना: बिहार पुलिस में चालक सिपाही भर्ती की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) ने महत्वपूर्ण सूचना जारी की है. विज्ञापन संख्या 02/2025 के तहत बिहार पुलिस में चालक सिपाही के पदों पर भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत मोटर वाहन चालक दक्षता परीक्षा (बीएमपी-) की तिथि और प्रवेश पत्र से संबंधित कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है. पर्षद ने स्पष्ट किया है कि चयनित अभ्यर्थियों की ड्राइविंग दक्षता परीक्षा 24 अगस्त 2026 से आयोजित की जाएगी.

अभ्यर्थियों का ड्राइविंग टेस्ट: केंद्रीय चयन पर्षद द्वारा जारी सूचना के अनुसार, बिहार पुलिस में चालक सिपाही के 4,361 पदों के लिए आयोजित शारीरिक दक्षता परीक्षा (PET) के आधार पर मोटर वाहन चालक दक्षता परीक्षा (DET) हेतु चयनित अभ्यर्थियों की सूची 28 अप्रैल 2026 को पर्षद की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित की जा चुकी है. अब इन्हीं सफल अभ्यर्थियों को ड्राइविंग टेस्ट में शामिल होना होगा.

बीएमपी--5 के मैदान में होगा टेस्ट: पर्षद के मुताबिक मोटर वाहन चालक दक्षता परीक्षा (DET) का आयोजन पटना स्थित बिहार सैन्य पुलिस-5 (बीएमपी--5) के मैदान में 24 अगस्त 2026 से किया जाएगा. परीक्षा के माध्यम से अभ्यर्थियों की वाहन चलाने की व्यावहारिक क्षमता और तकनीकी दक्षता का परीक्षण किया जाएगा. इसके बाद ही भर्ती प्रक्रिया के अगले चरण की कार्रवाई पूरी की जाएगी.

केवल ऑनलाइन मिलेगा एडमिट कार्ड: केंद्रीय चयन पर्षद ने यह भी स्पष्ट किया है कि किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश पत्र डाक के माध्यम से नहीं भेजा जाएगा. सभी अभ्यर्थियों को केवल ऑनलाइन माध्यम से ही अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड करना होगा. ऐसे में अभ्यर्थियों को समय रहते वेबसाइट पर जाकर प्रवेश पत्र डाउनलोड करने और उसमें अंकित सभी निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है.

वेबसाइट पर नजर रखने की अपील: पर्षद ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी किसी भी नई सूचना के लिए नियमित रूप से आधिकारिक वेबसाइट पर नजर बनाए रखें. परीक्षा केंद्र, रिपोर्टिंग समय, आवश्यक दस्तावेज और अन्य दिशा-निर्देश प्रवेश पत्र में उपलब्ध कराए जाएंगे.

अभ्यर्थियों के लिए अहम परीक्षा: गौरतलब है कि बिहार पुलिस चालक सिपाही भर्ती की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ रही है. शारीरिक दक्षता परीक्षा के बाद अब ड्राइविंग दक्षता परीक्षा आयोजित की जा रही है।

बिहार के गांव होंगे डिजिटल स्मार्ट, हर गली-सड़क को मिलेगा यूनिक कोड, क्यूआर स्कैन करते ही मिलेगी पूरी जानकारी

एजेंसी

बिहार: बिहार के गांव अब डिजिटल बदलाव की नई राह पर बढ़ने वाले हैं. पंचायती राज विभाग जल्द ही 'ग्राम मानचित्र' योजना शुरू करने जा रहा है. इस योजना के तहत राज्य के हर गांव का विस्तृत डिजिटल मैप तैयार किया जाएगा. गांव की सड़क, गली, खेत, तालाब, स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र और सरकारी भवन जैसी हर महत्वपूर्ण जानकारी एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगी. इसका उद्देश्य ग्रामीण विकास को अधिक पारदर्शी, योजनाबद्ध और तकनीक आधारित बनाना है.

क्या है ग्राम मानचित्र योजना? सरकार का मानना है कि इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों की योजना बनाना, उनकी प्रगति पर नजर रखना और संसाधनों का बेहतर उपयोग करना पहले से कहीं आसान हो जाएगा.

हर गली और सड़क की होगी डिजिटल पहचान
इस योजना की सबसे खास बात यह है कि गांव के अंदर मौजूद हर सड़क, गली और संपर्क मार्ग को पहली बार एक यूनिक डिजिटल पहचान दी जाएगी. हर सड़क को उसके प्रकार, राज्य, जिला और गांव के आधार पर अल्फा-न्यूमेरिक कोड मिलेगा. इसके साथ ही प्रत्येक सड़क पर क्यूआर कोड वाला साइन बोर्ड लगाया जाएगा.

क्यूआर कोड स्कैन करते ही सामने होगी पूरी जानकारी
अगर कोई व्यक्ति सड़क पर लगे क्यूआर कोड को अपने मोबाइल से स्कैन करेगा, तो उसे उसी समय उस सड़क की पूरी जानकारी मिल जाएगी.मोबाइल स्क्रीन पर सड़क की सटीक लोकेशन, वर्तमान स्थिति और उससे जुड़ा डिजिटल रिकॉर्ड दिखाई देगा. इससे गांवों में रास्ता ढूंढना पहले की तुलना में काफी आसान हो जाएगा.

सरकारी और निजी संपत्तियों का बनेगा डिजिटल रिकॉर्ड
'ग्राम मानचित्र' ऐप पर गांव की लगभग हर महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध रहेगी. इसमें खेत, सड़क, पुल, तालाब, नहर, जल स्रोत, स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य उपकेंद्र, सरकारी भवन और विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत बनी परिसंपत्तियों का पूरा रिकॉर्ड डिजिटल रूप में दर्ज किया जाएगा. इससे पंचायतों के पास वास्तविक और अपडेटेड डाटा उपलब्ध रहेगा.

पंचायतों की योजना बनाना होगा आसान
डिजिटल डाटा मिलने के बाद पंचायत अधिकारियों के लिए विकास योजनाएं तैयार करना अधिक आसान होगा. किस गांव में किस सुविधा की कमी है, किस सड़क की मरम्मत जरूरी है या कहां नई योजना शुरू करनी है, इसका फैसला वास्तविक आंकड़ों के आधार पर किया जा सकेगा. इससे योजनाओं के क्रियान्वयन और निगरानी में भी पारदर्शिता बढ़ेगी.

आम लोगों को क्या होगा फायदा?
इस योजना का फायदा सिर्फ प्रशासन को ही नहीं, बल्कि ग्रामीणों को भी मिलेगा. गांव में किसी भी स्थान का पता ढूंढना आसान होगा. डाक और कूरियर सेवाएं सही पते पर तेजी से पहुंच सकेंगी. एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड और अन्य आपातकालीन सेवाओं को लोकेशन खोजने में कम समय लगेगा. लोग सरकारी विकास कार्यों और योजनाओं की जानकारी सीधे डिजिटल मैप पर देख सकेंगे.

सारण के इन इलाकों में आज 6 घंटे नहीं रहेगी बिजली, जानें वजह

एजेंसी

बनियापुर : सारण जिले के बनियापुर क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं के लिए जरुरी सूचना है. 33 केवी लाइन पर नया कंडक्टर लगाने के कार्य के कारण शनिवार को कोल्लुआ पावर सब स्टेशन (पीएसएस) से संचालित सभी फीडरों की बिजली आपूर्ति करीब छह घंटे तक बाधित रहेगी. बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से जरूरी कार्य पहले ही पूरा करने की अपील की है.

33 केवी लाइन पर होगा तकनीकी कार्य
बनियापुर के कोल्लुआ पावर सब स्टेशन (पीएसएस) से संचालित सभी फीडरों में शनिवार को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी. विभाग के अनुसार, मशरख-चैनपुर से संचालित 33 केवी लाइन पर नया कंडक्टर लगाने का कार्य किया जाएगा. इसी कारण निर्धारित अवधि के दौरान बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी.

एसडीओ ने दी उपभोक्ताओं को सलाह
बनियापुर विद्युत विभाग के एसडीओ अमरजीत कुमार ने बताया कि यह कार्य विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है. उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे निर्धारित समय से पहले अपने आवश्यक कार्य पूरे कर लें, ताकि बिजली बंद रहने के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो.

वैकल्पिक बिजली आपूर्ति का रहेगा प्रयास
बिजली विभाग ने बताया कि उपभोक्ताओं की परेशानी कम करने के लिए लहलादपुर पीएसएस से वैकल्पिक बिजली आपूर्ति देने का प्रयास किया जाएगा. हालांकि, यह व्यवस्था तकनीकी स्थिति और उपलब्ध लोड पर निर्भर करेगी.

उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील
विभाग ने सभी बिजली उपभोक्ताओं से सहयोग और धैर्य बनाए रखने की अपील की है.

संक्षिप्त खबरें

दीवार फांदकर घर में घुसा जीजा, साली के कमरे में था सन्नाटा, चीखने लगी बड़ी बहन और मां..

सहरसा: बिहार के सहरसा में एक छात्रा की मौत के बाद सनसनी फैल गई है. मामला सदर थाना क्षेत्र का है. घटना की जानकारी मिलते ही हर कोई दंग है. सूचना पर सदर थाना पुलिस, टीओपी-1 के प्रभारी जितेंद्र कुमार और एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम मौके पर पहुंची है. पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है.

दिल्ली से लौटी बहन ने देखा दर्दनाक मंजर: बताया जाता है कि छात्रा ग्रेजुएशन पार्ट-1 की छात्रा थी. घटना के समय वह घर में अकेली थी. उसके पिता सुपौल में ड्यूटी पर थे, जबकि मां साप्ताहिक हाट गई थी. जब बड़ी बहन दिल्ली से घर पहुंची तो उसने छात्रा का शव देखा.

दीवार फांदकर घुसा जीजा: छात्रा की बड़ी बहन ने बताया कि वह और उसका पति शुक्रवार शाम करीब 6:30 बजे दिल्ली से सहरसा स्पेशल ट्रेन से मायके पहुंची थी. काफी देर तक मुख्य गेट खटखटाने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो बहन ने अपने पति को कहा कि दीवार फांदकर अंदर जाकर देखिए.

दरवाजा खुलने के बाद घर में प्रवेश: महिला का पति छत के रास्ते दीवार फांदकर घर के अंदर दाखिल हुआ, लेकिन उसकी नजर छात्रा के शव पर नहीं पड़ी. उसने अंदर से जाकर मेन गेट खोल दिया. इसी बीच मां भी बाजार से वापस घर लौट चुकी थी. मां ने पूछा कि आखिर छोटी बेटी कहां है और उसने दरवाजा क्यों नहीं खोला?

कमरे में था छात्रा का शव: शंकाओं से भरी मां और बहन ने घर के अंदर प्रवेश किया और साथ में छात्रा का जीजा भी था. इसी दौरान मां की नजर छात्रा के कमरे में गई, जहां उसका शव पड़ा था. अपनी बेटी की मौत देख मां चीख उठी. बहन और जीजा भी इस घटना के बाद स्तब्ध हैं. परिजन इसे प्रेम-प्रसंग में आत्महत्या का मामला बता रहे हैं.

'तीन साल से था प्रेम संबंध': मृतका की बहन ने बताया कि उसकी बहन का एक युवक से करीब तीन वर्षों से प्रेम संबंध था. कुछ दिन पहले वह अपनी मां और छोटी बहन (मृतका) के साथ युवक के घर भी गई थी. वहां युवक ने कहा था कि वह लड़की से बात नहीं करता है.

पुलिस हर एंगल से कर रही जांच: हालांकि, पुलिस ने प्रेम प्रसंग को आत्महत्या का कारण नहीं माना है. पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट, एफएसएल जांच और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी. परिजनों के अनुसार, छात्रा चित्रकला में काफी प्रतिभाशाली थी और उसकी बनाई पेंटिंग्स की लोग सराहना करते थे. वह परिवार की सबसे छोटी बेटी थी. उसकी मौत के बाद माता-पिता समेत पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है.

बीवी रूठ कर चली गई मायके तो टावर पर चढ़ा कृष, घंटों चला हाई-वोल्टेज ड्रामा

सीवान : बिहार के सीवान जिले के जामो थाना क्षेत्र के महल गांव में शनिवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक वैवाहिक विवाद से परेशान होकर मोबाइल टावर पर चढ़ गया. घटना की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई. पुलिस, परिजन और स्थानीय जनप्रतिनिधि युवक को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास में जुटे रहे.

बीवी के लिए युवक का टावर पर हाई वोल्टेज ड्रामा : युवक की पहचान महल गांव निवासी काफिज अंसारी के 22 वर्षीय पुत्र मेराज उर्फ. कृष के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार, मेराज शनिवार सुबह गांव स्थित एक मोबाइल टावर पर चढ़ गया और करीब दो घंटे तक वहीं डटा रहा. सूचना मिलते ही जामो थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और युवक को शांतिपूर्वक समझाकर नीचे उतारने का प्रयास शुरू किया गया.

रूठकर मायके चली गई बीवी तो टावर पर चढ़कर हंगामा : बताया जाता है कि मेराज सोशल मीडिया पर वीडियो बनाने के कारण क्षेत्र में अच्छी पहचान रखता है. उसकी शादी मई 2023 में महादेवा थाना क्षेत्र के बिंदुसार बुजुर्ग गांव में हुई थी. दंपती का करीब दो वर्ष का बच्चा भी है. परिजनों के अनुसार, पिछले कुछ महीनों से पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा है, जिसके बाद उसकी पत्नी बच्चे को लेकर मायके चली गई है.

'साथ रहे या तलाक दे दे' : युवक का कहना है कि उसकी पत्नी या तो उसके साथ वापस आकर रहे या फिर उसे तलाक दे दे. उसका आरोप है कि लंबे समय से कोई स्पष्ट निर्णय नहीं होने के कारण वह मानसिक तनाव से गुजर रहा था. इसी तनाव के चलते उसने विरोध स्वरूप मोबाइल टावर पर चढ़ने का कदम उठाया.

सुरक्षित उतारने के लिए कवायद : घटना की खबर फैलते ही आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए, जिससे वहां भारी भीड़ जमा हो गई. टावर पर मौजूद युवक लगातार मोबाइल फोन पर बातचीत करता दिखाई दिया. पुलिस अधिकारियों, परिजनों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने उसे समझाने का प्रयास जारी रखा ताकि वह सुरक्षित नीचे उतर सके.

पुलिस की टीम उतारने के लिए कर रही कोशिश : जामो थाना प्रभारी धीरज कुमार गुप्ता ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी. युवक को शांतिपूर्वक समझाकर सुरक्षित नीचे उतार दिया गया है. उसकी बात बीवी से कराई गई तो वह साथ रहने को राजी हो गई है.

खबर संक्षेप

एनएसई के शुद्ध लाभ में सात फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में सात प्रतिशत बढ़कर 3,120 करोड़ रुपये हो गया। आईपीओ लाने की तैयारी कर रहे एनएसई ने वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 2,924 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 682.35 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 24 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 6.12 अरब डॉलर बढ़कर 682.35 अरब डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। इससे पिछले सप्ताह में भी विदेशी मुद्रा भंडार 1.08 अरब डॉलर बढ़कर 676.24 अरब डॉलर रहा था।

गेल का शुद्ध लाभ दोगुना होकर 4,671 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में लगभग दोगुना होकर 4,670.99 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि गैस विपणन कारोबार से हुई कमाई में तेज उछाल ने पेट्रोकेमिकल खंड में हुए नुकसान की भरपाई कर दी।

रुपया 15 पैसे चढ़कर 95.35 पर बंद

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया शुक्रवार को 15 पैसे बढ़कर 95.35 (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी पूंजी प्रवाह और रिजर्व बैंक के समर्थन से रुपये में मजबूती आई। हालांकि, विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और डॉलर के मजबूत होने से रुपये की तेजी पर लगाम लगा।

लीला पैलेस का लाभ पांच गुना बढ़कर 49 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। लीला पैलेसेस होटल्स एंड रिसॉर्ट्स का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में पांच गुना से अधिक होकर 48.8 करोड़ रुपये रहा। इससे वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 8.7 करोड़ रुपये रहा था। जून तिमाही में परिचालन आय बढ़कर 352 करोड़ रुपये रही।

स्ट्राइड्स फार्मा के लाभ में 56 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली। स्ट्राइड्स फार्मा साइंस लिमिटेड का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 56.7 प्रतिशत बढ़कर 165.5 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 105.6 करोड़ रुपये था। स्ट्राइड्स ने शुक्रवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में उसकी परिचालन आय बढ़कर 1,265.4 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,119.7 करोड़ रुपये थी।

भारत की जीडीपी के 30 प्रतिशत हिस्से पर देश के सिर्फ 3,040 लोगों का कब्जा

नई दिल्ली

भारत के सबसे बड़े वेल्थ क्रिएटर्स (संपत्ति बनाने वाले) के पास अब 104 लाख करोड़ रुपए की पर्सनल वेल्थ है, जो देश की नॉमिनल जीडीपी का लगभग 30 फीसदी है। क्रिसिल इंटेलिजेंस के साथ मिलकर तैयार की गई '360 वन वेल्थ क्रिएटर्स लिस्ट 2026' में लिस्टेड और अनलिस्टेड होल्डिंग्स में 330 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति का अध्ययन किया गया।

- अकेले टॉप 10 लोगों के पास लगभग 19.72 लाख करोड़ रुपए हैं

अंतिम सूची में 3,040 ऐसे लोग शामिल हैं जिनकी संपत्ति 425 करोड़ रुपए से ज्यादा है। इन सबकी कुल व्यक्तिगत नेट वर्थ 104 लाख करोड़ रुपए है, जो भारत की म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री के आकार का लगभग 1.2 गुना है। भारत तेजी से संपत्ति बना रहा है, लेकिन इसका ज्यादातर हिस्सा अभी भी सबसे ऊपर के लोगों के पास है।

देश के सबसे बड़े वेल्थ क्रिएटर्स के पास अब 104 लाख करोड़ रुपए

12 बिजनेस परिवारों के पास 1 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा संपत्ति

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अब 12 ऐसे बिजनेस परिवार हैं जिनकी संपत्ति 1 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है। इस क्लब में अदाणी, अंबानी, मित्तल, संघवी, मिस्त्री, नाडर, जिंदल, दमानी, बिड़ला, अग्रवाल, प्रेमजी और मेहता जैसे नाम शामिल हैं।

कम हो रही वेल्थ क्रिएटर्स की उम्र : नई इकोनॉमी वाले वेल्थ क्रिएटर्स की उम्र भी कम है। उनकी मीडियन उम्र 48 साल है, जबकि पुरानी इकॉनमी वाले क्रिएटर्स की मीडियन उम्र 60 साल है। फिर भी, ज्यादा उम्र वाले वेल्थ क्रिएटर्स का दबदबा बना हुआ है। 60-80 साल के उम्र वाले ग्रुप में 1,028 लोग हैं, जिनके पास 45.36 लाख करोड़ रुपए हैं।

बिजनेस फैमिलीज और उनकी दौलत

3,040 वेल्थ क्रिएटर्स में से, टॉप 10 लोगों के पास सूची की कुल संपत्ति का लगभग पांचवां हिस्सा है। अंबानी परिवार के सदस्य-अनंत, ईशा और आकाश-2026 की सूची में टॉप तीन स्थानों पर हैं, और हर एक के पास 2.75 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति है। यह सूची परिवारों की संपत्ति की बड़ी कहानी भी बताती है। भारत के टॉप 100 परिवारों की कुल नेट वर्थ 76.5 लाख करोड़ रुपए है। टॉप तीन परिवारों में गौतम अदाणी और परिवार, मुकेश अंबानी और परिवार, और सुनील भारती मित्तल और परिवार शामिल हैं।

25 साल से कम उम्र के फाउंडर्स भी : भारत में अब जेप्टो के कैवल्य वोहरा और आदित पालिचा जैसे 25 साल से कम उम्र के फाउंडर्स भी हैं, जो दिखाते हैं कि संपत्ति बनाने का समय कितना कम हो गया है। जिन बिजनेस को खड़ा करने में पहले एक पीढ़ी लग जाती थी, वे अब एक दशक से भी कम समय में बड़ी संपत्ति बना रहे हैं।

शीर्ष 10 लोगों के पास सूची की कुल संपत्ति का 19 फीसदी

अकेले टॉप 10 लोगों के पास लगभग 19.72 लाख करोड़ रुपए हैं, जो सूची की कुल संपत्ति का 19 फीसदी है। टॉप 100 लोगों के पास लगभग 46 फीसदी संपत्ति है, जबकि सूची के निचले आधे हिस्से यानी 1,520 लोगों के पास केवल 9 फीसदी संपत्ति है। रिपोर्ट यह भी दिखाती है कि भारत की अमीरों की सूची का स्वरूप बदल रहा है। इसमें अभी भी पुराने बिजनेस परिवारों, इंडस्ट्रियल ग्रुप्स और मुंबई की संपत्ति का दबदबा है।

लोक नीति शोध संस्थान 'पॉलिसी कंसेंसस सेंटर की रिपोर्ट

आयात समता मूल्य निर्धारण से दबाव में एल्युमीनियम आधारित एमएसएमई

नई दिल्ली

आयात समता मूल्य निर्धारण से प्राथमिक एल्युमीनियम की कीमतों में बढ़ोतरी होने से इस धातु पर निर्भर घरेलू 'डाउनस्ट्रीम' उद्योगों की लागत बढ़ रही है, जिससे उनका लाभ मार्जिन घट रहा है और विनिर्माण क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हो रही है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

लोक नीति शोध संस्थान 'पॉलिसी कंसेंसस सेंटर' की रिपोर्ट के मुताबिक, सालाना 41.6 लाख टन से अधिक स्थापित क्षमता के साथ भारत प्राथमिक एल्युमीनियम का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। इसके बावजूद देश की लगभग 3,500 एल्युमीनियम इकाइयों, जिनमें बड़ी संख्या में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) शामिल हैं, को कई संरचनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

90 प्रतिशत रोजगार उपलब्ध कराती है

रिपोर्ट कहती है कि ये इकाइयां एल्युमीनियम मूल्य श्रृंखला में लगभग 90 प्रतिशत रोजगार उपलब्ध कराती हैं और बिजली पारेषण, नवीकरणीय ऊर्जा, रेलवे, इलेक्ट्रिक वाहन, निर्माण एवं इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों के लिए अहम उत्पाद तैयार करती हैं।

- धातु पर निर्भर घरेलू डाउनस्ट्रीम उद्योगों की लागत बढ़ रही
- विनिर्माण क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हो रही
- सालाना 41.6 लाख टन से अधिक स्थापित क्षमता

प्राथमिक एल्युमीनियम पर 7.5 प्रतिशत मूल सीमा शुल्क

एमएसएमई के सामने प्रमुख चुनौतियों में से एक प्राथमिक एल्युमीनियम पर 7.5 प्रतिशत मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) और उस पर लागू सामाजिक कल्याण अधिभार है। घरेलू उत्पादक आयात समता मूल्य निर्धारण के आधार पर कीमत तय करते हैं, जिसमें सीमा शुल्क को भी शामिल कर लिया जाता है।

एल्युमीनियम में मूल सीमा शुल्क को समाप्त किया जाए

इसमें सुझाव दिया गया है कि प्राथमिक एल्युमीनियम पर मूल सीमा शुल्क को चरणबद्ध तरीके से समाप्त किया जाए और उत्पादकों के लिए ऊर्जा लागत की भरपाई के उपाय किए जाएं, ताकि संतुलन बना रहे। इसके अलावा, उत्पाद की उत्पत्ति के नियमों को सख्त करने, आवश्यक होने पर शुल्क-दर कोटा लागू करने, मुक्त व्यापार समझौतों के तहत सत्यापन व्यवस्था को मजबूत करने तथा अनुचित मूल्य पर होने वाले आयात के खिलाफ लक्षित व्यापारिक उपाय अपनाने की भी सिफारिश की गई है।

परिचालन मार्जिन कम हो जाता है

इस व्यवस्था के कारण कच्चे माल की लागत बढ़ जाती है, जिससे पहले से सीमित परिचालन मार्जिन और कम हो जाता है तथा मूल्य संवर्धित विनिर्माण क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता कमजोर पड़ती है। रिपोर्ट में शुल्क ढांचे में असंतुलन की ओर भी ध्यान दिलाया गया है।

शून्य शुल्क पर भारत में बाहर से आयात हो रहा

इसके तहत प्राथमिक एल्युमीनियम पर शुल्क कई तैयार उत्पादों की तुलना में अधिक है, जबकि आसियान, जापान और दक्षिण कोरिया के साथ मुक्त व्यापार समझौतों के चलते कई तैयार एल्युमीनियम उत्पाद रियायती या शून्य शुल्क पर भारत में आयात हो रहे हैं, जिससे घरेलू एमएसएमई पर प्रतिस्पर्धी दबाव बढ़ रहा है।

शुल्क का युक्तिसंगत निर्धारण जरूरी

रिपोर्ट के अनुसार, शुल्क का युक्तिसंगत निर्धारण डाउनस्ट्रीम एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने, घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करने, मूल्य संवर्धन बढ़ाने और रोजगार सृजन के साथ 'मेक इन इंडिया' पहल को मजबूती देने में मददगार होगा।

नई पीढ़ी के विमानों पर फैसला करेगी इंडिगो : भाटिया

नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो के प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने कहा कि कंपनी नई पीढ़ी के विमानों के विकास का आकलन करने के बाद वर्ष 2030 में अपने नए विमानों के ऑर्डर पर फैसला करेगी।

इंडिगो नई प्रौद्योगिकी को शुरुआती दौर में अपनाने वाली कंपनियों में शामिल होना चाहती है। अगले महीने परिचालन के 20 वर्ष पूरे करने जा रही विमानन कंपनी ने 2006 में एक ही प्रकार के विमान के साथ सेवाएं शुरू की थीं। अब उसके बेड़े में 440 से अधिक विमान हैं और वह 140 से अधिक गंतव्यों के लिए उड़ानें संचालित करती है।

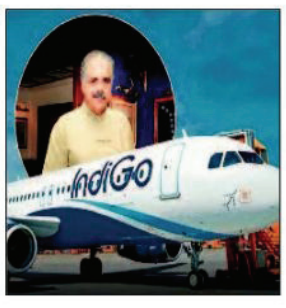

- विमानों का आकलन कर वर्ष 2030 में लेगी फैसला
- कंपनी नई प्रौद्योगिकी को शुरुआती दौर में अपनाने वाली बनेगी

एयरबस का 900 से अधिक विमानों का ऑर्डर दिया

एयरबस ए350-900 सहित उसने 900 से अधिक विमानों का ऑर्डर दिया है जिनकी आपूर्ति 2035 तक होनी है। भाटिया ने कहा, '' अभी हमने इसलिए थोड़ा इंतजार करने का फैसला किया है क्योंकि हम देखना चाहते हैं कि नई पीढ़ी के विमान कब और किसके द्वारा पेश किए जाते हैं। जब भी यह नई प्रौद्योगिकी आएगी, वही हमारे लिए अगला बड़ा अवसर होगा ....'' नई पीढ़ी के विमानों से आशय आमतौर पर ऐसे विमानों से है, जिनमें उन्नत प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल हो और जिनसे कम उत्सर्जन होता हो।

इंडिगो में बदलाव लाने की तैयारी

भारत की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो के प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने कहा कि अगले सप्ताह मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का पद संभालने वाले विली वॉल्श एयरलाइन में बदलाव लाने को तैयार हैं। अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) के महानिदेशक पद से 31 जुलाई को हटने के बाद वॉल्श तीन अगस्त को भारत की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो के सीईओ का पद संभालेंगे।

माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस का नया अवतार 'मैप्स'

maps: Maheshwari Publicity Service 360° Brand Routes

रायपुर। सन 1964 में अपनी शुरुआत के बाद अखबार और होर्डिंग से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रील्स और सेकंड्स में बदल जाने वाले डिजिटल ट्रेंड्स तक का सफर माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस ने बखूबी तय किया है। मध्य भारत की अग्रणी और आईएनएस मीडिया एजेंसी 'माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस' ने हर दौर को बेहद करीब से देखा और समझा है। अब, समय की इसी तेज रफ़्तार से कदमताल करने के लिए, यह प्रतिष्ठित एजेंसी अपने मॉडर्न अवतार 'मैप्स' के साथ खुद को रीब्रांड कर रही है। इस बदलाव की जरूरत के बारे में बात करते हुए माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस के डायरेक्टर्स प्रकाश माहेश्वरी और पंकज माहेश्वरी ने बताया कि नए दौर में आधुनिक सोच के साथ बिज़नेस संचालन करने वाली आज की युवा पीढ़ी और कंटेम्पररी ऑडियंस घंटों की बात सेकंड्स में समझना चाहते हैं। वो ऐसे शब्द पसंद करते हैं जो बोलने में आसान हों और जिनका इम्पैक्ट सीधा हो। 'मैप्स' (अंग्रेजी के शब्द मैप का बहुवचन) का सीधा सा मतलब है नक्शे या रास्ते। जिस तरह एक नक्शा किसी को अनजान रास्तों पर उसकी सटीक मंजिल तक ले जाता है, ठीक उसी तरह 'मैप्स' की फिलॉसफी ब्रांड्स के लिए वो रास्ते तैयार करना है, जो मार्केट की भीड़ से निकलकर सीधे ग्राहकों के दिलों-दिमाग तक पहुंचते हों।

नए लोगो में लगा कोलन

मैप्स के लोगो में लगा 'कोलन' (:) केवल एक डिज़ाइन नहीं है। व्याकरण ज़ुबान में कोलन का मतलब होता है, 'पिक्चर अभी बाकी है', यानी आगे कुछ आने वाला है। 'मैप्स' के साथ लगा यह कोलन दरअसल एजेंसी की विस्तृत सेवाओं को दर्शाता है। '**maps**:' में 'आउट ऑफ़ द बॉक्स आईडियाज' के साथ ब्रांड कंसल्टेंसी, इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग, कंटेंट डेवलपमेंट और डिजिटल मार्केटिंग जैसी वो तमाम सेवाएं मौजूद हैं, जो आज के मार्केट की जरुरत के हिसाब से '**maps**:' को 360 डिग्री एडवरटाइजिंग एजेंसी बनाती हैं।

स्ट्रेटेजिक रीब्रांडिंग

यह केवल पुराना लोगो हटाकर नया रखने की औपचारिकता नहीं है, बल्कि दूर की सोच के साथ की गई एक स्ट्रेटेजिक रीब्रांडिंग है। यह रीब्रांडिंग बदलते मार्केट ट्रेंड्स, नई पीढ़ी की पसंद और टेक्नोलॉजी के इस दौर में ब्रांड्स को समय की मांग के हिसाब से रिलिवेंट बनाए रखने की एक पुख्ता तैयारी है।

रिसर्च और ब्रांड फ़ॉर्मूला

पब्लिक रिलेशन्स, एडवरटाइजिंग, मार्केटिंग और ब्रांडिंग के लिहाज से हर क्लाइंट की अपनी ख़ास जरूरतें होती हैं और तेजी से बदलते मार्केट ट्रेंड्स इसे और भी चुनौतीपूर्ण बना देते हैं, इसलिए ब्रांड्स की जरुरत के हिसाब से रिसर्च आधारित कैंपेन की स्ट्रैटेजी प्लान होगी जिससे सही कस्टमर्स तक सही मैसेज पहुंचे।

पेंट कंपनियों को उत्पादों में सीसे की मात्रा सीमित करने के निर्देश

चंडीगढ़। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने पेंट बनाने वाली कंपनियों को अपने उत्पादों में सीसे की मात्रा निर्धारित सीमा के भीतर रखने का निर्देश दिया है। पीपीसीबी ने अपने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों को निर्देश दिए हैं कि उत्पादन इकाइयों को अनुमति जारी करने से पहले यह सुनिश्चित किया जाए कि उनके पेंट उत्पादों में सीसे की मात्रा घरेलू एवं सजावटी पेंट में सीसा सामग्री की मात्रा नियम, 2016 के अनुरूप हो।

एलआईसी हाउसिंग का लाभ 9% बढ़कर 1488 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में नौ प्रतिशत बढ़कर 1,488 करोड़ रुपये हो गया। एलआईसी द्वारा प्रवर्तित इस आवास वित्त कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 1,360 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी की कुल आय जून तिमाही में घटकर 7,066 करोड़ रुपये रह गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 7,233 करोड़ रुपये थी। कंपनी की ब्याज आय भी चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में घटकर 7,024 करोड़ रुपये रह गई।

उद्योगों को बैंक ऋण जून माह में 19.2 प्रतिशत बढ़ा

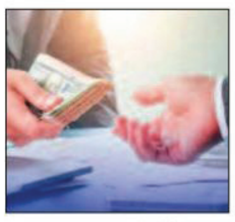

मुंबई। उद्योगों को दिए जाने वाले बैंक कर्ज में जून माह के दौरान सालाना आधार पर 19.2 प्रतिशत बढ़ोतरी दर्ज की गई जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 6.3 प्रतिशत था। बड़ी कंपनियों के साथ एमएसएमई क्षेत्र में भी व्यापक विस्तार देखने को मिला।

- एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 6 .3 प्रतिशत था

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, गैर-खाद्य बैंक ऋण की वृद्धि दर 30 जून 2026 को समाप्त पखवाड़े में 18.3 प्रतिशत रही, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 9.3 प्रतिशत थी। आरबीआई ने ये आंकड़े 41 चुनिंदा अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों से जुटाए हैं। इन बैंकों की कुल गैर-खाद्य ऋण में लगभग 95 प्रतिशत हिस्सेदारी है। आलोच्य अवधि में कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों को दिए गए बैंक ऋण में भी 16.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जो एक साल पहले 6.8 प्रतिशत थी। उद्योग क्षेत्र के सूक्ष्म एवं लघु, मध्यम और विशाल, तीनों वर्गों में कर्ज में व्यापक बढ़ोतरी दर्ज की गई। प्रमुख उद्योगों में अवसंरचना, इंजीनियरिंग, खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र, निर्माण, धातु, पेट्रोलियम और रसायन क्षेत्रों में ऋण वृद्धि मजबूत रही।

सेवा क्षेत्र के ऋण में आई तेजी

आंकड़ों के मुताबिक, सेवा क्षेत्र को दिए गए कर्ज में भी तेजी बनी रही और यह सालाना आधार पर 21.4 प्रतिशत बढ़ा, जो पिछले वर्ष 8.8 प्रतिशत था। इसमें गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों (एनबीएफसी), वाणिज्यिक रियल एस्टेट और व्यापार क्षेत्रों का अहम योगदान रहा। व्यक्तिगत ऋण खंड में भी जून के दौरान 15.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि एक साल पहले यह 11.7 प्रतिशत थी।

आभूषण विक्रेताओं की खरीदी से सोना हुआ 300 रुपए महंगा

- सोना बढ़कर 1,48,300 रुपए प्रति दस ग्राम
- चांदी 2,24,700 रुपए पर रही स्थिर

नई दिल्ली

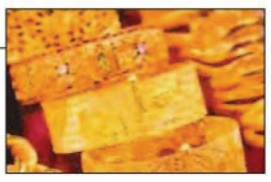

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में शुक्रवार को फुटकर और आभूषण विक्रेताओं की लिवाली के कारण सोने की कीमतें 300 रुपये बढ़कर 1,48,300 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं। स्थानीय व्यापारियों ने यह जनकारी दी है। पिछले सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,48,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। चांदी की कीमत 2,24,700 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) पर स्थिर रही।व्यापारियों ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कीमतें कमजोर होने के बावजूद फुटकर और आभूषण विक्रेताओं की लगातार लिवाली ने घरेलू सोने की कीमतों को सहारा दिया, जबकि चांदी का कारोबार सीमित दायरे में रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना 48.28 डॉलर या 1.18 प्रतिशत घटकर 4,055.56 डॉलर प्रति औंस हो गया और चांदी लगभग 2 प्रतिशत टूटकर 57.98 डॉलर प्रति औंस रह गई।

विदेशी बाजार में निवेशकों की सराफा में दिलचस्पी कम

विश्लेषकों के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने भी विदेशी बाजारों में कीमती धातुओं के प्रति निवेशकों की दिलचस्पी को कम कर दिया।

बिजनेस साइट

ताइवान एक्सीलेंस ने ऑटोमेशन एक्सपो में किया आधुनिक तकनीक का प्रदर्शन

मुंबई। भारत जहां स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, वहीं ताइवान एक विश्वसनीय प्रौद्योगिकी साझेदार के रूप में अपनी भूमिका को और मजबूत कर रहा है। इस पवेलियन में 22 पुरस्कार विजेता ताइवानी ब्रांड्स द्वारा एआई एज कंप्यूटिंग, रोबोटिक्स एवं स्मार्ट ऑटोमेशन तथा औद्योगिक उपकरण एवं कंपोनेंट्स से जुड़ी 55 से अधिक अत्याधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इस अवसर पर होमर चांग, महानिदेशक, ताइपे आर्थिक एवं सांस्कृतिक केंद्र, मुंबई ने कहा, भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते विनिर्माण बाजारों में से एक है और ताइवान औद्योगिक ऑटोमेशन में अपनी विशेषज्ञता के माध्यम से प्रौद्योगिकी साझेदारियों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्ष 2025 में भारत और ताइवान के बीच द्विपक्षीय व्यापार 12 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक रहा।

नकली मुद्रा पहचानने में कुछ बैंकों के प्रयास पर्याप्त नहीं

आरबीआई का निर्देश, बैंक नकली मुद्रा पहचानने वाली मशीनें लगाए

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को बैंकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि अंतरराष्ट्रीय सीमाओं वाले जिलों में स्थित उनकी शाखाओं में नोट की जांच करने वाली मशीनें लगी होनी चाहिए। केंद्रीय बैंक ने पाया कि नकली मुद्रा की पहचान के लिए कुछ बैंकों के प्रयास पर्याप्त नहीं थे।

केंद्रीय बैंक ने अप्रैल में जारी एक मास्टर निर्देश के माध्यम से बैंकों को नकली नोटों की पहचान करने, सूचना देने और उनकी निगरानी करने पर व्यापक निर्देश जारी किए थे। बैंकों के लिए यह अनिवार्य है कि वे नकदी संभालने वाले अपने सभी कर्मचारियों को असली बैंक नोटों की सुरक्षा विशेषताओं के बारे में प्रशिक्षित करें, ताकि वे नकली नोटों की पहचान कर सकें। इसके अलावा, बैंक को मिलने वाले सभी बैंक नोटों की प्रामाणिकता की जांच मशीनों के माध्यम से की जाएगी, सभी मामलों में जाली नोटों को जब्त किया जाना चाहिए और किसी भी परिस्थिति में जाली नोट लाने वाले को वापस नहीं लौटाया जाएगा तथा बैंक स्तर पर उसे नष्ट भी नहीं किया जाएगा।

निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार पहचान किए गए सभी जाली भारतीय मुद्रा नोटों (एफआईसीएन) की सूचना देना अनिवार्य है। एक परिपत्र के मुताबिक, ''रिजर्व बैंक के विश्लेषण से पता चलता है कि इस मामले में कुछ बैंकों के प्रयास पर्याप्त नहीं थे।''

बैंक को अपनी प्रक्रियाओं की समीक्षा करने का निर्देश

परिपत्र में बैंकों को अपनी प्रक्रियाओं की समीक्षा करने का निर्देश दिया गया है ताकि एफआईसीएन की प्रभावी ढंग से पहचान करने, उन्हें जब्त करने और उनकी सूचना देने के लिए क्षमता और तैयारी को और मजबूत किया जा सके।'' परिपत्र में कहा गया है कि मौजूदा निर्देशों के अलावा, ''बैंक यह सुनिश्चित करेंगे कि अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से लगे जिलों की शाखाएं नोट सत्यापन वाली मशीनों से लैस हों।''

बैंक नकदी संभालने वाले कर्मचारियों को प्रशिक्षित करे

दमदार पंच : गोल्ड मेडल से एक कदम दूर प्रीति और अंकुश

मुक्केबाजी में भारत का दबदबा

ग्लास्गो

भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार (54 किग्रा) और अंकुश पंघाल (80 किग्रा) ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले एकतरफा अंदाज में जीतकर राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में जगह बना ली।

भिवानी की एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता 22 वर्षीय प्रीति ने मुकाबले के दौरान शुरू से अंत तक दबदबा बनाए रखा। उन्होंने बांयी ओर से सटीक पंच और प्रभावी जवाबी हमले के दम पर म्वापे को लगातार दबाव में रखा। फाइनल में प्रीति के सामने स्कारलेट डेलगाडो की चुनौती होगी।

प्रीति ने बनाया एकतरफा वर्चस्व

म्वापे पूरे मुकाबले में प्रभावी पंच लगाने के लिए जूझती रहीं, जबकि प्रीति के संयोजित पंच का उनके पास कोई जवाब नहीं था। पहले दो राउंड में जाम्बिया की मुक्केबाज को तीन बार 'एट काउंट' का सामना करना पड़ा, जो भारतीय मुक्केबाज के एकतरफा वर्चस्व का प्रमाण रहा। दूसरे राउंड में प्रीति के प्रदर्शन से प्रभावित सभी पांच निर्णायकों ने उन्हें 10-8 का स्कोर दिया। अंतिम राउंड में म्वापे मुकाबले में वापसी की कोशिश करने के बजाय प्रीति के आक्रामक हमलों से बचती नजर आईं।

मैं किसी भी प्रतिद्वंद्वी को हल्के में नहीं लेती

प्रीति ने जीत के बाद कहा, मैं बहुत खुश हूं कि जिस तरह की तैयारी की थी, उसे रिंग में उतारने में सफल रही। अब मेरा पूरा ध्यान स्वर्ण पदक जीतने पर है और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगी।' उन्होंने कहा, 'मैं किसी भी प्रतिद्वंद्वी को हल्के में नहीं लेती। अपने कोच के साथ हर मुकाबले की पूरी तैयारी करती हूं और खुशी है कि उन योजनाओं को अमल में ला पा रही हूं।'

- प्रीति पवार
भारतीय मुक्केबाज

अंकुश ने ओफोरी को 5-0 से हराया

दूसरी ओर, अंकुश ने भी 80 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में कनाडा के जोशुआ ओफोरी को 5-0 से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। शुरुआती दो राउंड में भारतीय मुक्केबाज के शानदार प्रदर्शन के सामने ओफोरी बार-बार 'क्लिंचिंग' (प्रतिद्वंद्वी मुक्केबाज को जकड़ कर मुकाबले की गति प्रभावित करने की कोशिश) का सहारा लेने को मजबूर हुए। दूसरे राउंड की शुरुआत में ओफोरी ने आक्रामक रुख अपनाने की कोशिश की, लेकिन अंकुश ने संयम बनाए रखते हुए दबाव को आसानी से झेला और सटीक पंचों के संयोजन से जवाब देते हुए एकतरफा 5-0 की जीत दर्ज की।

चक्का फेंक : सीमा की शानदार वापसी, जीता कांस्य पदक

सीमा कालीरमण को गर्भावस्था के बाद गठिया हो गया था लेकिन उन्होंने इस पर काबू पाया और पिछले साल वापसी करने के बाद यहां राष्ट्रमंडल खेलों में महिला चक्का फेंक स्पर्धा में कांस्य पदक जीता लेकिन वह अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से मामूली अंतर से चूक गईं। उनकी साथी खिलाड़ी निधि रानी इसी स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहीं। सीमा ने 58.65 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

तीसरे प्रयास में हासिल की दूरी

भारतीय खिलाड़ी ने यह दूरी अपने तीसरे प्रयास में हासिल की। वह हालांकि 59.73 मीटर के अपने निजी और सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से पीछे रहीं। निधि ने 57.10 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ चौथा स्थान हासिल किया। उनका निजी और सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 58.82 मीटर है। जमैका की समंथा हॉल ने अपने पांचवें प्रयास में 61.66 मीटर की सर्वश्रेष्ठ दूरी के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया जबकि कनाडा की जूलिया टंक्स ने 60.67 मीटर के प्रयास के साथ रजत पदक जीता।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाई : सीमा

सीमा ने कहा, 'मैं अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तो नहीं कर पाई, लेकिन अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध थी।' हरियाणा के भिवानी की रहने वाली 27 वर्षीय सीमा ने गर्भावस्था के बाद गठिया और घुटने की चोट जैसी जटिल समस्याओं से उबरने के लिए कुछ समय तक खेल से दूर रहने के बाद वापसी की। उनका बेटा अब चार साल का है। सीमा भिवानी के चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय से शारीरिक शिक्षा में पीएचडी भी कर रही हैं।

अरुंधति ने किया उलटफेर, जैस्मीन भी जीती

अरुंधति चौधरी ने 70 किग्रा वर्ग में मौजूदा चैंपियन वेल्स की रोजी एक्लेस को हराकर बड़ा उलटफेर किया जबकि विश्व चैंपियन जैस्मीन लांबोरिया (57 किग्रा) ने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बना ली है। अरुंधति ने एक संघर्षपूर्ण और रोमांचक मुकाबले में रोजी एक्लेस को 4-0 के फैसले से हराया। अरुंधति ने पूरे मुकाबले में संयम बनाए रखा और प्रभावी पंच के दम पर गत चैंपियन पर बढ़त कायम रखी।

सेमीफाइनल में जैस्मीन

जैस्मीन सेमीफाइनल में एकतरफा प्रदर्शन करते हुए आरएससी (रेफरी द्वारा मुकाबला रोकना) से जीत दर्ज की। लेसोथो की रापेलांग मासेलेला की उनकी प्रतिद्वंद्वी को दूसरे राउंड के अंतिम क्षणों में तीसरी बार स्टैंडिंग काउंट मिलने के बाद रेफरी ने मुकाबला रोक दिया। जैस्मीन ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और अपनी तेज पंच की बौछार कर से प्रतिद्वंद्वी मुक्केबाज पर दबाव बनाए रखा।

खबर संक्षेप

टीम इंडिया ने लगातार दूसरी बार जीता कांस्य

ओंटारियो। भारतीय पुरुष टीम विश्व जूनियर स्क्वाश टीम चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में अमेरिका से 0-2 से हार गई और उसे कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय महिला टीम के क्वार्टर फाइनल में अमेरिका से हारने के एक दिन बाद पांचवीं वरीयता प्राप्त पुरुष टीम भी उसी प्रतिद्वंद्वी से पार पाने में नाकाम रही। भारत के गुरवीर सिंह ने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन उनके प्रतिद्वंद्वी ने वापसी करते हुए मैच 11-7, 9-11, 6-11, 11-7, 11-3 से जीत लिया। दूसरे मैच में भारत के नंबर एक खिलाड़ी आर्यवीर दीवान अमेरिका के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी यासीन शलाबी से 0-3 (5-11, 7-11, 5-11) से हार गए। भारतीय पुरुष टीम ने इस प्रतियोगिता में लगातार दूसरी बार कांस्य पदक जीता है।

खेलो इंडिया को 29 हजार करोड़ का बजट

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने स्वतंत्रता के बाद का सबसे महत्वाकांक्षी खेल विकास कार्यक्रम बताते हुए खेलो इंडिया योजना के विस्तार और राष्ट्रीय खेल महासंघों को दी जाने वाली सहायता (एएनएसएफ) के बजट के लिए अगले पांच वर्षों कुल 36,441 करोड़ रुपए के खर्च को मंजूरी दी। सरकार ने खेलो इंडिया योजना के लिए अगले पांच वर्षों में 29,054 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। इस योजना का उद्देश्य जमीनी स्तर पर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें तैयार करना है, ताकि भारत 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी और 2036 ओलंपिक की मेजबानी की दावेदारी के माध्यम से वैश्विक खेल केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ सके।

फिट हुआ टीम इंडिया का धाकड़ खिलाड़ी

श्रीलंका टेस्ट सीरीज : बुमराह ने किया फिटनेस टेस्ट पास

नई दिल्ली

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सभी फिटनेस टेस्ट पास कर लिए हैं और उन्हें बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) ने अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में खेलने की अनुमति दे दी है।

बुमराह को उनकी फिटनेस के आधार पर भारतीय टीम में शामिल किया गया था। वह हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के दौरान चोटिल हो गए थे। चोट के कारण उन्हें लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे से बाहर बैठना पड़ा था।

15 अगस्त से गॉल में शुरू होगा पहला टेस्ट

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, 'जसप्रीत बुमराह चोट से उबर चुके हैं। उन्होंने फिटनेस से जुड़े सभी टेस्ट पास कर लिए हैं। उम्मीद है कि वह श्रीलंका के खिलाफ दोनों मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे क्योंकि वह टीम रणनीति का अभिन्न अंग हैं।' भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगा जबकि दूसरा मैच 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। भारत को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने की दौड़ में बने रहने के लिए वर्तमान चक्र के शेष नौ टेस्ट मैचों में से सात मैच में जीत दर्ज करनी होगी।

राणा, रेड्डी और वाशिंगटन बाहर

तेज गेंदबाज हर्षित राणा और ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी चोटिल होने के कारण श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे। ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर भी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पहले टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं जबकि तेज गेंदबाज आकाशदीप अभी तक पीठ की दर्द से नहीं उबर पाए हैं।

उन्नति ने 42 मिनट में दर्ज की जीत हमवतन देविका को दी करारी शिकस्त

ताइपे ओपन : 18 वर्षीय उन्नति ने कटाया सेमीफाइनल का टिकट

ताइपे

बैडमिंटन खिलाड़ी उन्नति हुड्डा ने ताइपे ओपन के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में हमवतन देविका सिहाग को 23-21, 21-16 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। दो भारतीय खिलाड़ियों के बीच हुए इस मुकाबले का पहला गेम बेहद रोमांचक रहा जहां उन्नति ने धैर्य का परिचय देते हुए 23-21 से जीत दर्ज की। उन्नति ने शानदार शुरुआत करते हुए 11-3 की बढ़त बना ली, लेकिन देविका ने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर 21-21 से बराबर कर दिया।

उन्नति ने निर्णायक क्षणों में बनाए रखा संयम

उन्नति ने निर्णायक क्षणों में संयम बनाए रखते हुए लगातार दो अंक जीतकर पहला गेम 23-21 से अपने नाम कर लिया। तीसरी वरीयता प्राप्त 18 वर्षीय उन्नति ने दूसरे गेम में भी अपना दबदबा कायम रखा और आठवीं वरीय देविका को 21-16 से शिकस्त देकर 42 मिनट में मुकाबला जीत लिया। सेमीफाइनल में उन्नति का सामना चीनी ताइपे की चियू पिन-चियान और वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा। भारत की तन्वी शर्मा और किरण जॉर्ज अपने-अपने एकल क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में क्रमशः थाईलैंड की सुपानिदा केतेथोंग और जापान के युदाई ओकिमोटो से भिड़ेंगे।

महिला क्रिकेट

श्रीलंका की शानदार बल्लेबाजी पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया

दांबुला

श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 6 विकेट से हराया। श्रीलंका के रंगिरी दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान से मिले 177 रनों के लक्ष्य को श्रीलंका ने 19 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल किया। श्रीलंका की ओर से इमेशा दुलानी ने नाबाद शतकीय पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत दमदार रही। पहले विकेट के लिए कप्तान चमारी अटापट्टू और इमेशा दुलानी ने मिलकर 78 रन जोड़े। अटापट्टू ने

- इमेशा ने खेली नाबाद शतकीय पारी

बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 22 गेंदों में 39 रनों की शानदार पारी खेली। हालांकि, विश्मी गुणरत्ने बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और महज 3 रन बनाकर आउट हुईं। हर्षिता समरविक्रमा सिर्फ 7 रन ही बना सकीं, जबकि कविशा दिलहारी 11 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। हालांकि, इमेशा ने एक छोर संभाले रखा और उन्होंने 64 गेंदों में 101 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस इनिंग में इमेशा ने 17 चौके और एक छक्का लगाया।

जर्सी विवादः अध्यक्ष ने कहा- मुझे तो जानकारी भी नहीं थी

जर्सी पर बटी हॉकी इंडिया, अध्यक्ष टिर्की ने सचिव भोलानाथ से मांगी सफाई

नई दिल्ली

भारतीय हॉकी टीमों की जर्सी का रंग बदलने के फैसले पर विवाद बढता ही जा रहा है और हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने अब महासंघ के पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा है कि उनकी और कार्यकारी बोर्ड की जानकारी या सहमति के बिना यह बड़ा फैसला कैसे लिया गया, जबकि महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा कि सभी अधिकारियों को इस बदलाव की जानकारी थी।

नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 अगस्त से शुरू हो रहे विश्व कप से पहले भारतीय टीमों की जर्सी का रंग नीले से केसरिया कर दिया गया, जिसे लेकर वीरेन रासकिन्हा, परगट सिंह, वी भास्करन, धनराज पिल्लै जैसे पूर्व खिलाड़ियों ने सवाल उठाए हैं। वहीं मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया और विपक्षी दलों ने इस पर

टिर्की ने मांगा लिखित में स्पष्टीकरण

टिर्की सहित हॉकी इंडिया के पदाधिकारियों का कहना था कि खेल के मैदान पर इस्तेमाल होने वाली नीली पिच से रंग की समानता से बचने के लिए यह पूरी तरह से तकनीकी निर्णय था। लेकिन अब टिर्की ने कार्यकारी बोर्ड को भेजे ईमेल में लिखा,' जर्सी का रंग बदलने का फैसला कार्यकारी बोर्ड के समक्ष रखने या मेरी पूर्व जानकारी के बिना लिया गया। मैं हॉकी इंडिया पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण चाहता हूं कि मुझे तुरंत लिखित में बताया जाए कि इस फैसले का आधार क्या था, किस प्रक्रिया का पालन किया गया और किन हालात में इस फैसले को मंजूरी दी गई और लागू किया गया।'

खिलाड़ियों से किया गया परामर्श : महासचिव

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा कि खिलाड़ियों से उचित परामर्श के बाद उनकी मांगों को ही लागू किया है। उन्होंने कहा, 'जर्सी का रंग बदलने के फैसले के बारे में ग्रुप में जानकारी दी गई थी, इसलिए सभी अधिकारियों को इसका पता होना चाहिए। हमने कभी नहीं सोचा था कि यह इतना बड़ा मुद्दा बन जाएगा। रंग बदलने के लिए हम पर कहीं से भी कोई बाहरी दबाव नहीं था। इसे बेवजह राजनीतिक रंग दिया जा रहा है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या हॉकी इंडिया इस फैसले पर पुनर्विचार करेगा, तो सिंह ने कहा, 'मैं अकेले फैसले नहीं ले सकता। हमें इस पर चर्चा करनी होगी। आखिरकार, यह खिलाड़ियों और कोचों की मांग थी और हमने उनकी बात मानी।'

बोर्ड के सदस्य को नहीं दी जानकारी

सूत्र ने यह भी बताया कि मामले के तूल पकड़ने के बाद ओडिशा सरकार को 30 जुलाई को जर्सी का रंग बदले जाने के संदर्भ में ईमेल भेजा गया है जबकि जर्सी 28 जुलाई को लांच की गई थी। कार्यकारी बोर्ड के एक सदस्य ने संपर्क करने पर बताया कि उन्हें जर्सी का रंग बदले जाने की कोई जानकारी नहीं थी और न ही उनसे राय ली गई बल्कि लांच के बाद ही उन्हें पता चला।

कुलगाम आतंकी हमला: सीएम उमर अब्दुल्ला ने पीड़ित परिवार के लिए 10 लाख रुपये मुआवजे का किया ऐलान

एजेंसी

श्रीनगर: दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के केलम में शुक्रवार को आतंकवादियों ने दो प्रवासी मजदूरों को निशाना बनाया. इस हमले में छत्तीसगढ़ के दोनों मजदूर की मौत हो गयी. शनिवार को जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने प्रवासी मजदूरों की हत्या की कड़े शब्दों में निंदा की है.उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि उन्होंने हमले के बाद पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात और वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों से बात की है. सिन्हा ने कहा, ₹मैं इस कायरतापूर्ण हरकत की कड़ी निंदा करता हूं. उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने सुरक्षा बलों को अभियान तेज करने और आतंकवादियों का खात्मा करने का निर्देश दिया है.सिन्हा ने कहा कि घायल मजदूर को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है और उन्होंने भरोसा दिलाया कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन और पूरा देश प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा है.मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस घटना की कड़ी निंदा की. अब्दुल्ला ने मृतकों के परिवारों के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से 10-10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की. यह मदद जिला प्रशासन द्वारा दी जाने वाली 6-6 लाख रुपये की तत्काल राहत के अतिरिक्त होगी.मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की और कहा कि इस कठिन समय में सरकार उनके साथ मजबूती से खड़ी है.पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि वह इन हत्याओं की निंदा करती हैं. उन्होंने कहा, ₹वे अपने परिवारों का पेट पालने के लिए अपने घर से इतनी दूर दिन-रात कड़ी मेहनत करते हैं. हिंसा की ऐसी बेतुकी हरकतों में उन्हें निशाना बनाना अकल्पनीय रूप से क्रूर है.मुफ्ती ने कहा कि प्रवासी मजदूर रोजगार की तलाश में कश्मीर आते हैं और उन्हें कभी भी हिंसा का निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए. उन्होंने कहा, इस घटना की निंदा करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं. उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था पर भी चिंता जताते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि कहीं न कहीं कोई चूक हुई है.उन्होंने आगे कहा कि सरकार को इस बात की जांच करनी चाहिए कि सेना, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) और पुलिस की मौजूदगी के बावजूद आतंकवादी निहत्थे नागरिकों पर हमला करने में कैसे कामयाब रहे.मीरवाइज-ए-कश्मीर मीरवाइज उमर फारूक ने कुलगाम के देवसर इलाके में छत्तीसगढ़ के दो मजदूरों की हत्या की निंदा की. उन्होंने कहा कि हिंसा के रास्ते को पूरी तरह छोड़ देना चाहिए. उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की. शर्मा ने कहा, ₹इन कायर आतंकवादियों ने कश्मीर में ईमानदारी से रोजी-रोटी कमाने आए मासूम मजदूरों को निशाना बनाकर एक बार फिर अपनी कायरता दिखाई है.उन्होंने आगे कहा, ₹इन दो मजदूरों की हत्या इंसानियत की हत्या है. मुझे हमारे सुरक्षा बलों पर पूरा भरोसा है, जिम्मेदार लोगों और उनका साथ देने वालों को बख्शा नहीं जाएगा.इस बीच, संसद में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हमलावरों के लिए ₹कड़े से कड़े दंड₹ की मांग की है. उन्होंने कहा, ₹जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में हुआ कायरतापूर्ण आतंकवादी हमला, जिसमें हमारे देश के दो मजदूरों की हत्या कर दी गई, बेहद दुखद है. मैं पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं.

पहले भूत-प्रेत का डर दिखाया, फिर 10 करोड़ का दिया लालच; ढोंगी बाबा ने महिला से ठग लिए 2.5 करोड़

एजेंसी

बेंगलुरु: भूत-प्रेत भगाने को झांसा देकर एक महिला से 2.5 करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है. महिला की शिकायत के आधार पर सीसीबी (CCB) थाने में ढोंगी बाबा अफसर पाशा और बिचौलियों शंकर और भरत के खिलाफ एफआईआर (FIR) दर्ज की गई है. मूल रूप से आंध्र प्रदेश की रहने वाली और फिलहाल चामराजपेट की निवासी कुमुदा से यह धोखाधड़ी हुई है. आरोपियों ने कुमुदा के बेटे के एक्सीडेंट का फायदा उठाया और उन्हें यह विश्वास दिला दिया कि घर में मौजूद बुरी आत्माओं के कारण ही उनके बेटे का एक्सीडेंट हुआ है.

इसके बाद, उन्होंने अफसर पाशा नाम के व्यक्ति से यह कहकर मिलवाया कि अगर वह पूजा करेगा तो सारी समस्याओं का हल हो जाएगा. अफसर पाशा ने शुरू में पूजा के नाम पर 8 लाख रुपये लिए और उनके घर पर पूजा की. इसके बाद, जालसाजों ने उन्हें भरोसा दिया कि उन्हें रिजर्व बैंक (RBI) से 500 करोड़ रुपये मिलने वाले हैं. अगर वो अभी 2.5 करोड़ रुपये उधार दे दें, तो बैंक से पैसा मिलते ही 10 करोड़ रुपये वापस कर देंगे. ढोंगी बाबा और बिचौलियों के झांसे में आकर कुमुदा ने चामराजपेट स्थित अपना घर 8.5 करोड़ रुपये में बेच दिया और उसमें से 2.5 करोड़ रुपये जालसाजों को दे दिए. कुमुदा का आरोप है कि बाद में जब आरोपी उनसे मिलने से कतराने लगे तो उन्हें शक हुआ. जब कुमुदा ने अपने पैसे वापस मांगे, तो आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी. ठगी का अहसास होने पर कुमुदा ने सीसीबी थाने में शिकायत दर्ज कराई. सीसीबी थाने में अफसर पाशा, शंकर और भरत के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है. पुलिस ने बताया कि आरोपी फरार हैं और उनकी तलाश जारी है.

12-13 सितंबर को दिल्ली में ऐसा दिखेगा नजारा, व्हाइट हाउस से लेकर नाटो मुख्यालय तक मच जाएगी खलबली

एजेंसी

नयी दिल्ली: दिल्ली में सजने वाला है आरआईसी यानी रूस, भारत, चीन का वो महामंच जिसके नाम मात्र से ही वाइट हाउस से लेकर नाटो के मुख्यालयों तक खलबली मच जाती है। दरअसल कूटनीति में एक शब्द बहुत मशहूर है। आरआईसी यानी रशिया, इंडिया, चाइना। सालों तक यह सिर्फ कागजों पर रहा, लेकिन साल 2026 की दिल्ली समिट इसे हकीकत के धरातल पर उतार रही है। इतिहास गवाह है कि जब-जब दुनिया किसी बड़े संकट की ओर बढ़ती है तब-तब समाधान की तलाश में दुनिया की नजरें भारत की तरफ मुड़ती है। लेकिन 12-13 सितंबर 2026 को दिल्ली की धरती पर जो होने जा रहा है वैसा नजारा दुनिया ने दशकों से नहीं देखा होगा। यह सिर्फ प्रधानमंत्री और राष्ट्रपतियों की एक और रूटीन मुलाकात नहीं है। यह ग्लोबल पॉलिटिक्स का वह कुरुक्षेत्र है जहां दुनिया का नया भूगोल और नया इतिहास लिखा जाने वाला है। दिल्ली में सजने वाला है आरआईसी यानी रूस, भारत, चीन का वो महामंच जिसके नाम मात्र से ही वाइट हाउस से लेकर नाटो के मुख्यालयों तक खलबली मच जाती है। दरअसल कूटनीति में एक शब्द बहुत मशहूर है। आरआईसी यानी रशिया, इंडिया, चाइना। सालों तक यह सिर्फ कागजों पर रहा, लेकिन साल 2026 की दिल्ली समिट इसे हकीकत के धरातल पर उतार रही है। सोचिए जब दुनिया की तीन सबसे बड़ी सेनाएं, तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और तीन परमाणु शक्तियां एक ही मेज पर बैठकर चाय की चुस्कियों के साथ भविष्य का एजेंडा तय करेंगी, तो क्या होगा? पश्चिम को डर इस बात का नहीं है कि यह साथ मिल रहे हैं। डर इस बात का है कि इनके पास डीडोलाइजेशन का हथियार है। अगर दिल्ली में इन तीनों ने डॉलर के विकल्प के तौर पर अपनी मुद्राओं में व्यापार को अंतिम मुहर लगा दी तो अमेरिकी डॉलर का साम्राज्य ताश के पत्तों की तरह ढह सकता है और यह पावरफुल तगड़ी संदेश दे रही है कि अब दुनिया का रिमोट कंट्रोल वाशिंगटन में नहीं बल्कि नई दिल्ली के इस हॉल में होगा। वैसे इस समिट की सबसे बड़ी ब्रेकिंग न्यूज है चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का भारत आना। अक्टूबर 2019 में जब वे आए थे भारत तब माहौल कुछ और था। लेकिन साल 2020 में लद्दाख की गलवान घाटी में चोक हुआ। उसने रिश्तों में दशकों पुरानी कड़वाहट भर दी। अब 5 साल बाद जिनपिंग का दिल्ली आना कोई साधारण घटना नहीं है। क्या पीएम मोदी और शिजनपिंग के बीच होने वाली द्विपक्षी बातचीत एलएसी पर हमेशा के लिए शांति का रास्ता तय कर देंगी? अगर भारत और चीन के बीच आर्थिक संबंधों की नई शुरूआत होती है तो यह एशिया के लिए स्वर्ण युग की शुरूआत हो सकती है जो पश्चिम देशों के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं होगा। हालांकि इस बार ब्रिक्स की मेज पर वो मुद्दे नहीं होंगे जो सालों से चल रहे थे। इस बार तीन बिल्कुल नए और संवेदनशील मुद्दों पर मंथन होगा। मुद्दा नंबर एक है ईरान की शक्ति प्रदर्शन और चाबहार का रास्ता। देखिए ईरान के राष्ट्रपति का दिल्ली आना एक मास्टर स्ट्रोक है। एक तरफ इजराइल और अमेरिका के साथ ईरान की जंग जैसी स्थिति है। हर दिन क्या हो रहा है हम आपको बता रहे हैं। और दूसरी तरफ भारत के साथ उनका पुराना सांस्कृतिक और रणनीतिक रिश्ता। दिल्ली में पिजिशियान सिर्फ अपनी बात नहीं रखेंगे बल्कि चाबहार पोर्ट प्रोजेक्ट को फिर से जीवित करेंगे जो भारत को मध्य एशिया और रूस तक सीधा रास्ता देता है। यह कॉरिडोर स्वेज नहर का सबसे बड़ा विकल्प बनकर उभरेगा। मुद्दा नंबर दो बांग्लादेश और भारत की बड़े भाई वाली भूमिका। भारत ने बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान को बुलाकर यह साफ कर दिया है कि इफ्क्रसिर्फ बड़े देशों का क्लब नहीं है।

कमर्शियल सिलेंडर सस्ता होने से लेकर आईटीआर-क्रेडिट कार्ड तक, बदल गए कई नियम

एजेंसी

नयी दिल्ली : अगस्त महीने की शुरूआत के साथ ही आम लोगों की जेब और रोजमर्रा के कामों से जुड़े कई नियम बदल गए हैं. आज से एलपीजी गैस सिलेंडर की नई कीमतों के अलावा इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर), क्रेडिट कार्ड, रेलवे की तत्काल टिकट बुकिंग और सीकेवाईसी से जुड़े नए नियम लागू हो गए हैं. ऐसे में इन बदलावों की जानकारी होना जरूरी है, ताकि किसी तरह की परेशानी या अतिरिक्त खर्च से बचा जा सके.

कमर्शियल गैस सिलेंडर हुआ सस्ता

हर महीने की पहली तारीख को तेल कंपनियां एलपीजी सिलेंडर की कीमतों की समीक्षा करती हैं. इस बार 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में 200 रुपये से ज्यादा की कटौती की गई है. दिल्ली में कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 202 रुपये की कटौती के बाद यह 2,728 रुपये में मिलेगा. हालांकि 14.2 किलो वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है.

आईटीआर देर से भरने पर देना होगा जुमार्ना

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बिना ऑडिट वाले आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई थी. यानी आज से रिटर्न भरने वाले टैक्सपेयर्य को लेट फीस देनी होगी. जुमार्ने की राशि करदाता की आय के अनुसार तय होगी. इसलिए जिन लोगों ने अब तक क्ळफ दाखिल नहीं किया है, उन्हें जल्द प्रक्रिया पूरी कर लेनी चाहिए.

क्रेडिट कार्ड के नियमों में बदलाव

1 अगस्त से कई बैंकों ने अपने क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में बदलाव किया है. रिवॉर्ड पॉइंट, लेट पेमेंट चार्ज, प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्कों में संशोधन किया गया है. ऐसे में कार्डधारकों को अपने बैंक की नई शर्तें जरूर देख लेनी चाहिए, ताकि बाद में अतिरिक्त शुल्क न देना पड़े.

तत्काल टिकट के लिए टोकन सिस्टम

रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग को आसान बनाने के लिए पश्चिम मध्य रेलवे के रिजर्वेशन काउंटरों पर टोकन सिस्टम शुरू किया है. अब यात्रियों को पहले टोकन मिलेगा और उसी क्रम में टिकट जारी किए जाएंगे. इससे लंबी कतारों और अव्यवस्था से राहत मिलने की उम्मीद है.

सीजेआई सूर्यकांत बोले- हर विवाद का अंत कोर्ट नहीं, संतरे की कहानी से समझाया मध्यस्थता का महत्व

एजेंसी

जयपुर: सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि यदि शुरूआत में ही व्यक्ति की वास्तविक जरूरत जान ली जाए तो विवाद ही उत्पन्न नहीं होता. कई बार समाधान अधिकार तय करने में नहीं, बल्कि वास्तविक आवश्यकता समझने में होता है. कानून कभी यह नहीं कहता कि हर विवाद का अंत कोर्ट में ही हो. कानून का उद्देश्य यह तय करना है कि हर नागरिक को सस्ता, सम्मानजनक और सुलभ न्याय मिले. सीजेआई ने यह विचार जयपुर में चल रही पीस मिडिएशन एंड रूल ऑफ लॉ विषय पर आयोजित तीन दिवसीय कांफ्रेंस के दूसरे दिन आयोजित सेशन में रखे.

संतरे की कहानी से समझाया: सीजेआई ने एक कहानी सुनाते हुए कहा कि दो बहनें एक ही संतरे के लिए झगड़ा कर रहीं थी. इस दौरान पता चला कि एक बहन को सिर्फ छिलका चाहिए था और दूसरी को उसका रस. मुकदमा यह तय करता है कि संतरे का मालिक कौन है, जबकि मीडिएशन यह जानने का प्रयास करती है कि किसे क्या चाहिए. महात्मा गांधी का उदाहरण देते हुए सीजेआई ने कहा कि उनका संतोषजनक क्षण वह होता था, जब वे कोर्ट के बार पक्षकारों के बीच समझौता कराते थे.

गावों में मध्यस्थता सदियों से मौजूद: इस मौके पर सुप्रीम कोर्ट के जज विजय बिश्नोई ने कहा कि मध्यस्थता को भले ही हाल ही के सालों में औपचारिक रूप से मान्यता मिली हो, लेकिन यह भारत के गांवों और पंचायतों में सदियों से मौजूद है. हर मुकदमा केवल एक कानूनी विवाद नहीं होता, बल्कि उसके पीछे ऐसे लोग होते हैं जो न्याय, सम्मान और मानसिक शांति की प्रतीक्षा कर रहे होते हैं.

बड़े विवाद सुलझाने का जरिया: कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए जस्टिस पुष्पेंद्र सिंह भाटी ने कहा कि जब पहली बार प्रदेश में मीडिएशन को शुरू किया गया था तो इसे व्यावहारिक नहीं बताया गया था, लेकिन समय बीतने के बाद अब यह कई बड़े विवाद सुलझाने का जरिया बन गया है. उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान में एक ओर युद्ध हो रहा है तो दूसरी ओर टेबल पर बैठकर बातचीत भी हो रही है. कुछ देश इसमें मध्यस्थता भी कर रहे हैं, आखिर में हल मध्यस्थता से ही निकलता है. वहीं, राजस्थान हाईकोर्ट के एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि पहली मीडिएटर मां होती है, जो परिवार के दो बच्चों के बीच के झगड़े को सुलझाती है, जब वह फेल होती है, तो दूसरे मीडिएटर के तौर पर पिता सामने आते हैं.

तमिलनाडु के पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी के दो करीबी सहयोगी गिरफ्तार

एजेंसी

चेन्नई: तमिलनाडु के सतर्कता एवं भ्रष्टाचार-विरोधी निदेशालय (DVAC) ने TASMAC (तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन) में कथित गड़बड़ियों के सिलसिले में पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी के दो करीबी सहयोगी कार्तिक और रमेश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है.DVAC ने पिछली सरकार के दौरान TASMAC में कथित गड़बड़ियों के बारे में सरकार से मिले पत्र और उनके साथ संलग्न दस्तावेज की वास्तविकता की जांच की. जब यह पाया गया कि इस गड़बड़ के बारे में शिकायत में अपराध करने का आधार था, तो ऊश्अउ ने 28 जुलाई को केस दर्ज किया और जांच शुरू की. जांच के बाद, इस मामले में शुरू में पूर्व आबकारी मंत्री सेंथिल बालाजी, TASMAC के एमडी विसकान, TASMAC अधिकारी रामदुरई मुरुगन, पन्नीरसेल्वम, भास्कर, रमेश और कार्तिक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, जो सेंथिल बालाजी के करीबी थे. इस मामले में पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी की ओर से मद्रास हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत की मांग करते हुए एक याचिका दायर की गई थी. उस याचिका के खारिज होने के बाद, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में अपील की, जिसने उन्हें अग्रिम जमानत दे दी.

सेंथिल बालाजी के दोस्त गिरफ्तार

ऐसे में अब DVAC ने करूर जिले से सेंथिल बालाजी के दो करीबी लोगों कार्तिक और रमेश को गिरफ्तार किया है. दोनों को एक अज्ञात जगह पर रखकर कई घंटों तक कड़ी पूछताछ की, फिर कोर्ट में पेश करके जेल भेज दिया गया. गिरफ्तार किए गए दो लोगों को पहले भी एक मामले में गिरफ्तार किया गया था, जिसमें उन पर ळश्ऊ के विधायकों से बातचीत करने की कोशिश करने का आरोप था. उस मामले में जमानत पर रिहा होने के बाद, उन्हें अब TASMAC धोखाधड़ी मामले में फिर से गिरफ्तार किया गया है. कहा जा रहा है कि TASMAC घोटाले की जांच के दौरान मिली जानकारी और जब्त किए गए दस्तावेजों के आधार पर पता चला है कि कार्तिक और रमेश दोनों इस मामले में शामिल हैं. हालांकि रमेश का नाम FIR में नहीं था, लेकिन अधिकारियों ने कहा है कि उसे जरूरी जानकारी और सबूतों के आधार पर गिरफ्तार किया गया है. DVAC के जांच अधिकारी अब पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी और अन्य को पूछताछ के लिए बुलाने की योजना बना रहे हैं. अधिकारी TASMAC में कथित गड़बड़ियों की जांच कर रहे हैं ।

खराब मौसम के बीच समुद्र में नाव का इंजन फेल, जानें फिर कैसे बची 17 मछुआरों की जान

कोझिकोड : केरल के कोझिकोड जिले में स्थानीय लोगों और तटीय पुलिस ने समुद्र में फंसे 17 मछुआरों को बचाया. दरअसल, वे नाव के इंजन में खराबी आने के चलते बीच समुद्र में फंस गए थे. यह घटना कडालुंडी कप्पलंगडी के पश्चिम में हुई. मछुआरों का ये समूह बेपोर हार्बर से निकला था.बीच समुद्र में अचानक इंजन फेल होने से यह मुश्किल खड़ी हो गई. राज्य भर में लगातार भारी बारिश और खराब मौसम की वजह से समुद्र में तूफान जैसी स्थिति थी. जैसे ही इंजन ने काम करना बंद किया, नाव का कंट्रोल खो गया और वह बड़ी लहरों में फंस गई. तेज हवाओं और भारी बारिश से नाव पर सवार लोगों में बहुत ज्यादा घबराहट फैल गई.एक बड़ी मुसीबत को टालते हुए, मछुआरों ने मदद के लिए एक डिस्ट्रेस सिग्नल भेजा, क्योंकि उनके कम्युनिकेशन सिस्टम ठीक से काम कर रहे थे. इसलिए वे बिना किसी देरी के अधिकारियों को अलर्ट कर सके.मछुआरों के फंसे होने की जानकारी मिलने पर, कोस्टल पुलिस मौके पर पहुंची. रेस्क्यू टीमों ने ऑपरेशन तेजी से पूरा किया. हालांकि शुरूआत में बड़ी लहरों ने उनकी कोशिशों में रुकावट डाली.तेज लहरें और तेज हवाएं रेस्क्यू करने वालों के लिए एक बड़ी चुनौती थीं. हालांकि, अनुभवी स्थानीय मछुआरों और पुलिस के बीच सही तालमेल ने फंसे हुए मछुआरों को बचाने के मिशन की सफलता पक्की की.

भारत-तिब्बत सीमा व्यापार का विधिवत शुभारंभ, 20 सदस्यीय पहला व्यापारिक दल पहुंचा तकलाकोट

एजेंसी

.देहरादून: भारत-चीन सीमा व्यापार का आज 1 अगस्त 2026 से विधिवत शुभारंभ हो गया है. इस कड़ी में आज पहला भारतीय व्यापारिक दल तिब्बत के तकलाकोट पहुंचा. जहां आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद व्यापारिक गतिविधियां शुरू की गई. फिलहाल, पहले दल मे 16 व्यापारी और 4 हेल्परों ने लिपुलेख दर्रे से पारंपरिक सीमा व्यापार शुरू किया है. अल्मोड़ा और उत्तराखंड के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण और एतिहासिक व्यापार गतिविधि आज से शुरू हो गई. जनपद पिथौरागढ़ के धारचूला स्थित ऐतिहासिक लिपूलेख दर्रे के माध्यम से वर्ष 2026 के भारत-चीन सीमा व्यापार का आज को विधिवत शुभारंभ हो गया. व्यापार प्रारंभ होने के साथ ही भारतीय व्यापारियों का पहला दल सफलतापूर्वक चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र स्थित तकलाकोट मंडी पहुंचा. आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद व्यापारिक गतिविधियां शुरू की गई. पहले दल मे 16 व्यापारी और 4 हेल्पर शामिल हैं. उपजिलाधिकारी धारचूला व व्यापार अधिकारी आशीष जोशी ने बताया 31 जुलाई की शाम लगभग 5 बजे भारत-तिब्बत व्यापार संघ के अध्यक्ष जीवन सिंह रॉकली के साथ 16 पंजीकृत व्यापारी एवं 4 हेल्परों सहित कुल 20 सदस्यों ने गुंजी स्थित इमीग्रेशन कार्यालय में निर्धारित आव्रजन प्रक्रिया पूर्ण की. इसके बाद सभी दल के सदस्यों ने नाभीढांग में रात्रि विश्राम किया. उन्होंने बताया शनिवार लगभग 10:15 बजे लिपूलेख दर्रे पर चीन के अधिकारियों द्वारा सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण की गई. जिसके बाद भारतीय व्यापारियों ने तिब्बत की सीमा में प्रवेश किया. जहां उन्होंने तकलाकोट मंडी पहुंचकर व्यापारिक गतिविधियां शुरू की. उपजिलाधिकारी धारचूला आशीष जोशी ने बताया आगामी व्यापारिक दलों के चीन प्रस्थान की तिथियों के निर्धारण के संबंध में चीनी प्रशासन के साथ ई-मेल के माध्यम से नियमित समन्वय एवं पत्राचार किया जा रहा है

संक्षिप्त खबर

डूबते पाकिस्तान को सऊदी ने दिया वफादारी का ईनाम, 5 अरब डॉलर का सहारा

पाकिस्तान : पाकिस्तान के वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब और स्टेट बैंक के गवर्नर जमील अहमद आज छाती ठोक कर कह रहे हैं कि सऊदी ने हमारी मदद कर दी है। रोलओवर का मतलब तरक्की नहीं होता है। रोलओवर का सीधा सा मतलब है कि आपकी जेब में पैसा लौटाने की औकात नहीं।क्या पाकिस्तान एक बार फिर डिफॉल्ट होने की कगार पर बाल-बाल बचा है या फिर सऊदी अरब ने पाकिस्तान की गर्दन पर लटकी कर्ज की तलवार को 3 साल के लिए और ढीला कर दिया है। जिस देश के पास अपने कंगाली के ढोल पीटने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा उस पाकिस्तान को एक बार फिर सऊदी अरब ने संजीवनी बूटी दे दी है। पूरे $5 अरब डॉलर। $5 अरब डॉलर का कर्ज रोलओवर हो चुका है। यानी अगले 3 साल तक पाकिस्तान को यह पैसा सऊदी को वापस नहीं लौटाना पड़ेगा। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये पाकिस्तान के लिए राहत की बात है या ये इस बात का सबसे बड़ा सबूत है कि पाकिस्तान बिना विदेशी बैसाखियों के अब दो दिन भी नहीं चल सकता। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब और स्टेट बैंक के गवर्नर जमील अहमद आज छाती ठोक कर कह रहे हैं कि सऊदी ने हमारी मदद कर दी है। रोलओवर का मतलब तरक्की नहीं होता है। रोलओवर का सीधा सा मतलब है कि आपकी जेब में पैसा लौटाने की औकात नहीं। इसीलिए आपने हाथ जोड़कर मालिक से कहा हुजूर थोड़ा टाइम और दे दो। अभी हम लुटे पीटे हैं और सुनिए ये पहली या दूसरी बार नहीं है। सऊदी अरब ने लगातार तीसरी बार पाकिस्तान को यह मोहलत दी है। अगर सऊदी अपना पैसा आज वापस मांग ले तो अगले 24 घंटे के अंदर पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था ताश के पत्तों की तरह जाएगी। अब जो आंकड़े मैं आपको बताने जा रही हूं उन्हें सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के पास विदेशी जमा के नाम पर कुल $1 अरब डॉलर पड़े हैं। और आपको जानकर हैरानी होगी कि इस 12 में से $8 अरब डॉलर अकेले सऊदी अरब का है। यानी पाकिस्तान का अपना फॉरेक्स रिजर्व्स सिर्फ नाम का है। असली मालिक तो रियाद में बैठा है। इस चालू वित्त वर्षा में पाकिस्तान को 21.5 अरब डॉलर का विदेशी कर चुकाना पड़ा है। बिल्कुल नहीं। इसे अर्थशास्त्र की भाषा में डेफ ट्रैप यानी कर्ज का चक्रव्यूह कहते हैं। स्टेट बैंक के गवर्नर भले ही कहें कि तनाव कम हो गया है लेकिन कड़वी सच्चाई यह है कि यह राहत सिर्फ और सिर्फ वेंटिलेटर पर पड़े मरीज को कुछ दिन और जिंदा रखने जैसी है। जब तक पाकिस्तान अपनी बबार्दी की नीतियां नहीं बदलेगा 3 साल क्या? 30 साल बाद भी यह देश कटोरे लेकर ही खड़ा मिलेगा

रहमान डकैत के भाई को किसने गोली मारी? 'धुरंधर' का खेल है जारी, फिर क्या गैंगवार से दहलने वाला है ल्यारी

पाकिस्तान : ल्यारी के कुख्यात गैंगस्टर उजैर बलोच का भाई जो फिलहाल पाकिस्तान की जेल में बंद है। रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर की कहानी इसी उजैर बलोच के इर्द-गिर्द घूमती है। पाकिस्तानी न्यूज वेबसाइट डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक जब जुबैर बलोच को गोली मारी गई तब वहां से गुजर रहे दो राहगीरों को भी गोली लगी जिनमें से एक की हालत गंभीर है। हमलावरों ने अपने चेहरे ढक रखे थे जिसके कारण उनका चेहरा पहचान नहीं पाया गया। हमले के बाद पास के एक दुकानदार ने भी अपनी बंदूक निकाली और उन पर फायरिंग कर दी। जिसके बाद वह वहां से भागते बने। 30 जुलाई की शाम पाकिस्तान के ल्यारी का सिंघु लेन इलाका 40 साल का एक आदमी अपने घर के बाहर बैठा था। तभी दो मोटरसाइकिल सवार वहां से गुजरे और गुजरते हुए उस 40 साल के आदमी पर गोलियों की बरसात कर दी और मौके से फरार हो गए। उसके पेट में और सीने में कई गोलियां लगी। अब वह अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच झूल रहा है। ल्यारी का नाम सुनते ही आपने आईडिया लगा लिया होगा कि यह स्टोरी किसके बारे में है। जिस आदमी को गोलियां मारी गई हैं, उसका नाम है जुबैर बलोच। ल्यारी के कुख्यात गैंगस्टर उजैर बलोच का भाई जो फिलहाल पाकिस्तान की जेल में बंद है। रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर की कहानी इसी उजैर बलोच के इर्द-गिर्द घूमती है। पाकिस्तानी न्यूज वेबसाइट डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक जब जुबैर बलोच को गोली मारी गई तब वहां से गुजर रहे दो राहगीरों को भी गोली लगी जिनमें से एक की हालत गंभीर है। हमलावरों ने अपने चेहरे ढक रखे थे जिसके कारण उनका चेहरा पहचान नहीं पाया गया। हमले के बाद पास के एक दुकानदार ने भी अपनी बंदूक निकाली और उन पर फायरिंग कर दी। जिसके बाद वह वहां से भागते बने। यह ऑपरेशन 2010 से लेकर 2020 तक चला। इसमें आतंकवादियों के साथ-साथ ल्यारी के गैंगस्टर्स को भी निशाना बनाया गया। इलाके के एक सोशल एक्टिविस्ट ने नाम न बताने की शर्त पर 'डॉन' को बताया कि जुबैर कुछ महीने पहले एक राजनीतिक पार्टी₹ में शामिल हुआ था और उसने अपने इलाके में उस पार्टी के झंडे भी लगाए थे। एक्टिविस्ट ने लियारी में फैली उन अफवाहों का भी ज़िक्र किया कि कराची ऑपरेशन के बाद दुबई और ईरान भाग गए कुछ गैंगस्टर, अमेरिका-ईरान युद्ध के बाद वापस आ गए हैं, और इलाके के लोग पुरानी गैंग-वॉर के फिर से शुरू होने के डर में जी रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि हमलावरों ने अपने चेहरे ढके हुए थे और जब पास के एक दुकानदार ने जवाबी फायरिंग की, तो वे भाग गए। इससे पहले मार्च में, एक एंटी-टेररिज्म कोर्ट (अळउ) ने हत्या, पुलिस एनकाउंटर और विस्फोटक रखने से जुड़े सात मामलों में उजैर बलोच की जमानत अर्जियां खारिज कर दी थीं। उजैर और अन्य लोगों पर 2012 में कालाकोट पुलिस स्टेशन के इलाके में हथियारों और विस्फोटकों से कानून लागू करने वाले अधिकारियों पर हमला करने का आरोप था। अप्रैल 2020 में एक मिलिट्री कोर्ट ने उजैर बलोच को जासूसी का दोषी ठहराया था और उसे 12 साल की जेल की सजा सुनाई थी। साल 2020 में जब उजैर बलोच को सजा सुनाई गई तब भी पाकिस्तान ने इस मामले में भारत को घसीटा। बलोच को लेकर कहा गया कि वह ईरान के साथ-साथ रॉ के लिए भी जासूसी कर रहा था। इस मामले में सीटीडी ने तीन और गैंगस्टर्स को भारत से जुड़ा हुआ बताया। ये तीन गैंगस्टर्स थे। मुदसिर जावेद, हारिस उर्फ, लंगड़ा और अबू सुफियान। इनको 2020 में गिरफ्तार किया गया। सीटीडी के अनुसार यह सब लेरी के ही एक गैंगस्टर जाहिद उर्फ.शटर के गिरोह में थे। सीटीडी का आरोप है कि जाहिद संयुक्त अरब अमीरात में रहता है और भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ के लिए जासूसी करता है। पाकिस्तान ने आरोप लगाया कि उजैर बलोच के बाद लेहारी में जो कुछ गैंगस्टर बचे हैं रॉ उनका इस्तेमाल टारगेट किलिंग्स के लिए करता है। अप्रैल 2020 में पाकिस्तान की एक मिलिट्री कोर्ट ने उजैर बलोच को जासूसी करने के लिए दोषी ठहराया और 12 साल की जेल की सजा सुनाई। लेकिन यह इकलौता मामला नहीं है जिसमें वो जेल काट रहा है। अवैध हथियार रखने, विस्फोट करने, अरसद पप्पू की हत्या के साथ-साथ दर्जनों मामले उसके खिलाफ चल रहे हैं।

गुड्डू और कालीन गदर मचाने को तैयार

नई दिल्ली। महीनों के इंतजार के बाद, 'मिर्जापुरः द मूवी' के मेकर्स ने हाल ही में फिल्म का धमाकेदार टीजर रिलीज किया, जिसने फैंस को इस आइकॉनिक फ्रेंचाइजी के बड़े पर्दे वाले एडाप्टेशन की पहली झलक दिखाई। पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु शर्मा एक बार फिर अपने फैंस के पसंदीदा किरदारों में नजर आए। 11 अगस्त को ट्रेलर रिलीज होने के बाद 'मिर्जापुरः द मूवी' की टीम बड़े स्तर पर प्रमोशन शुरू करेगी. मेकर्स 7 से 8 शहरों में एक खास मल्टी-सिटी ट्रेलर लॉन्च रोड ट्रिप की तैयारी कर रहे हैं। इस दौरान फिल्म की लीड स्टारकास्ट देश के अलग-अलग शहरों में जाकर फैंस से मिलेगी और सिनेमाघरों में रिलीज से पहले 'मिर्जापुरः द मूवी' का भौकाल सीधे दर्शकों तक पहुंचाएगी। इस स्टारकास्ट को और बड़ा बनाते हुए फिल्म में अभिषेक बनर्जी, रसिका दुगल, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, प्रमोद पाठक, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता शेखर गौड़, श्वेता त्रिपाठी और सोनल एस. चौहान भी नजर आएंगे, जो मिर्जापुर की दुनिया का एक नया और रोमांचक चैप्टर बड़े पर्दे पर लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म 4 सितंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

लाइफ Style

कोंकणा

साइकोलॉजिकल हॉरर कहानियों में है दिलचस्पी

बतौर कलाकार और निर्देशक अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा को हॉरर फिल्में बहुत पसंद हैं, लेकिन वह उन फिल्मों को देखने से डरती भी हैं। एक थी डायन हॉरर फिल्म में अभिनय कर चुकी कोंकणा ने बताया कि उनके भीतर हॉरर फिल्मों का निर्देशन करने वाला निर्देशक भी है। वह एक हॉरर फिल्म की कहानी पर काम भी कर रही हैं।

अपनी निर्देशित पहली फिल्म 'ए डेथ इन द गंज' के एक डरावने सीन पर बात करते हुए कोंकणा ने कहा कि फिल्म के एक डरावने रात वाले सीन को लिखते समय कई बार शीशे में खुद की ही परछाई देखकर मैं डर जाती थी। हॉरर जानर मुझे दिलचस्प लगता है, लेकिन जब मैं हॉरर जॉनर में कुछ लिखती हूं, तब खुद भी डर जाती हूं। इस कारण मैं कई बेहतरीन हॉरर फिल्में भी नहीं देख पाती हूं, क्योंकि उनका असर मेरे मन में बहुत लंबे समय तक रह जाता है। मैं एक हॉरर फिल्म भी बनाना चाहती हूं। मातृत्व पर आधारित उस कहानी के बारे में मैं काफी समय से बात कर रही हूं, लेकिन अभी तक उसे लिखा नहीं है। साइकोलॉजिकल हॉरर कहानियों में मेरी गहरी दिलचस्पी है। आगे कोंकणा ने बताया कि वह अपनी इस कहानी के सारे क्रिएटिव राइट्स खुद के पास रखना चाहती हैं। इसलिए उन्होंने इस कहानी के लिए फिलहाल किसी स्टूडियो या निर्माता से बात नहीं की है। वह कहती हैं कि मैं किसी निर्माता से पैसे लेकर स्क्रिप्ट नहीं लिखना चाहती, क्योंकि ऐसा करने पर वह कहानी उनकी हो जाती है। कहानी मेरे दिमाग में है, अगर मैं थोड़ी कम बिजी हुई तो इसे खुद लिखूंगी। कोंकणा पिछली बार प्राइम वीडियो की थ्रिलर सीरीज 'सर्चः द नैना मर्डर केस' में नजर आई थीं जिसमें उन्होंने एक पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाया था।

हॉलीवुड मसाला

इस फिल्म के विलेन ने ली 1000 करोड़ की फीस

नई दिल्ली। 4500 करोड़ की फिल्म का विलेन 1000 करोड़ की फीस ले गया। हॉलीवुड की सबसे बड़ी सुपरहीरो फ्रैंचाइजी मार्बल सिनेमैटिक यूनिवर्स में एक बार फिर इतिहास रचा जा रहा है। एवेंजर्सः डूम्सडे में विलेन डॉक्टर डूम की भूमिका निभाने वाले रॉबर्ट डाउनी जूनियर को लगभग 100 मिलियन डॉलर यानी लगभग 1000 करोड़ रुपए की भारी-भरकम फीस मिलने की खबर है। यह डील दो फिल्मों 'एवेंजर्सः डूम्सडे' और उसके सीक्वल 'एवेंजर्सः सीक्रेट वॉर्स' के लिए है। फिल्म का प्रोडक्शन बजट भी आसमान छू रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, डूम्सडे और सीक्रेट वॉर्स का बजट लगभग 600 मिलियन डॉलर (लगभग 5700 करोड़ रुपए) है।

स्पाइडर मैन ने ला दी बॉक्स ऑफिस में आंधी

मुंबई। स्पाइडर-मैन ब्रांड न्यू डे ने तो भारत में पहले ही दिन तूफान मचा दिया है। फिल्म ने पहले ही दिन इतनी जबरदस्त कमाई की है कि आप भी जानकर हैरान हो जाएंगे। इतना ही नहीं मूवी की जो पहले दिन की कमाई है उसने कई हिंदी फिल्मों के पहले दिन के कलेक्शन को पछाड़ दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने पहले दिन भारत में 60.60 करोड़ की कमाई कर ली है। वहीं, ग्रॉस मवी ने 72.44 करोड़ की कमाई की है। स्पाइडर मैन ब्रांड न्यू डे ने इंग्लिश के बाद सबसे ज्यादा हिंदी भाषा में कमाई की है। फिल्म के पहले दिन के धमाकेदार बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को देखते हुए लगता है कि वीकेंड पर फिल्म 100 से 150 रुपए तक की कमाई कर सकती है, क्योंकि फिल्म को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। जन नायकन के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो इस फिल्म ने गुरुवार को 3.98 करोड़ की कमाई की थी। स्पाइडर मैन की आंधी में जन नायकन भी हिल गई। बता दें कि इस फिल्म के कलेक्शन के साथ यह मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की पहली फिल्म बन गई है भारत में सबसे ज्यादा ओपनिंग के साथ।

टीचिंग के बाद लगा एक्टिंग का चस्का

नई दिल्ली। कियारा आडवाणी आज बॉलीवुड की सबसे चर्चित और सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। कियारा ने मुंबई से स्कूली पढ़ाई पूरी की और फिर मास कम्युनिकेशन में ग्रेजुएशन किया। उन्होंने अभिनय में आने से पहले अपनी मां के प्री-स्कूल में छोटे बच्चों को पढ़ाया भी। वह बच्चों को कविताएं सुनाती थीं और उनकी देखभाल करती थीं। कियारा का कहना है कि इस अनुभव ने उन्हें जिम्मेदारी और संयम रखना सिखाया। कियारा आडवाणी ने कई इंटरव्यू में बताया कि सलमान खान की सलाह पर उन्होंने अपना नाम बदलकर कियारा रख लिया। यह नाम उन्हें प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'अंजाना अंजानी' के एक किरदार से पसंद आया था। बाद में यही नाम उनकी नई पहचान बन गया। साल 2014 में कियारा ने फिल्म 'फगली' से बॉलीवुड में कदम रखा। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही।

अनुपम ने पूरी की 'ये प्रेम मोल लिया' की शूटिंग

मुंबई। अभिनेता अनुपम खेर को सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' में देखा जाएगा। इसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है। इसकी जानकारी अनुपम खेर ने पोस्ट साझा करके दी है। उन्होंने कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ सूरज के लिए इमोशनल पोस्ट लिखा है। उन्होंने निर्देशक के साथ काम करने का सफर भी साझा किया है। अनुपम खेर ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ लिखा है, 'और अब ये पूरा हुआ। गुरुवार रात, हमने सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' की शूटिंग पूरी कर ली। मैं सूरज को तब से जानता हूं, जब वे मेरी पहली फिल्म 'सारांश' में असिस्टेंट थे। तब से हमने आठ से ज्यादा फिल्मों का सफर साथ तय किया है। उन्हें हमारे समय के सबसे बेहतरीन कहानीकारों में से एक बनते देखना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही है।

टीवी मसाला

दूरदर्शन का यह शो आज भी कहलाता है कल्ट क्लासिक

नई दिल्ली। आज ओटीटी पर 'द एम्पायर', 'ताजः डिवाइडेड बाय ब्लड' और 'फ्रीडम एट मिडनाइट' जैसी सीरीज इतिहास को बड़े पैमाने पर पर्दे पर पेश कर रही हैं। लेकिन, इनसे कई साल पहले दूरदर्शन ने एक ऐसा ऐतिहासिक धारावाहिक दर्शकों को दिया था, जिसने भारत की सभ्यता और इतिहास को बेहद रोचक अंदाज में घर-घर पहुंचाया। साल 1988 में प्रसारित 'भारत एक खोज' श्याम बेनेगल के निर्देशन में बना था.

फातिमा ने तीन कौवे के सेट से साझा की तस्वीरें

नई दिल्ली। फातिमा सना शेख अपनी अपकमिंग वेब सीरीज 'तीन कौवे' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर इस सीरीज में काम कर रहे कलाकारों के साथ तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ उन्होंने एक शानदार कैप्शन लिखा है। उन्होंने सभी साथियों को गैंगस्टर बुलाया है। फातिमा सना शेख ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उसमें सिद्धांत गुप्ता और बॉबी देओल नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में फातिमा सबके साथ सेल्फी ले रही हैं। एक और तस्वीर में वह बॉबी देओल के साथ विक्ट्री साइन बनाते हुए पोज दे रही हैं। एक और तस्वीर में फातिमा सिद्धांत से बेबाकी से नजरें मिला रही हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए फातिमा सना शेख ने लिखा 'गैंगस्टर। तीन कौवे गैंग। हम मजे में हैं। मैं सिर्फ एक लड़की हूं। सबसे अच्छी लड़की। मुसीबत खड़ी करने वाली। बॉबी देओल महान हैं। बात खत्म।' आपको बता दें कि 'तीन कौवे' अमेजन प्राइम वीडियो पर आने वाली अपकमिंग सीरीज है। इसमें सिद्धांत गुप्ता, बॉबी देओल और फातिमा सना शेख मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसमें पावेल गुलाटी, रोनित रॉय, ईशा तलवार, चांदनी बैंज और फैसल मलिक भी हैं। इसका निर्देशन प्रियंका घोष कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'तीन कौवों' की कहानी एक ऐसे पूर्व सीक्रेट एजेंट के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे सात साल से मृत मान लिया गया था। मगर गद्दार करार दिए जाने के बाद वह अपना नाम साफ करने के लिए वापस लौटता है। यह सीरीज इस साल के आखिर में रिलीज हो सकती है।

6000 से ज्यादा गानों को दी आवाज, 7 साल की उम्र में शुरू किया था गायकी का सफर

नई दिल्ली। बॉलीवुड-दक्षिण भारतीय संगीत उद्योग को अपनी अनूठी और सुरीली आवाज से दशकों तक समृद्ध करने वाली दिग्गज पार्श्व गायिका जमुना रानी का 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। वह पिछले कुछ समय से उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थीं। उन्होंने गुरुवार शाम बेंगलुरु स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। साल 1938 में आंध्र प्रदेश में जन्मीं जमुना रानी ने महज सात साल की नन्हीं उम्र में ही फिल्म उद्योग में कदम रख दिया था और अपनी प्रतिभा के बल पर संगीत इतिहास में अपना नाम अमर कर लिया। जमुना रानी ने अपने गायन कॅरियर की शुरुआत फिल्म 'त्यागय्या' से एक प्लेबैक सिंगर के रूप में की थी। अपने लंबे और सफल करियर के दौरान उन्होंने तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में 6000 से भी अधिक गीतों को अपनी आवाज दी। उनकी विशिष्ट और अलग आवाज उन्हें अपने दौर के अन्य गायकों से अलग बनाती थी। उनकी आवाज विशेष रूप से क्लब डांस नंबर, जिप्सी सॉन्ग्स और लोकगीतों के लिए बेहद उपयुक्त मानी जाती थी। साल 1952 में रिलीज हुई फिल्म 'कल्याणी' के जरिए उन्होंने तमिल फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था और वहां भी अपनी सफलता के झंडे गाड़े।

कई पुरस्कारों और सम्मानों से की गईं सम्मानित : अपने लंबे संगीत सफर में उन्होंने टीएम सौंदरराजन, सिरकाली गोविंदराजन, तिरुचि लोगनाथन, पीबी श्रीनिवास, एएम राजा, पी सुशीला, पी लीला, एलआर ईश्वरी, जिक्की, एस. जानकी, शूलमंगलम राजलक्ष्मी और एमएस राजेश्वरी जैसे दिग्गज गायकों के साथ युगल गीत गाए। इसके अलावा उन्होंने विश्वनाथन-राममूर्ति, केवी महादेवन, टीआर पापा, वी कुमार, जीके वेंकटेश और इलैयाराजा जैसे महान संगीतकारों के निर्देशन में काम किया।

तेलुगु और अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में छोड़ी अमिट छाप

तेलुगु सिनेमा में जमुना रानी ने कई सदाबहार गीतों के जरिए अपार लोकप्रियता हासिल की। उनके प्रसिद्ध तेलुगु गीतों में 'सरदा सरदा सिगरेटु', 'एंथा टक्कारी वाडू नाराजू', 'मुक्कुमीधु नृखी.. नी मुखनिके आडा', 'कोटू बूटू वीडा बावा वाचादय्या' और 'पाडापाडावे वैयारी गालिपतामा' शामिल हैं, जो आज भी संगीत प्रेमियों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। जमुना रानी का जादू केवल भारतीय भाषाओं तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी गायकी का परचम लहराया। श्रीलंका की सिंहली फिल्मों में गाए उनके गीतों को व्यापक सराहना मिली। विशेष रूप से, मशहूर गायक ए.एम. राजा के साथ सिंहली फिल्म 'सदा सुलंग' में गाया गया उनका युगल गीत 'जीवना मी गमना रमसाए' श्रीलंकाई संगीत इतिहास में एक क्लासिक गीत बन गया, जिसे आज भी बेहद पसंद किया जाता है।

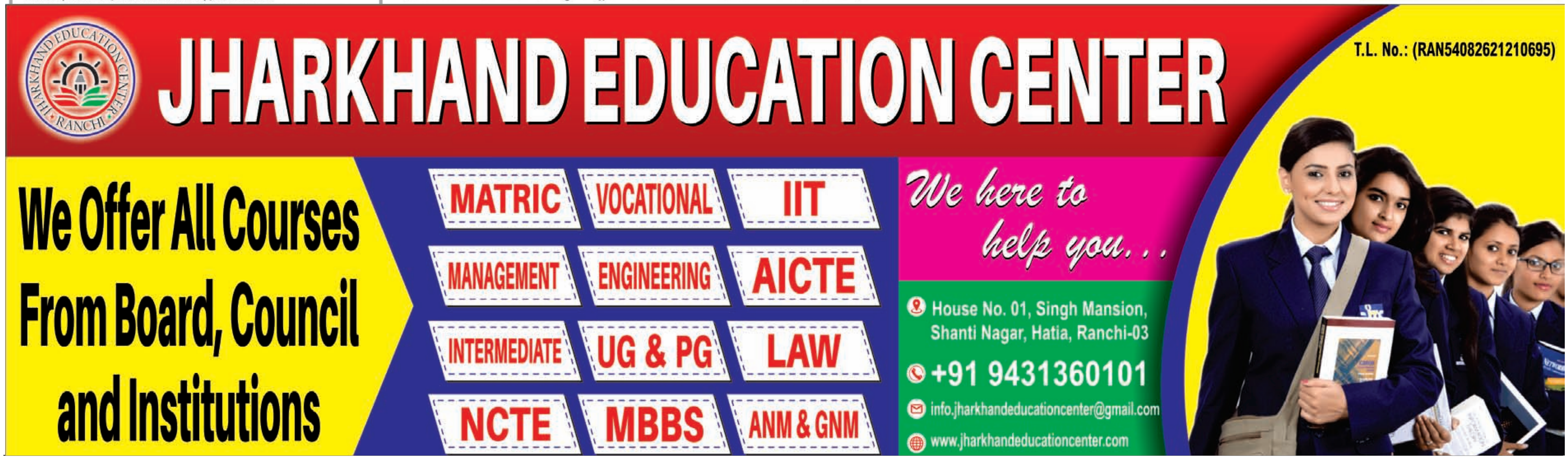

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रत्नेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.